डालटनगंज
(मेदिनीनगर)
शुक्रवार
16.09.2022
आश्विन कृष्ण पक्ष 06
विक्रम संवत 2079

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रश्मि प्रवाह

खुशी उड़ती हुई तितली के जैसी है, जिसे पकड़ने के लिए आप जितना दौड़ेंगे यह उतना ही आपसे दूर चली जायेगी। यदि आप शांत मुद्रा में एक जगह स्थिर हो जायेंगे तो यह खुद आपके कंधे के पास बैठ जायेगी।

www.rastriyanaveenmail.com
डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित
वर्ष-29 अंक-328 पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 1.50

सीएम हेमंत सोरेन ने राज्यपाल से की मुलाकात

चुनाव आयोग के मंतव्य पर जल्द फैसला लेने की अपील

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में चल रहे सियासी घमासान के बीच गुरुवार को सीएम हेमंत सोरेन ने राज्यपाल रमेश बैस से मुलाकात की। इस दौरान सीएम सोरेन ने राज्यपाल से चुनाव आयोग की सिफारिश की एक कॉपी उन्हें भी उपलब्ध कराने और जल्द से जल्द फैसला करने की अपील की है। सीएम हेमंत सोरेन ने अपने ऑफिसियल अकाउंट पर ट्वीट किया, 'आज राजभवन में माननीय राजपाल रमेश बैस जी से मुलाकात कर राज्य में विगत तीन सप्ताह से अधिक समय से उत्पन्न अनापेक्षित और दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों की अनिश्चितता को दूर करने हेतु पत्र सौंपा जिससे इस भ्रम की स्थिति में भाजपा द्वारा किये जा रहे अनैतिक प्रयास से उसे रोका जा सके।'

तीन सप्ताह से अनिश्चितता का माहौल : सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि उन्हें झारखंड राज्य में विगत तीन सप्ताह से अधिक समय से उत्पन्न असामान्य, अनापेक्षित एवं दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों के कारण आज उनके समक्ष उपस्थित होने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है।

बीजेपी की ओर से रची जा रही है साजिश : सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि फरवरी, 2022 से ही बीजेपी द्वारा यह भूमिका रची जा रही है कि उनके द्वारा पत्थर खनन पट्टा लिये जाने के आधार पर उन्हें विधान सभा की सदस्यता से अयोग्य ठहरा दिया जायेगा। इस संबंध में भाजपा द्वारा एक शिकायत भी दर्ज की गयी थी। हालांकि, संबंधित विषय के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा करतार सिंह भदाना बनाम हरी सिंह नलवा और सीकेवी राव बनाम दंतू भाष्कर के मामले में दिये गये आदेश से पूर्व में ही सारी स्थिति स्पष्ट कर दी गयी है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में कहा गया है कि खनन पट्टा लिये जाने से जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 9ए के प्रावधान के अंतर्गत अयोग्यता उत्पन्न नहीं होती है। इस विषय में मंतव्य गठन के लिए संविधान के अनुच्छेद 192 के अन्तर्गत उनके रेफरेंश के अनुसरण में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सुनवाई भी आयोजित की गई। आयोग की ओर से अपना मंतव्य भी भेज दिया गया है। इसे लेकर 25 अगस्त से ही ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

सीएम हेमंत सोरेन ने जेएमएम प्रमुख से की मुलाकात

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को मोरहाबादी रांची स्थित आवास में अपने पिता पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान राज्य सभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने उन्हें 14 सितम्बर को सम्पन्न हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में 1932 खतियान आधारित झारखंड का स्थानीय निवासी की परिभाषा एवं पहचान के लिए विधेयक, 2022 के गठन की स्वीकृति दिये जाने एवं अन्य बड़े निर्णयों के संबंध में अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने भेंट-वार्ता के क्रम में कहा कि राज्य सरकार उनके सपनों को पूरा कर रही है। उनके लंबे संघर्ष और आंदोलन के बाद जिस उद्देश्य से अलग झारखंड राज्य मिला है, अब उस राज्य को उनकी सरकार हर क्षेत्र में बेहतर दिशा देकर आगे बढ़ा रही है। मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान राज्य सभा सांसद दिशोम गुरु शिबू ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

17 सितम्बर से दो अक्टूबर के बीच मनेगा स्वच्छ अमृत महोत्सव

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव विनय कुमार चौबे ने कहा है कि प्रदेश के नगर निकाय, उन योजनाओं पर विशेष ध्यान दें जो योजना सरकार की प्राथमिकता सूची में शामिल है। उन्होंने कहा कि शहरी लोगों को हर मूलभूत सुविधाएं मिलें, यह सरकार की प्राथमिकता है। जुपमी बिल्डिंग स्थित सभागार में आयोजित नगर विकास एवं आवास विभाग की समीक्षा बैठक में बोलते हुए श्री चौबे ने ये बात कही। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन, अमृत योजना, 15वां वित्त आयोग, प्रधानमंत्री आवास योजना, फिकल स्लग मैनेजमेंट सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने योजनाओं को समय पर पूरा कर अतिरिक्त योजनाओं का प्राक्कलन तैयार कर प्रस्ताव भेजने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन शहरों में आवास योजनाएं चल रही हैं, वहां लाभुकों को बैंकों से लोन दिलाने के लिए भी आप जिला प्रशासन के साथ समन्वय कर कार्य शुरू करें। उन्होंने जुडको और विभाग के तकनीकी कोषांग को भी आवश्यक निर्देश दिया। बैठक में राज्य शहरी विकास अभिकरण के निदेशक अमित कुमार ने निकायवार सभी योजनाओं की समीक्षा की और प्रगति की जानकारी ली। इसके साथ ही सभी निकायों में संचालित स्वच्छ भारत मिशन, अमृत योजना, 15वां वित्त आयोग के तहत चल रही योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 17 सितम्बर से दो अक्टूबर तक प्रदेश के सभी नगर निकायों में स्वच्छ अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है।

न्यूज गैलरी

केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री ने एम. विश्वेश्वरैया की प्रतिमा का किया अनावरण

रांची। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष सरकार ने गुरुवार को इंजीनियर्स-दिवस के अवसर पर रांची स्थित राष्ट्रीय उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएएमटी) में एम. विश्वेश्वरैया की प्रतिमा का अनावरण किया। अपने दो दिवसीय रांची दौरे पर श्री सरकार ने संस्थान द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला रिमेनुफैक्चरिंग कैपेसिटी बिल्डिंग का भी उद्घाटन किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए श्री सरकार ने मेक इन इंडिया के तहत पुनर्निर्माण की आवश्यकता पर बात करते हुए कहा कि इस तरह की कार्यशाला से रोजगार को बढ़ाने में मदद मिलेगी। साथ ही कर्मचारियों के रेट्रेंचमेंट भी कम हो जायेगा। इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट से नयी वस्तुओं के पुनर्निर्माण पर भी काम किया जा रहा है जो कि सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगा। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, हटिया क्षेत्र के विधायक नवीन जायसवाल और रांची की मेयर आशा लकड़ा भी मौजूद रहे।

स्थानीय नीति के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन की आशंका

रांची। झारखंड सरकार द्वारा प्रस्तावित-1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति बनाने के प्रस्ताव पर विरोध-प्रदर्शन की आशंका के मद्देनजर सतर्कता बढ़ा दी गयी है। वहीं, दुर्गा पूजा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाये रखने के लिए भी सुरक्षा बढ़ायी गयी है। पुलिस मुख्यालय से गुरुवार को मिली जानकारी के मुताबिक स्थानीय नीति के विरोध प्रदर्शन की संभावना के मद्देनजर झारखंड पुलिस पूरी तरह से से अलर्ट मोड में है। इसे लेकर राज्यभर में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गयी है। राज्य के पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण ले रहे पुलिसकर्मियों को भी वापस बुलाया गया है। उन्हें अलग-अलग जिले में तैनात किया गया है, ताकि किसी प्रकार के अनहोनी से समय रहते निपटा जा सके। उल्लेखनीय है कि बीते बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया कि झारखंड में स्थानीय वही होंगे, जिनके पास 1932 का खतियान होगा।

एनजीटी ने बालू घाटों की बंदोबस्ती पर लगी रोक हटायी

रांची। झारखंड में बालू किल्लत के बीच एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) ने राज्य में बालू घाटों की बंदोबस्ती पर लगी रोक हटा दी है। झारखंड में बालू घाटों की बंदोबस्ती पर रोक लगाने की मांग को लेकर दाखिल की गयी याचिका पर अपना फैसला सुना दिया है। बता दें कि 25 अगस्त को इस मामले से जुड़े सभी पक्षों को सुनने के बाद ट्रिब्यूनल ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इससे पहले एनजीटी ने राज्य में बालू की बंदोबस्ती पर स्थगन के आदेश दिया था जिसके कारण झारखंड में बालू घाटों की बंदोबस्ती नहीं हो पा रही थी, लेकिन ट्रिब्यूनल का आदेश आने के बाद अब झारखंड में बालू घाटों की बंदोबस्ती का रास्ता पूरी तरह से साफ हो गया है। एनजीटी ने अपने आदेश में कहा है कि सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के मुताबिक बंदोबस्ती की प्रक्रिया की जाये, इसके साथ ही डीएसआर (डिस्ट्रिक सर्वे रिपोर्ट) का भी पालन किया जाये।

बंगाल एसएससी घोटाला मामले में सीबीआई ने कसा शिकंजा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) घोटाले के सिलसिले में गुरुवार को दिल्ली और कोलकाता में एक सॉफ्टवेयर कंपनी के परिसरों में छह स्थानों पर तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि आरोप है कि शिक्षकों की नियुक्ति में उम्मीदवारों के रिकॉर्ड में हेराफेरी की गयी और इसमें कंपनी की भूमिका सवालों के घेरे में है। एक अधिकारी ने कहा कि सीबीआई ने 18 मई को पश्चिम बंगाल के तत्कालीन शिक्षा राज्य मंत्री परेश चंद्र अधिकारी और उनकी पुत्री अंकिता अधिकारी के खिलाफ कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश पर प्राथमिकी दर्ज की थी। अदालत ने राज्य सरकार द्वारा सहायता प्राप्त एक स्कूल में मंत्री की पुत्री की शिक्षिका के रूप में कथित तौर पर अवैध नियुक्ति के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया था।

खामियों को दूर कर रहे हैं : सीएम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य का मुखिया होने के नाते हम एक ओर राज्य को बेहतर दिशा देने का काम कर रहे हैं, वहीं व्यवस्था में वर्षों से चली आ रही खामियों को दूर करने का प्रयास भी लगातार जारी है। पूर्व सरकारों की गलत नीतियों का खामियाजा राज्यवासियों को भुगतना पड़ा है। उन्हें इस वजह से लंबा संघर्ष करना पड़ा, लेकिन हमारी सरकार अब सिस्टम को सुव्यवस्थित कर रही है, ताकि आपकी समस्याओं का समाधान निकल सके। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में नवनियुक्त माध्यमिक शिक्षक-2019 बैच (अनुसूचित क्षेत्र) द्वारा आयोजित आभार कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाओं को संबोधित करते हुए ये बातें कही। मौके पर नवनियुक्त शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि हमारी सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में आगे ले जाने का जो लक्ष्य रखा है, उसकी अहम कड़ी के रूप में आप अहम योगदान देंगे। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त माध्यमिक शिक्षकों से कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी आप परेशान रहे, आपका मामला सर्वोच्च न्यायालय तक चला गया। आप लगातार संघर्ष करते रहे। आपकी परेशानियों को देखकर मैं भी लगातार परेशान रहा। ऐसे में आपकी समस्या का समाधान कैसे निकले, इसके लिये मैं हमेशा प्रयत्नशील रहा। अब जब आप सरकार के अंग के रुप में योगदान देंगे तो आपको जितनी खुशी हो रही है, उतना ही खुश मैं भी हूं। नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं हो, इसे हमारी सरकार हर हाल में सुनिश्चित करेगी।

सरकार के अंग के रुप में काम करनेवालों को मिलेगा हक-अधिकार : मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के अंग के रुप में काम करनेवालों को उनका उचित हक और अधिकार मिले, यह सरकार की विशेष प्राथमिकताओं में शामिल है। जो भी सरकार की व्यवस्था से जुड़कर काम कर रहे है, उनकी मांगों और समस्याओं का समाधान किया जा रहा है, क्योंकि आपके सहयोग से ही राज्य में विकास की गति को तेज किया जा सकता है। अभी भी कई चुनौतियां है, जिसे दूर करने की दिशा में सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

कोर्ट-कचहरी में अब सरकार के पक्ष में आ रहे हैं फैसले : मुख्यमंत्री ने कहा कि अलग राज्य बनने के बाद से ही सरकार द्वारा बनायी गयी कई नीतियों का मामला कोर्ट-कचहरी तक ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

सीएम से विभिन्न जिलों के जिला परिषद अध्यक्षों ने की मुलाकात

पंचायती राज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए नौ सूत्री मांगों को रखा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे जिला परिषद अध्यक्षों ने मुलाकात की। भेंट-वार्ता के क्रम में जिला परिषद अध्यक्षों ने त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु जिला परिषद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों को शक्तियां एवं सुविधाएं प्रत्योजित किये जाने संबंधी अपने नौ सूत्री मांगों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री के समक्ष ज्ञापन के माध्यम से मांग रखी गयी है कि सरकार द्वारा पंचायती राज संस्थाओं के अधीन 14 विभाग की शक्तियां प्रदत्त की गयी हैं, उन सभी

विभागों को प्रदान की गयी शक्तियों का अक्षरशः पालन कराये जाने एवं झारखंड राज्य के जिला ग्रामीण विकास विभाग का विलय जिला परिषद में होने के बावजूद अभी तक जिला परिषद को स्वतंत्र प्रभार नहीं दिये जाने तथा जिला परिषद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों को आवास, वाहन, अंगरक्षक एवं यात्रा भत्ता उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित की जाये। मुख्यमंत्री को सौंपे गये ज्ञापन में इन मांगों के अतिरिक्त त्रिस्तरीय पंचायती राज को मजबूत एवं सुदृढ़ करने हेतु कई अन्य मांग भी उल्लेखित है।

सभी को हक-अधिकार और सम्मान दे रही हमारी सरकार

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जिला परिषद अध्यक्षों से कहा कि आपकी मांगों पर राज्य सरकार सकारात्मक पहल करते हुए विधिसम्मत यथोचित कार्यवाही करेगी। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि वर्तमान सरकार किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी। सभी को सम्मान तथा हक-अधिकार मिले इस निमित्त सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य को नयी दिशा देने में सरकार लगी हुई है। राज्य सरकार द्वारा संचालित विकासात्मक योजनाओं ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

कलयुगी बेटे ने गोली मार कर की पिता की हत्या

जमीनी विवाद में घटना को दिया अंजाम : एसडीपीओ

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। चैनपुर थाना क्षेत्र के मझिगांवा में बेटे ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी । बताया जाता है कि बेटे ने जमीन विवाद में इस घटना को अंजाम दिया है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है। पुलिस ने बताया कि रामसागर महतो के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इसके साथ ही घटना को अंजाम देने के बाद बेटा सूर्यदेव महतो फरार है। जिसकी गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार पिता रामसागर महतो और बेटे सूर्यदेव महतो के बीच जमीन विवाद

पलामू : गोली लगने से व्यक्ति घायल

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र के हमीदगंज में गोली लगने से एक व्यक्ति रंजन कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। वही इस घटना के बाद टीओपी वन प्रभारी रेवा शंकर राणा घटनास्थल पर पहुंचकर घायल को इलाज के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल में भर्ती कराया । जहां उसका इलाज चल रहा है। वहीं घायल के साथ एक व्यक्ति भी बाइक पर सवार था । जिसे पुलिस ने पूछताछ के लिए शहर थाना ले गई है । बताया जाता है कि यह दोनों व्यक्ति एक बाइक पर हथियार के साथ घूम रहे थे। तभी अचानक गोली चल गई और रंजन गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बाद से पुलिस मामले की तहकीकात में जुट गई है। वही वार्ड पार्षद कविता देवी के पुत्र अमन कुमार के पास से पुलिस ने हथियार के साथ गोली भी बरामद किया है।

था। इस मामले में गुरुवार को पलामू कोर्ट में सुवनाई होनी थी। लेकिन सुनवाई से पहले बेटे ने पिता के ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

जम्मू-कश्मीर के रियासी में हाइब्रिड आतंकवादी गिरफ्तार

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों ने एक हाइब्रिड आतंकवादी को गिरफ्तार करके बड़े आतंकी हमले की कोशिश को नाकाम करने का दावा किया है। पुलिस ने कहा कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादी के ठिकाने से हथियार, गोला-बारूद और 1,81,000 रुपये नकद बरामद किये हैं, जिसका इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिए किया जाना था। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार हाइब्रिड आतंकवादी की पहचान बल-अंगराला के निवासी जफर इकबाल के रूप में हुई है। वह राजौरी जिले में सुरक्षा बलों से हुई मुठभेड़ में मारे गए लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी मोहम्मद इसहाक का भाई है। हाइब्रिड आतंकवादी गैर-सूचीबद्ध कट्टरपंथी होते हैं, जो आतंकी हमलों को अंजाम देकर फिर से आम जीवन जीने लगते हैं। पुलिस ने कहा कि महोर थाने को सूचना मिली थी कि जफर इकबाल पाकिस्तान में बैठे आतंकी आकाओं के संपर्क में है। इस सूचना के आधार पर, पुलिस, राष्ट्रीय राइफल्स और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की टीमों ने अंगराला जंगल में एक संयुक्त अभियान शुरू किया था। अभियान के दौरान इलाके में एक ठिकाने से दो पिस्तौल, चार मैगजीन, 22 कारतूस और एक ग्रेनेड बरामद किया गया है। बाद में 1,81,000 रुपये बरामद किये गये, जिनका आंतकवादी गतिविधियों में इस्तेमाल किया जाना था। संयुक्त टीम ने प्लासू नाले से इकबाल को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान उसने कबूल किया कि वह आतंकवादी समूहों के संपर्क में था। रियासी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अमित गुप्ता ने कहा कि इकबाल की गिरफ्तारी एक बड़ी सफलता है। गुप्ता ने कहा कि पाकिस्तान में बैठे आतकंवादियों के आका रियासी के ऊंचे इलाकों में आतंकवाद को फिर से जिंदा करने की लगातार कोशिशें कर रहे हैं और इकबाल जैसे लोग उनके लिये काम कर रहे हैं।

स्थानीय नीति के मुद्दे पर सीएम विरोधियों के साथ अपनों से भी घिरे

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में सीएम हेमंत सोरेन ने 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति बनाये जाने से संबंधित विधेयक के प्रारूप को मंजूरी दे दी है। इसकी घोषणा के साथ ही सीएम हेमंत सोरेन विरोधियों के साथ ही अपनों से ही घिर गये हैं। गठबंधन सरकार में प्रमुख सहयोगी दल कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सह सांसद गीता कोड़ा और पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने इस प्रस्ताव का खुलकर विरोध किया गया है। वहीं, बीजेपी के गोड्डा सांसद निशिकांत दूबे ने कहा कि राज्य के छह मंत्रियों के पास भी 1932 का खतियान नहीं है।

कोल्हान में 1964, 65 व 70 में सर्वे सेटलमेंट : पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने कहा कि 1932 खतियान पर स्थानीयता का प्रस्ताव लाया गया, तो सिर्फ कोल्हान प्रमंडल में ही 45 लाख लोग रिफ्यूजी हो जायेंगे। उन्होंने कहा कि स्थानीय नीति का आधार 1932 करने से लाखों लोगों की परेशानी बढ़ जायेगी, क्योंकि कोल्हान का सर्वे सेटलमेंट 1964, 1965 और 1970 में हुआ था, जिसे राज्य सरकार नहीं मान रही है। सरकार को प्रस्ताव पर पुनर्विचार करना चाहिए। ऐसा नहीं हुआ, तो विरोध में वृहद आंदोलन किया जायेगा।

कोल्हान के लाखों लोगों के साथ अन्याय : प्रदेश कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष और सिंहभूम की सांसद गीता कोड़ा ने भी राज्य में 1932 आधारित स्थानीय नीति के प्रस्ताव लाये जाने का विरोध किया है। गीता कोड़ा ने कहा कि स्थानीय नीति के लिए 1932 के खतियान

- **नीति लागू हुआ तो कोल्हान के 45 लाख लोग हो जायेंगे रिफ्यूजी**
- **बीजेपी सांसद ने कहा- छह मंत्रियों के पास भी 1932 का खतियान नहीं**

को आधार बनाये जाने के कारण कोल्हान के लाखों लोगों के साथ अन्याय हो जायेगा। उन्होंने सरकार से इस पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है, अन्यथा कोल्हान के लोग आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इधर, गोड्डा के बीजेपी सांसद निशिकांत दूबे ने कहा कि यह प्रस्ताव वर्ष 2002 में तत्कालीन मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी द्वारा लिया गया है। उन्होंने सीएम हेमंत सोरेन से कहा कि जनता को गुमराह मत करिये, कल से लागू करिये। हालांकि, निशिकांत दूबे ने यह भी कहा कि 1932 खतियान के अनुसार झारखंड के मंत्री चंपई सोरेन, बन्ना गुप्ता, मिथिलेश ठाकुर, हफीजुल अंसारी, आलमगीर आलम और जोबा मांझी भी सरकार में रहने लायक नहीं हैं। उन्होंने बताया कि सरायकेल और मधुपुर 1956 में हमारे पास आया, इसके पहले यह ओडिशा और पश्चिम बंगाल का हिस्सा था। पाकुड़ का सर्वे नहीं हुआ, शहर में रहनेवाले कोई भी 1932 के खतियानी नहीं है। धनबाद जिला भी 1956 में बंगाल से बिहार में मिला।

हाईकोर्ट 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति व 73 प्रतिशत आरक्षण कर चुका है खारिज : वर्ष 2002 में तत्कालीन मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने जल संसाधन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना को आधार बनाते हुए 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति को लागू किया। वहीं, 72 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान लागू किया गया। बाद में इसे हाईकोर्ट ने रद कर दिया था।

नीट में धांधली, 161 प्रश्न हल किये हैं, तो ओएमआर सीट खाली कैसे दिख रही : लिपाक्षी

- आरएनएम

नयी दिल्ली। मध्य प्रदेश के आगर जिले के नलखेड़ा के पास भेसोदा गांव में रहनेवाली एक छात्रा नीट परीक्षा परिणाम के खिलाफ कोर्ट पहुंची है। उसका कहना है कि रिजल्ट में दिखायी जा रही ओएमआर शीट उसकी नहीं है। उसने ओएमआर शीट में अंतर बताते हुए कोर्ट से न्याय की गुहार लगायी है। चौंकाने वाली बात यह है कि छात्रा ने 12वीं में सभी विषयों में डिस्टिंक्शन हासिल किया था, वहीं नीट के परिणाम में उसे शून्य नंबर मिले हैं। छात्रा को आशंका है कि उनकी ओएमआर शीट बदल दी गयी है। जानकारी के अनुसार आगर जिले के नलखेड़ा के पास भेसोदा गांव में रहनेवाली लिपाक्षी पाटीदार को नीट के सात सितम्बर को घोषित परिणाम में जीरो नंबर मिले हैं। पहले तो लिपाक्षी को रिजल्ट पर भरोसा नहीं हुआ, उसने अपने दोस्तों की आंसर शीट देखी पर उसमें कोई अंतर नहीं दिखा। छात्रा की मानें तो उसने 200 प्रश्नों में से 161 प्रश्न हल किये हैं। उसका अनुमान था कि उसे 640 नंबर आ सकते हैं। उलट परिणाम आने के बाद परिजनों की सलाह ली गयी और जबलपुर हाईकोर्ट में अपील की गयी। छात्रा का कहना है कि हमें न्याय जरूर मिलेगा। बता दें कि छोटे से भेसोदा गांव में संयुक्त परिवार में रहनेवाली लिपाक्षी पाटीदार किसान बद्रीलाल पाटीदार की बेटी हैं। लिपाक्षी ने कक्षा दसवीं के बाद से ही डॉक्टर बनने का सपना देखा था। दसवीं में उसे 87 प्रतिशत व पांच विषय में डिस्टिंक्शन और बारहवीं में 80 प्रतिशत व सभी विषय में डिस्टिंक्शन ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

आंगनबाड़ी सेविकाओं ने रैली निकाल झारखंड सरकार के प्रति जताया आभार

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। प्रखंड के आंगनबाड़ी सेविका सहायिका संघ के लोगों ने गुरुवार की दोपहर पांकी के ढूब रोड स्थित पुराने परियोजना कार्यालय परिसर में एकजुट होकर खुशी जाहिर करते हुए रैली निकालकर झारखंड सरकार के प्रति आभार जताया। मौके पर कार्यक्रम का नेतृत्व कर रही पांकी प्रखंड सेविका संघ की अध्यक्ष अमला देवी ने बताया कि झारखंड प्रदेश की सेविका सहायिका पिछले कई वर्षों से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रही थी। जिसे हेमंत

सोरेन की सरकार ने एक झटके में उनकी मांग को मानते हुए उसे पूरा कर दिया है। जिससे राज्य के 24 जिलों की आंगनबाड़ी सेविका सहायिका बेहद खुश है। उनलोगों ने बताया कि झारखंड सरकार ने मातृत्व अवकाश के लिए 8 महीने एवं आंगनबाड़ी सेविकाओं के मानदेय में 3000 की वृद्धि करते हुए नियमावली की घोषणा की है । जिस हेतु सेविका सहायिका झारखंड सरकार के प्रति आभार जता रही हैं । रैली पुराने परियोजना कार्यालय से निकलकर पूरे बाजार का भ्रमण कर वापस परियोजना कार्यालय पहुंची । इस दौरान हेमंत सोरेन जिंदाबाद के जोरदार नारे भी लगाये। मौके पर कार्यक्रम में आंगनबाड़ी सेविका सीता देवी, द्रौपदी देवी, कांति देवी, स्नेह लता देवी, प्रभा देवी, मनोरमा देवी, शीतल कुमारी सहित सैकड़ों सेविका सहायिका उपस्थित थीं।

पुष्पांजलि स्वयं सहायता समूह पर आनाज गबन का मामला दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद प्रखंड के दंगवार पंचायत में पुष्पांजलि स्वयं सहायता समूह के द्वारा पीएम खाद्यान्न योजना के तहत मिलने वाला 55 क्विंटल राशन की गबन करने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में हुसैनाबाद बीडीओ सह प्रभारी एमओ रतन कुमार सिंह ने पुष्पांजली सहायता समूह के खिलाफ हुसैनाबाद थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि दंगवार पंचायत के कार्डधारियों ने पंचायत के मुखिया नरेंद्र ठाकुर व पंचायत सचिव से लिखित शिकायत की थी की पुष्पांजली स्वयं सहायता समूह द्वारा माह जुलाई 2022 का प्रधानमंत्री गरीब योजना के तहत मिलने वाला आनाज अब तक नहीं दिया गया। इस शिकायत के आधार पर पुष्पांजली स्वयं सहायता समूह के दुकान की जांच की गई। जांच के क्रम में समूह के द्वारा कोई पंजी, भंडाराण पंजी,वितरण पंजी उपलब्ध नहीं कराया गया और कहा कि कार्यालय में आकर दिखा देंगे,पर समूह द्वारा कोई भी पंजी उपलब्ध नहीं कराया गया। पुष्पांजली समूह द्वारा हुसैनाबाद एफसीआई गोदाम से जुलाई माह का करीब 55 क्विंटल अनाज का उठाव कर उक्त समूह द्वारा गबन कर दिया गया है। उधर हुसैनाबाद इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी जगरनाथ धान ने बताया कि केस पंजीकृत कर अनुसंधान शुरू कर दी गई है।

भाजपा की विधानसभा स्तरीय बैठक में सेवा पखवाड़ा को लेकर विचार विमर्श

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। भाजपा का हुसैनाबाद विधानसभा स्तरीय प्रभारियों की बैठक सेवा पखवाड़ा को लेकर हुई। इसकी अध्यक्षता नगर मंडल अध्यक्ष अजय प्रसाद गुप्ता ने की। जबकि संचालन सांसद प्रतिनिधि श्रवण अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत पार्टी के जिला अध्यक्ष विजयानंद पाठक ,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विनोद कुमार सिंह,रविंद्र कुमार सिंह,कर्नल संजय सिंह, रामप्रवेश सिंह,कामेश्वर कुशवाहा, प्रफुल्ल कुमार सिंह, लालबहादुर सिंह, जिला महामंत्री संतोष सिंह आदि ने संयुक्त रूप से श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर के समक्ष दीप जलाकर की। इस कार्यक्रम में हुसैनाबाद- हरिहरगंज विधानसभा क्षेत्र के सभी स्तर के संगठन प्रभारियों को जिला अध्यक्ष विजयानंद पाठक ने सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित कार्यक्रमो पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा का आयोजन है। जिसमें पुस्तक का विमोचन, स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, दिव्यांगों के बीच कृतिम अंग का वितरण, मरीजों को मदद करना, टीकाकरण अभियान, बूथ स्तर पर वृक्षा रोपण,जल संचय पर कार्यशाला,पंडित दीनदयाल की जयंती और प्रधानमंत्री के मन की बात सुनना,महिला मोर्चा द्वारा क्षेत्रीय व्यंजन बनाना, स्थानीय वस्तुओं का प्रचार प्रसार,स्थानीय स्तर पर बुद्धिजीवी सम्मेलन आयोजित है। उन्होंने कहा कि सभी आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी व कार्यकर्ता मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने की जरुरत है। मौके पर अखिलेश मेहता, उदय विश्वकर्मा, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष प्रशांत सिंह,रामराज मेहता,उमेश चंद्र शिव,नीरज सिंह,नरेंद्र सिंह, सीबी रमन सिंह,रंजीत पासवान, जेके पासवान,अरुण विश्वकर्मा, सुबोध कश्यप, रंजीव सिंह उर्फ छोटू सिंह समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

राजद नेता ने मुख्यमंत्री को दी बधाई

विश्रामपुर।वरीय राजद नेता सह अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव नईमुद्दीन अंसारी ने रविवार को स्थानीय नियोजन नीति में 1932 का खतियान लागू करने और ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के फैसले का स्वागत किया है।श्री अंसारी ने कहा कि झारखंड के मूलवासियों की लंबे समय से चल रही मांग को सरकार ने पूरा किया है। साथ ही ओबीसी को भी आरक्षण देकर सामाजिक न्याय की लड़ाई को भी मुकाम तक पहुंचाया है। इसके लिए मुख्यमंत्री बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड सरकार राज्य के हित में निर्णय ले रही है।

हेमंत सरकार का ऐतिहासिक फैसला : छेदी

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। राज्य कैबिनेट की बैठक में स्थानीयता की पहचान एवं नियोजन नीति निर्धारण के लिए 1932 के खतियान को आधार बनाने के फैसले एवं पिछड़ा वर्गों का आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने के फैसले के साथ हेमंत सोरेन की सरकार ने चुनाव पूर्व जनता से किए वादों को निभाने का काम किया है। उक्त बातें हुसैनाबाद जेएमएम के वरिष्ठ नेता एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान ने अपनी प्रतिक्रिया के दौरान कहीं। प्रेस वक्तव्य जारी कर उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक एवं बहुप्रतीक्षित निर्णय के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि आज तक स्थानीयता के नाम पर सिर्फ राजनीति होती रही है। लेकिन पहली बार राज्य की हेमंत सरकार ने इसे नीतिगत रूप से कैबिनेट में स्वीकृति प्रदान की है । उन्होंने कहा कि ओबीसी आरक्षण के प्रतिशत में वृद्धि के लिए जेएमएम ने सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन भी किया था।अब स्थानीयता की पहचान निर्धारण का मार्ग प्रशस्त होने से स्थानीय युवाओं को रोजगार के लिए पलायन नहीं करना पड़ेगा।

चेन्नई से लौट रहे व्यक्ति की ट्रेन में हुई मौत

हरिहरगंज । थाना क्षेत्र के अररुआ खुर्द निवासी 62 वर्षीय कैलाश सिंह की मौत बुधवार को चेन्नई से लौटते समय ट्रेन में हो गयी। वे कुछ दिन पहले पूरे परिवार के साथ चेन्नई गए हुए थे। जहां उनकी तबीयत खराब होते देख परिवार के लोग उन्हे लेकर वापस ट्रेन से घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में ही उनकी मौत हो गयी। देर रात उनका शव घर पहुंचा। जहां गुरुवार को अररुआ खुर्द स्थित श्मशान घाट में उनका दाह संस्कार किया गया। घटना की सूचना पाकर राजद के वरिष्ठ नेता कमलेश कुमार यादव, युवा समाजसेवी राजीव रंजन, शंभू सिंह, गोपाल प्रसाद गुप्ता, दिनेश पासवान, राम रूप चौधरी सहित बड़ी संख्या में लोगों ने उनके घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उनके दाह संस्कार में शामिल हुए।

कोर्ट नोटिस

ब अदालत,
जिला एवं सत्र न्यायाधीश - ।।।
सह पीठासीन पदाधिकारी
मोटर वाहन दुर्घटना प्राधिकरण, लोहरदगा
M.A.C.C. नं0 109/2016
जयश्री देवी वगैरह.....दावाकर्तागण
बनाम
अलख निरंजन कुमार भगत वगैरह ....विपक्षीगण

नोटिस बनाम -विपक्षी

1. अलख निरंजन कुमार भगत (वाहन मालिक)
2. संजय उरांव (चालक)

दोनो पिता चमरू भगत
ग्राम कुगांव थाना घाघरा जिला गुमला

बजरिए इस नोटिस, आपको सूचित किया जाता है कि वादी ने यह उपरोक्त वाद आपलोगों के विरूद्ध दायर किया है, जो मेरे न्यायालय में सुनवाई हेतु लंबित है जिसमे आप न्यायालय द्वारा जारी सम्मन एवं सम्मन द्वारा स्पीड पोस्ट के बावजुद न्यायालय में हाजिर नहीं हो रहे हैं और टाल मटोल कर रहे हैं।

अतः इस नोटिस के माध्यम से आपको सुचित किया जाता है कि आप दिनांक. 04-11-22 को समय 10.30 बजे दिन में मेरे न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर समुचित कार्रवाई करें अन्यथा आपकी अनुपस्थित में वाद की एकतरफा सुनवाई आपके विरुद्ध की जायेगी।

इसे सख्त ताकिद जानें। यह नोटिस आज दिनांक 12.09.22 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश- ।।।
सह पीठासीन पदाधिकारी
मोटर वाहन दुर्घटना प्राधिकरण, लोहरदगा

झारखण्ड सरकार
ग्रामीण कार्य विभाग, मुख्य अभियंता का कार्यालय,
102, द्वितीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कचहरी रोड, राँची

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा संख्या:- **49/2022-23/RWD/LOHARDAGA** दिनांक :- **14.09.2022**

मुख्य अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, झारखण्ड, राँची द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)		कार्य समाप्ति की तिथि
			अंक में	अक्षर में	
1.	RWD/ LOHARDAGA/ 01/ 2022-23	पतरा मैदान भौरो बगीचा तक पथ निर्माण कार्य (लं– 1.850 कि0मी0)	1,87,17,200.00	एक करोड़ सतासी लाख सतरह हजार दो सौ रू0 मात्र	12 माह
1.	RWD/ LOHARDAGA/ 02/ 2022-23	ईरगाँव से चौगड़े मोड़ तक पथ निर्माण कार्य (लं– 2.550 कि0मी0)	1,83,29,700.00	एक करोड़ तेरासी लाख उनतीस हजार सात सौ रू0 मात्र	12 माह

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– 24.09.2022
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 10.10.2022 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. (क) मुख्य अभियंता कार्यालय, ग्रामीण कार्य विभाग, अभियंत्रण भवन, कचहरी, राँची अथवा (ख) जिला नियंत्रण कक्ष, राँची अथवा (ग) जिला नियंत्रण कक्ष, लोहरदगा में से किसी भी कार्यालय में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि जमा करने की तिथि:– 13.10.2022 पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 3.30 बजे तक।
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 14.10.2022 पूर्वाह्न 11.30 बजे।
6. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– मुख्य अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, 102, द्वितीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कचहरी चौक, राँची, झारखण्ड, पिन– 834001
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 :– 0651–2207818
8. निविदा शुल्क झारखण्ड राज्य में अवस्थित भारतीय स्टेट बैंक/अन्य राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निविदाकार के नाम/अकाउंट से ही निर्गत बैंक ड्राफ्ट के रूप में कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, लोहरदगा के पक्ष में एवं लोहरदगा में भुगतेय होगा जो लौटाया नहीं जायेगा।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

नोडल पदाधिकारी
ई–प्रोक्युर्मन्ट सेल

PR.NO.277821 Rural Work Department(22-23):D

मेरे उपर लगा आरोप बेबुनियाद :संग्राम सिंह

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पाटन पश्चिमी के जिला परिषद सदस्य संग्राम सिंह पर शिशिर शुक्ला के द्वारा लगाया गया आरोप कि जिला परिषद सदस्य संग्राम सिंह द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में फर्जी तरीके से स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों की जांच की जा रही है जो गलत है। वही इस संबंध में पाटन पश्चिमी जिला परिषद सदस्य संग्राम सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि उन्होंने अपने क्षेत्र के ग्रामीणो की शिकायत पर पाटन प्रखंड के पाल्हे खुद स्थित आंगनबाड़ी वार्ड संख्या 1 और 2 का निरीक्षण किया। जिसके लिए हमें पिछले कई दिनो से ग्रामीणों के द्वारा जांच के लिए बुलाया जा रहा था। मैने ग्रामीणों से मुलाकात कर वापस मेदिनीनगर स्थित अपने आवास पर वापस आ गया। मेरे खिलाफ 10 सितंबर को शिशिर शुक्ला ने अपने फेसबुक आईडी से आडियो रिकॉर्डिंग के माध्यम से कथित पत्रकार के द्वारा मेरी छवि को धूमिल करने की कोशिश की है। इस संबंध संग्राम सिंह ने अपने वकील से मिलकर मानहानि का लिगल नोटिस शिशिर शुक्ला को जारी किया है। जिसका अभी तक कोई जबाब नही आया है। वहीं संग्राम सिंह के खिलाफ पाटन थाना में मामला दर्ज कराया गया है। साथ ही संग्राम सिंह पर एक अन्य मामला आंगनबाड़ी सेविका कुंती देवी के द्वारा गलत व्यवहार का 'आरोप लगा कर सदर थाना में दर्ज करवाया गया था। लेकिन उनपर लगाये गए सभी मामले बेबुनियाद थी। जिसके बाद सदर थाना से इस मामले को वापस ले लिया गया। संग्राम सिंह ने कहा कि जनता का अपार समर्थन मुझे सोने के लिए नहीं जनता का काम करने के लिए मिला है। चाहे कोई भी मेरे खिलाफ कितना भी षड्यंत्र कर ले मैं जनता के लिए हमेशा खड़ा रहूंगा।

न्यूज गैलरी

स्वच्छता पखवाड़ा दिवस पर पुरस्कार वितरण

उंटारी रोड। झारखंड के समस्त विद्यालयों में कार्यक्रमानुसार चलाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा दिवस के अवसर पर उंटारी रोड प्रखंड अंतर्गत राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय चेचरिया में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम स्थान पर मदर टेरेसा हाउस प्रथम पुरस्कार तथा द्वितीय स्थान पर महात्मा गांधी हाउस को मोमेंटम देकर पुरस्कृत किया गया! मौके पर पुरस्कृत करने वाले में विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष राम सुंदर विश्वकर्मा, विद्यालय के प्रधानाध्यापक विजय कुमार यादव, वरीय सहायक अध्यापक सुरेंद्र कुमार विश्वकर्मा, सहायक अध्यापक बाबूलाल विश्वकर्मा सहित अनेकों अभिभावक उपस्थित थे! स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को स्वच्छता हेतु पुरस्कृत किया गया! जिसमें रूपम कुमारी, अमर कुमार विश्वकर्मा, सत्यम विश्वकर्मा, सोनम कुमारी, रिसिका कुमारी, अंकित कुमार विश्वकर्मा, चित्रांकन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आने वाली- रीशिका कुमारी, द्वितीय स्थान पर आने वाली-नंदनी कुमारी तथा तृतीय स्थान पर सत्यम कुमार विश्वकर्मा को पुरस्कृत किया गया।

चित्रांश आईटीआई कॉलेज में अभियन्ता डे मना

हरिहरगंज। प्रखंड के बेलौदर पंचायत अंतर्गत भगत तेंदुआ चित्रांश आइटीआइ कॉलेज में गुरुवार को डॉ. मोक्षगुंडम विश्वे श्वरैया के जन्म दिवस पर अभियन्ता डे मनाया गया. एसआरएम चित्रांश आइटीआइ कॉलेज के प्राचार्य चंदन प्रजापति ने कहा कि इसी दिन भारत के महान अभियंता व भारत रत्न डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया का जन्म दिवस मनाया जाता है. डॉ. मोक्षगुंडम भारत के महान अभियंताओं में एक थे. इन्होंने ही आधुनिक भारत की रचना की और भारत को नया रूप दिया. साथ ही छात्रों को कहा कि आज के टेक्निकल युग में सभी विद्यार्थियों को टेक्नीकल की शिक्षा लेना चाहिए. मौके पर प्राचार्य चंदन प्रजापति, शिक्षक विनीत कुशवाहा, विद्दू वैध व सोनू कुमार, विक्की कुमार ने केक काटा तथा विधार्थियों को डॉ. मोक्षगुंडम के जीवनी व इंजीनियर डे के बारे में विस्तार से बताया. बाद में 40 पास आउट विद्यार्थियों को मार्क सीट व फाईनल सर्टिफिकेट वितरण किया गया. इस मौके पर मुरारी विश्वकर्मा, रामाधार पासवान के अलावे विद्यार्थी सुजीत कुमार, विजेंद्र, राजकुमार, मनीष, अजित, रोहित, सुमंत, पप्पू, सहेंद्र, चंदन सहित कई लोग मौजूद थें।

सर्वोदय हाई स्कूल में मना प्रयोग दिवस

सतबरवा। सर्वोदय हाई प्लस टू उच्च विद्यालय के विज्ञान शिक्षक अभिषेक तिवारी व विद्यालय में अध्ययनरत विज्ञान के विद्यार्थियों को प्रायोगिक विज्ञान के अंतर्गत सप्ताह में एक दिन प्रत्येक वृहस्पतिवार को प्रयोग दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। विद्यालय में व्यवस्थित ढंग से तथा वैज्ञानिक पद्धति के माध्यम से विद्यार्थियों को बैटरी,सेल,विद्युत परिपथ का संयोजन,बैटरी एलिमिनेटर,कुंजी, प्रतिरोध,प्रतिरोधक बॉक्स, रियोस्टेट तथा गैलेनो मीटर का उपयोग, चित्र तथा संकेत के माध्यम से विद्यार्थियो अपने से प्रयोग कर संतुष्ट नजर आये! साथ ही साथ विद्यार्थी अपने प्रयोग कक्ष से प्रेक्षण सारणी, अल्पतम अंक ,अधिकतम अंक तथा परीक्षण से प्राप्त परिणाम को उत्तर पुस्तिका में अंकित किये। सभी विद्यार्थियों से अपील है कि वे प्रतिदिन विद्यालय आये हैं और विद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक नवाचार गतिविधियों से परिचित हो।

शिक्षक पुत्र की मौत, भाजपा नेता सहित कई ने शोक व्यक्त किया

हरिहरगंज। प्रखंड के पथरा गांव स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय के सहायक अध्यापक कृष्णा साव के 18 वर्षीय पुत्र विकास कुमार की मौत बुधवार को हो गयी। वह करीब एक वर्ष से ब्लड कैंसर बीमारी से जूझ रहा था। उसका इलाज दिल्ली स्थित एम्स में चल रहा था। इलाज के दौरान ही उसकी मौत हो गयी। मृतक का अंतिम संस्कार गुरुवार को पैतृक आवास सरसोत के कनुआडीह में किया गया। घटना की सूचना पाकर भाजपा के वरिष्ठ नेता विनोद कुमार सिंह, समाजसेवी राजीव रंजन, भाजपा नेता सत्येंद्र मेहता, डॉ प्रमोद कुमार, मनोज कुमार, टेट सफल अध्यापक संघ के प्रखंड अध्यक्ष अजय कुमार, धर्मेंद्र यादव, उपेंद्र यादव, उदय कुमार, गोपाल यादव, सुरेश राम, सुरेंद्र गुप्ता, प्रेम कुमार, प्रमोद प्रसाद, राम जी राम सहित कई शिक्षक तथा अन्य लोगों ने आवास पर आकर पीड़ित परिजनों को सांत्वना दी।

विधायक कोटे से सड़क का शिलान्यास

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हैदरनगर प्रखंड व बरडंडा पंचायत के पटखौलिया में विधायक कोटा से सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास एनसीपी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मन्नान खान व हुसैनाबाद 20 सूत्री अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने किया। इस पथ के बनने से गांव के स्कूल से कोसीआरा रेलवे स्टेशन तक की जर्जर सड़क दुरुस्त होगी। इससे दर्जनों गांव के लोगों को रेलवे स्टेशन तक आवागमन में भी आसान हो जायेगा।

हेमंत सरकार के फैसले का झामुमो कार्यकर्ताओं किया स्वागत

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड सरकार के 1932 आधारित खतियान लागू करने की खुशी में झारखंड मुक्ति मोर्चा, पलामू के सभी नेताओं ने गुरूवार को जुलूस निकाल कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का धन्यवाद किया और लोगों को मिठाई खिला कर खुशियां बांटी। सबों ने जम कर एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाया और पूरे शहर में आतिशबाजी की। इस जुलूस का नेतृत्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा एवं जिला सचिव सन्नू सिद्धिकी ने किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार जो कहा, वो किया। झारखंड की जनता के लिए सबसे महत्वपूर्ण 1932 का खतियान लागू कराने का कदम, राज्य के विकास में, यहां के मूलवासियों को आगे बढ़ाने में बहुत मददगार साबित होगा। सचिव सन्नू सिद्धिकी ने संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड के लोगों की मांग जिस तरह से पूरी की जा रही है। आज लोगों का भरोसा हेमंत सोरेन में और बढ़ा है, ओबीसी आरक्षण और 1932 आधारित खतियान लाने से आम जन मानस में खुशी की लहर फैल गई है। हेमंत सोरेन की सरकार कल्याणकारी फैसले लेने वाली सरकार है। इस निर्णय का प्रभाव झारखंड की राजनीति पर, एक लंबे समय तक दिखाई देगा और लोगों को असंख्य लाभ मिलेगा। मौके पर मौजूद केंद्रीय कार्य समिति सदस्य संजीव तिवारी ने कहा कि आज हमारी वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई है। इसका श्रेय हेमन्त सोरेन सरकार को जाता है। उन्होंने लोगों की आवाज सुनने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद,देते हुए कहा कि झारखंड के लोगों के लिए फैसला लेने का जज्बा सिर्फ हेमन्त सोरेन में है। इस जुलूस में केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य सुनील तिवारी, संजीव तिवारी, कोषाध्यक्ष रमेश सिंह, युवा नेता सन्नी शुक्ला, नीतीश तिवारी, अविनाश देव, जिला उपाध्यक्ष अफसर रब्बानी, बीस सूत्री सदस्य राकेश सिन्हा, अल्पसंख्यक अध्यक्ष शाहबाज आलम, परवेज अख्तर, देवानंद भरद्वाज, सद्दाम बादशाह, संजय चंद्रवंशी सुनील उरांव, कलाम नेता, कौशल आरा, सुशीला मिश्र के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाएं तथा हजारों झामुमो कार्यकर्ता मौजूद थे।

कार्यालयः–प्रभारी न्यायाधीश, व्यवहार न्यायालय, चतरा

–: वाहन निलामी हेतु आम सूचना :–

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि व्यवहार न्यायालय, चतरा के अंतर्गत अंतिम रूप से ''जो जहां है जिस स्थिति में है'' के आधार पर निम्नलिखित निष्प्रयोजित घोषित वाहनों की निलामी खुली डाक द्वारा दिनांक 26.09.2022 को समय अपराह्ण 4:30 बजे व्यवहार न्यायालय, चतरा परिसर में की जायेगी।

क्रम संख्या	वाहन का प्रकार	निबंधन संख्या	निर्धारित न्यूनतम मूल्य	जमानत कि राशी
1	Ambassador Car	JH13A-0462	11,500/–	11,500/–
2	Ambassador Car	JH13A-0171	12,500/–	12,500/–
3	Ambassador Car	BR13B-1276	9500/–	9500/–

अन्य सूचनायें एवं शर्ते निम्नलिखित है :–

1. डाक वक्ता को जमानत कि राशी प्रत्येक वाहन का निर्धारित न्यूनतम मूल्य के बराबर राशी का बैंक ड्राफ्ट प्रभारी न्यायाधीश, व्यवहार न्यायालय, चतरा के पदनाम से दिनांक 25.09.2022 के अपराह्ण 4:30 बजे तक प्रभारी न्यायाधीश, व्यवहार न्यायालय, चतरा के कार्यालय में जमा करना होगा तभी वे निलामी प्रकिया में भाग ले सकते है।
2. असफल डाक वक्ता को जमानत की राशी वापस कर दी जायेगी एवं सफल डाक वक्ता के जमानत कि राशी को निलामी में लगाये गये अंतिम राशी चालान के माध्यम से 7 दिनों के अंदर जमा करने के पश्चात् जमानत कि राशी वापस कर दी जायेगी। सफल डाक वक्ता को डाक की संपूर्ण राशी जमा करने का रसीद प्रभारी न्यायाधीश, व्यवहार न्यायालय, चतरा के कार्यालय में जमा करने के पश्चात् वाहन सुपूर्द किया जायेगा।
3. सफल डाक/बोलीकर्ता को बोली प्रकिया के तुरन्त पश्चात् एक शपथ–पत्र इस आशय का दाखिल करना अनिवार्य होगा कि निलामी कि अंतिम राशी नियत अवधि के अंदर जमा करेंगे।
4. निर्धारित न्यूनतम मूल्य से कम राशि पर वाहन कि निलामी नहीं की जायेगी
5. निलामी रद्द करने एवं किसी भी डाक बोली स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार समिति के पास सुरक्षित रहेगा।

प्रभारी न्यायाधीश,
व्यवहार न्यायालय,चतरा

PR277933 (Law)22-23*D

GOVERNMENT OF JHARKHAND
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
DRINKING WATER & SANITATION DIVISION, MEDININAGAR

E-Procurement Notice
(4th Call)
E-Tender Notice Reference no. DWSD/SVS/CLUSTER/MED-10/2022-23
Dated : 15-09-2022

1	Name of the Department	**Drinking Water and Sanitation Department, Jharkhand, Ranchi**
2	Date of publication of Tender on Web site	**20.09.2022 / 12.30 P.M.**
3	Date of Pre-bid Meeting	**23.09.2022 / 12.30 P.M.** Office of the Engineer-In-Chief, D.W.S.D, Nepal House, Ranchi
4	Last date / Time for receipt of Bid	**10.10.2022 / 05.00 P.M.**
5	Last date / Time for receipt of EMD Cost & BOQ Cost. (in Hard Copy)	**11.10.2022 / 05.00 P.M.** 1. Office of the Regional Chief Engineer, Ranchi Zone Ranchi, D.W.S.D, Doranda, Ranchi 2.Office of the Superintending Engineer, DW&S Circle, Medininagar 3. Office of the Executive Engineer, DW&S Division, Medininagar
6	Date & time of Opening of Tender	**12.10.2022 / 04.00 P.M.**
7	Name & Address of Office inviting tender	Executive Engineer, DW&S Division, Medininagar
8	Name & Address of Tender Opening officer	Executive Engineer, DW&S Division, Medininagar
9	Contact No. of Procurement office	9835068475
10	Help No. of e-Procurement Cell	0651-2490920
11	**Detailed survey, designing and drawing, construction of 8390 nos. FHTC in different block of Palamau District comprising of suitable R.C.C/Frame Structure ESR, Distribution Line, Source (as required) & 5 years Operation and Maintenance all complete job "On Turnkey Basis" under DW&S Division, Medininagar for the year 2021-22.**	

SL. No.	Group No.	No. of Panchayat	No. of Village	No. of Scheme	Estimated Cost (In Lakh)	Earnest Money (In Lakh)	Cost of BOQ (In Rs.)	Time of Completion
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	SVS/CLUSTER-1(A)	6	30	65	618.61	6.19	10000.00	9 Months

- **Estimated Cost & EMD Cost may vary.**
- **Further details can be seen on website** http://jharkhandtenders.gov.in

SAVE WATER FOR COMING GENERATIONS

Executive Engineer
DW&S Division, Medininagar

PR.NO.277850 Drinking Water and Sanitation(22-23):D

न्यूज गैलरी

अभाविप ने एनपीयू के कुलपति को ज्ञापन सौंपा

मेदिनीनगर। अभाविप के पलामू जिला प्रतिनिधि मंडल ने गुरुवार को विभाग संयोजक मंजूल शुक्ला के नेतृत्व में नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के कुलपति को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि सभी मेरिट सूची में चयनित विद्यार्थियों का एप्रूव्ड बाय कॉलेज को तुरंत स्वीकृत किया जाये। प्रत्यक्ष सत्यापन उपरांत फॉर्म जमा करने की व्यवस्था को दुरुस्त किया जाये। नामांकन में विद्यार्थियों की मदद हेतु हेल्पलाइन नंबर एवं हेल्पडेस्क की व्यवस्था की जाये। दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को दिए जाने वाले साफा को नि:शुल्क किये जाए एवं सामान्य छात्रों की भी सहभागिता सुनिश्चित हो। परिषद के कार्यकर्ताओं के द्वारा विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग किया गया। कुलपति ने तुरंत स्वीकार कर कहा कि सभी विद्यार्थियों को साफा नि:शुल्क दिया जायेगा। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य विनीत पांडे ने कहा कि नामांकन के नाम पर विद्यार्थियों से महाविद्यालय के कर्मचारियों के द्वारा अवैध रूप से पैसा दोहन किया जा रहा है । कई मामले विद्यार्थी परिषद के संज्ञान में आये हैं और उन पर विद्यार्थी परिषद ने पुरजोर तरीके से मांग भी उठाया है। विभाग संयोजक मंजूल शुक्ला ने कहा कि विश्वविद्यालय से वेरीफाइड हो जाने के बाद भी विद्यार्थियों का नामांकन फॉर्म महाविद्यालय का ऑपरेटर के द्वारा वेरीफाई करने में विलंब किया जा रहा है और उन पर दबाव बनाया जा रहा है कि वह वहीं से पेमेंट करें और पेमेंट के लिए अतिरिक्त उगाही भी की जा रही हैं। उन्होंने कुलपति से इस विषय को संज्ञान में लेकर त्वरित कार्यवाही की मांग की। मौके पर प्रांतीय निजी विश्वविद्यालय प्रमुख आनंद पांडे, जिला सहसंयोजक रोहित देव, नगर मंत्री रामा शंकर पासवान और जिला संयोजक गोविंद मेहता उपस्थित रहे।

भाजपा ने सेवा पखवाड़ा को लेकर की बैठक

मेदिनीनगर। पीएम के जन्म दिवस के मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर मनाये जा रहे सेवा पखवाड़ा के तहत गुरुवार को भाजपा विधानसभा के सभी मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारियों एवं आगामी कार्यक्रमों की प्रभारी की बैठक स्थानीय भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला महामंत्री श्याम बाबू ने किया एवं कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष मेदिनीनगर अविनाश सिन्हा छोटू ने की। मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्र के विधायक आलोक चौरसिया मौजूद रहे । गौरतलब है कि सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाया जायेगा। इस दौरान ब्लड डोनेशन कैंप, हेल्थ चेकअप कैंप, नरेन्द्र मोदी के सफल राजधर्म के 20 साल पर चित्र प्रदर्शनी, वृक्षारोपण समेत अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपमहापौर मंगल सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अविनाश वर्मा, जिला मंत्री धीरेंद्र दुबे, जिला सोशल मीडिया प्रभारी सोमेश सिंह, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुनील पांडे, चैनपुर मंडल अध्यक्ष शशि भूषण पांडे, पथरा मंडल अध्यक्ष सिकंदर चौधरी, दीपक सिंह, किशन मखड़िया, संयुक्ता कुमारी ज्योति कुमारी, रेखा देवी ,दीपक सिन्हा ,विक्रांत सिंघानिया ,विकास सिंह, अनिमेष सिंह , धीरज गुप्ता, सुदेश्वर चौधरी, विनोद रवि मौजूद रहे।

फोटोग्राफरों के लिए फोटो-वीडियो वर्कशाप का आयोजन

मेदिनीनगर। पलामू फोटो एसोसिएशन के द्वारा साहित्य समाज चौक स्थित सेलिब्रेशन हॉल में फोटोग्राफरों के लिए फोटो-वीडियो के वर्कशाप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में करीब 50 फोटोग्राफरों को नई तकनीक का प्रशिक्षण और नये प्रोडक्ट की जानकारी दी गई। कैनन की तरफ से एसएसओ राज कुमार दास ने वर्कशॉप कंडक्ट कराया। कैनन के बीडीएम दीपांकर चक्रवर्ती, शेखर उपाध्याय भी उपस्थित थे। पलामू फोटो एसोसिएशन के द्वारा दूसरा वर्कशॉप का आयोजन किया गया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय सिन्हा ने कहां की वर्कशॉप आयोजित करने का मकसद स्थानीय फोटोग्राफरों को फोटोग्राफी क्षेत्र के नई तकनीकों से परिचित कराना है। आज के दौर में नये तरीके के टेक्नालॉजी से लेश कैमरे आ गए है । उसकी बेहतर जानकारी देना है। एसोसिएशन के संरक्षक विजय कश्यप ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने रांची से आई टीम को धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने बहुमूल्य समय निकालकर पलामू के फोटोग्राफरों को अपना वक्त दिया। उन्होंने वक्त वक्त पर वर्कशॉप आयोजन करने की बात कही। ताकि फोटोग्राफरों को काफी मदद मिल सके। पलामू से विजय कश्यप, अनुज कुमार, प्रेम गुप्ता, मृत्युंजय कुमार, प्रेम प्रकाश साहू, उमेश कुमार, राजा कुमार गुप्ता, मनोज विश्वकर्मा, संजय सोनी, अखिलेश कुमार, अमन कुमार, बिंदा कुमार, प्रमोद कुमार गुप्ता, आदित्य कुमार, जितेंद्र कुमार सिंह, अखिलेश कुमार, रवि, मनोज आदि शामिल हुए।

कांग्रेस जो कहती है वह करती है: बिट्टू पाठक

मेदिनीनगर। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक केनेतृत्व में स्थानीय कांग्रेस भवन से 15 सितंबर को जुलूस निकालकर शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए कांग्रेस भवन के मैदान में सभी कांग्रेस जनों ने जमकर आतिशबाजी एवं एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियां मनाया। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जो कहती है वह करती है। इसका परिणाम आप देख चुके हैं । झारखंड में महागठबंधन की सरकार है, चुनाव के पहले हमने जो वादा किया था कि ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देंगे। 1932 का खतियान लागू करेंगे, जो महागठबंधन की सरकार ने करके दिखा दिया । साथ ही साथ पुरानी पेंशन बहाल कर पारा टीचरों के मांगों को गंभीरता पूर्वक लागू किया । साथ ही बहुत और ऐसे योजना और मांगों को महागठबंधन की सरकार ने लागू करके झारखंड वासियों को तोहफा देने का काम किया । झारखंड को खुशहाल के पथ पर अग्रसर महागठबंधन की सरकार करेगी। मौके पर समीम अहमद राईन ,इश्वरी सिंह, सतनारायण तिवारी ,अरविन्द पासवान, भिखारी राम, राजेन्द्र अग्रवाल ,घुरा तिवारी, इकराम हुसैन माइकल ,सत्येंद्र सिंह, शशांक सुमन, अशोक पासवान ,सुरेश पाठक, राजेश चौरसिया ,अजय साहू, जितेंद्र कमलापुरी ,नाफिज खान, हर्ष साहनी,विद्या सिंह चेरो, अर्जुन सिंह, विनोद पाठक, मुखिया छोटू सिंह, सिराजुद्दीन अंसारी ,नदीम खान, अभय पांडेय ,खुर्शीद खान, रिजवान खान ,सूर्यांश प्रताप सिंह, सागर दास ,रामानंद पाठक, उदय यादव ,विष्णुदेव यादव, मनोज अग्रवाल, ऋतुराज अग्रवाल, भूमिती नारायण पाठक ,अखिलेश तिवारी ,गोविंदा रजक सहित कई लोग उपस्थित थे।

पलामू में विश्वकर्मा पूजा की तैयारी पूरी,कल होगी पूजा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू सहित शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों, मोटर गैराजों सहित वाहन चालकों में विश्वकर्मा पूजा को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। विश्वकर्मा पूजा की तैयारी को लेकर श्रद्धालुगण पूरे जोश-खरोश के साथ लगे हैं। मूर्ति व पंडाल निर्माण का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। ज्ञात हो कि कल शहर के सभी मोटर गैराज, मोटर पार्टस, वाहन चालकों व रेलवे के ज्यादातर हिस्सों में धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ विश्वकर्मा पूजा मनाने की तैयारी चल रही है। वैसे शहर में स्थित वाहनों के शोरूम, सड़क किनारे वाहन मरम्मत के दुकान , वाहन चालकों व मोटर गैराजों में भी काफी उत्साह के साथ बाबा विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की जाती है। बाबा विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना को आकर्षक व सुन्दर तरीके से मनाने को लेकर पंडाल निर्माण कार्य भी पूरे जोर-शोर से चल रहा है। विश्वकर्मा पूजा को लेकर शहर के मुख्य बाजार हॉस्पिटल चौक,बेलवाटिका,शाहपुर,सहित अन्य मार्ग के दुकान फूल-मालाओं सहित विभिन्न सामग्रियों से पट चुका है। विश्वकर्मा पूजनोत्सव को लेकर मूर्तिकार प्रतिमा को आधुनिक साज सज्जा के

साथ अंतिम रूप देने में लगे हैं। वहीं दूसरी ओर प्लाई मिल, आटा चक्की मिल, गैराज, मोबाइल सेंटर, हार्डवेयर, लकड़ी मिल, वाहन शो-रूम सहित छोटे-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भगवान विश्वकर्मा की पूजा के लिए लोग अभी से ही तैयारियों में जुट गए हैं। वहीं पूजा को लेकर फूल-माला, झालर व अन्य सजावटी की सामग्री की दर्जनों छोटी-बड़ी दुकानें सज गई हैं। विश्वकर्मा पूजा को लेकर शहर के गैरेज, एमजी मार्ग, स्टेशन रोड सहित अन्य जगहों पर प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की जायेगी। जिसकी तैयारी जोर-शोर से शुरू हो गई है। विश्वकर्मा पूजा के पूर्व वाशिंग सेंटरों में वाहन मालिक अपने दो पहिया, चार पहिया एवं अन्य वाहनों की साफ-सफाई के लिए जाने को लेकर बुकिंग करवा रहे हैं। जबकि भीड़-भाड़ से बचने के लिए कई वाहन मालिक अपने घरों में ही वाहनों की साफ-सफाई कर पूजा-अर्चना किया करते हैं।

मिठाई के आर्डर कर रहे तैयार:- विश्वकर्मा पूजा को लेकर मिठाई दुकानों में आर्डर लिए जा चुके हैं। दुकानदार लिए गये आर्डर को तैयार करने में लगे हुए हैं, ताकि समय पर दिए गये आर्डर को पूरा किया जा सके। लड्डू, बूंदी, सेव, बर्फी आदि को तैयार करने के लिए रात दिन कर्मचारी लगे हुए हैं।

बाजार में बिक रहे सामग्री:- स्थानीय बाजारो में यह सामान बिक रहे । जिसमे कलश- 20-30 रुपये,धूप -15-25 रुपये घी -20-25 रुपये प्रति पैकेट,विश्वकर्मा जी का स्टीकर - 20-50 रुपये, पताखा कपड़ा -10-20 रुपये,अगरबत्ती -10-20 रुपये,विश्वकर्मा की मूर्ति -1000-20,000 रुपये तक,माला -20-60 रुपए,झालर -20-50 रुपये, और फूल -20-30 रुपये प्रति लड़ी बिक रहे है।

पलामू में एनवाईके मना रहा राष्ट्रीय पोषण माह

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा 5वां राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन 01 सितम्बर से 30 सितम्बर तक किया जा रहा है। इस वर्ष के पोषण माह अभियान का मुख्य फोकस महिला, स्वास्थ्य ,बच्चा और शिक्षा पर केन्द्रित है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य देश के सभी ग्राम पंचायतों तक पोषण और स्वास्थ्य के बारे में लोगों को जागरूक करना है। नेहरू युवा केन्द्र, पलामू के जिला युवा अधिकारी अजीत कुमार द्वारा अपने सभी वोलेंटियरों एवं संबंद्ध युवा क्लबों से आग्रह किया गया कि वे राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान ज्यादा से ज्यादा पोषण संबंधी गतिविधियों का आयोजन आंगनवाड़ी, विद्यालय, स्थानीय पंचायत एवं अन्य संस्थाओं से समन्वय स्थापित कर करें। पोषण माह के उद्देश्य की पूर्ति कर इसे सफल बनायें। इसी क्रम में नेहरू युवा केंद्र, पलामू के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवको एवं युवा क्लब के सदस्यों द्वारा जिला के विभिन्न प्रखण्डों में अलग अलग गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। पाटन प्रखण्ड में एनवाईके दीक्षा सिंह द्वारा इस कार्यक्रम के निमित्त रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही पूरे जिले में आंगनवाड़ी, विद्यालय, स्थानीय पंचायत एवं अन्य संस्थाओं के साथ समन्वय बनाकर एनवाईके के स्वयंसेवक उचित तथा संतुलित पोषण के प्राप्ति हेतु घर घर जाकर, पौधरोपण, चित्रकला, रंगोली, रैली इत्यादि गतिविधियों के माध्यम से लोगो को जागरूक करने का काम कर रहें हैं।

होटल रमाडा में एएसपी बृजेन्द्र मिश्रा का विदाई समारोह

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के रमाडा होटल में एएसपी बृजेन्द्र मिश्रा का विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर पलामू पुलिस के पदाधिकारियों ने एएसपी बृजेन्द्र मिश्रा को पुष्प गुच्छ देकर उन्हें सम्मानित किया। मौके पर उपस्थित डीआईजी राजकुमार लाकड़ा ने कहा कि उनके कार्यकाल में आम जनता का भरोसा बढ़ा है। पलामू में बड़ी से बड़ी घटनाएं भी उन्होंने सरल तरीके से मैनेज किया है । पलामू में इनका पहला मौका था कि हत्याकांड में शामिल नक्सलियों को उन्होंने पकड़ा। काफी अपराधियों को जेल भेजा। इनके कार्यकाल में महत्वपूर्ण त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से बीता। कहीं भी अप्रिय घटना नहीं घटी। एएसपी ने पुलिस विभाग के सभी कार्यक्रमों में अपनी

काफी रूचि दिखाई। इनके कार्यकाल में पलामू के लोग भयमुक्त रहे। एएसपी ने पलामू जिला वासियों को हर तरफ से सुरक्षा प्रदान किया। वही मौके पर उपस्थित पलामू एसपी चंदन सिन्हा ने कहा कि एएसपी बृजेन्द्र मिश्रा के कार्यकाल में पलामू जिला नक्सलियों के चंगुल से मुक्त हुआ है। उन्होंने अपनी पूरी ताकत नक्सलियों की धरपकड़ में लगा देने का काम किया है। उन्हें पलामू जिला के लोग दूसरे जिला में जाने के बाद भी हमेशा याद करेंगे। मौके पर डीआईजी राजकुमार लकड़ा, पलामू आयुक्त जटाशंकर चौधरी,पलामू उपायुक्त ए दोड्डे पलामू एसपी चन्दन सिन्हा, डीएसपी सुरजीत कुमार,सार्जेंट मेजर अनीश मोहित कुजूर,शहर इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा,सदर थाना प्रभारी कमलेश कुमार,नौडीहा थाना प्रभारी रंजीत कुमार,पड़वा थाना प्रभारी रूपेश दुबे,नावाबजार थाना प्रभारी दीपक कुमार दास ,सतबरवा थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार राय, टीओपी वन प्रभारी रेवा शंकर राणा,टीओपी टू प्रभारी रूद्रानंद सरस,ट्रैफिक प्रभारी रामजीत सिह,टीओपी तीन प्रभारी मंतुस्ट महतो, सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी व जवान उपस्थित थे।

बच्चा चोरी की अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : एसपी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू एसपी चंदन सिन्हा ने कहा है कि पलामू में बच्चा चोरी की अफवाह फैलाने वालों की अब खैर नहीं होगी, क्योंकि बच्चा चोरी की अफवाह फैलाने के मकसद से मैसेज भेजने वालों और व्हाट्सऐप ग्रूप के खिलाफ पुलिस कड़ी एक्शन ले रही है। दरअसल,पलामू जिले के ग्रामीण इलाकों में लगातार फैल रही बच्चा चोरी की अफवाहों के चलते पलामू पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई है। पलामू एसपी चन्दन सिन्हा ने सभी नागरिकों से अपील किया है कि इन अफवाहों की तरफ लोग ध्यान ना दें और इन अफवाहों को वायरल करने

वालों को भी सख्त चेतावनी दी है। वहीं एसपी चंदन सिन्हा के आदेश के बाद जिले के सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र की जनता के बीच अपील कर रहे हैं कि व्हाट्सएप ग्रुप पर किसी भी तरह की चल रही फेक वीडियो को देखकर अफवाह ना फैलाएं और किसी के साथ कोई मारपीट न करें। दरअसल, पुलिस का मानना है कि बच्चा चोरी की कोई घटना नहीं हो रही है। केवल एक अफवाह फैलाई जा रही है। जिसे देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस लगातार लोगों को जागरूक कर रही है और लोगों से किसी के साथ मारपीट नहीं करने की भी अपील कर रही है। पुलिस का कहना है कि जब कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दे तो पुलिस प्रशासन को इसकी सूचना दें। उसके साथ खुद मारपीट न करें। अगर मारपीट जैसी कोई घटना होती है तो उसके लिए आप लोग खुद जिम्मेदार होंगे। कुछ शरारती तत्व अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसे लोगों के लिए पलामू पुलिस ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अफवाह फैलाने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कारवाई की जायेगी।

आज से शुरू होगा स्वच्छता पखवाड़ा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पीएम के स्वच्छ अमृत महोत्सव के अवसर पर पलामू में आज से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा का शुरूआत किया जायेगा। इसके तहत शहर के तमाम समाजिक संगठन अपनी जिम्मेवारी हिस्सेदारी एवं भागीदारी निभायेंगे ' कार्यक्रम का शुभारंभ आज सुबह 7 बजे निगम की मेयर अरुणा शंकर के ड्रीम प्रोजेक्ट मरीन ड्राइव की सफाई से प्रारंभ किया जायेगा। पीएम के निर्देश पर शहर को गारबेज फ्री बनाना है । इसके लिए सभी सामाजिक संगठनों पलामू चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज,लायंस क्लब,रोटरी क्लब, जेंट्स क्लब, रेड क्रॉस सोसाइटी, नेहरू युवा केंद्र, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान, एनसीसी कैडर, लायन्स क्लब ऑफ डाल्टनगंज फेमिना ,महिला संगठन एवं अन्य सेवा संस्थान के सदस्यों को इस विशेष कार्यक्रम में उपस्थित होने को कहा गया है। ये जानकारी पलामू चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के सचिव इंद्रजीत सिंह डिंपल ने दी है।

भाकपा ने 1932 के खतियान का किया स्वागत

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव रुचिर कुमार तिवारी ने हेमंत सरकार द्वारा कैबिनेट में लाया गया फैसला 1932 के खतियान का स्थानीय स्वागत किया है। हेमंत सरकार के द्वारा लिया गया यह निर्णय झारखंड वासियों के लिए हितकर है। 1932 के खतियान लागू होने से उन्हीं लोगों को पेट में दर्द हो रहा है जो झारखंड में बाहर से आकर नौकरी कर रहे हैं और झारखंड को लूटने का काम कर रहे हैं। इससे पूर्व रघुवर सरकार ने जो स्थानीय नीति लागू किया । उसके बाद जो भी बहाली चाहे वह शिक्षक भर्ती बहाली हो या अन्य बहाली उसमें झारखंड के बाहर के लोगों को घुसने का खुला छूट दे रखा। शिक्षक भर्ती में छत्तीसगढ़ बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के लोग भरे हुए हैं और झारखंड के मूलवासी उस नौकरी से वंचित हैं। ऐसी परिस्थिति में 1932 का लाया गया खतियान झारखंड वासियों के हितों की रक्षा करेगा। तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग के नौकरी में सिर्फ झारखंड के लोगों को ही नौकरी मिलेगी। विदित है कि अन्य दूसरे राज्यों में भी अपने राज्य के नागरिकों के लिए एक स्थानीय नीति होती है। लेकिन सबसे अधिक समय तक झारखंड में भाजपा की सरकार ने राज किया और उसके बाद भी झारखंड के नागरिकों के हित में स्थानीय नीति लागू न करना ,भाजपा के नेताओं के लिए शर्म की बात है।

हिंदी साहित्य भारती का ऑनलाइन हिंदी सप्ताह प्रारंभ

गढ़वा के ख्यात साहित्यकार सुरेंद्र मिश्र बने प्रांतीय संरक्षक

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। साहित्यिक संस्था हिंदी साहित्य भारती की झारखंड इकाई के द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर 14 सितबंर से 20 सितंबर तक आयोजित होने वाले 'हिंदी सप्ताह' के पहले दिन प्रांतीय अध्यक्ष डॉ अरुण सज्जन की अध्यक्षता में एक विचार-सह-काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। ऑनलाइन आयोजित कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय महामंत्री राकेश कुमार ने किया। इस अवसर पर सर्वसम्मति से गढ़वा के ख्यात साहित्यकार सुरेंद्र मिश्र को प्रांतीय संरक्षक, कवि-सह-शिक्षक विजय कुमार पाठक द्विज को गढ़वा का जिलाध्यक्ष एवं शिक्षिका-सह-कवयित्री ज्योति चौधरी को लातेहार का जिलाध्यक्ष बनाया गया। कार्यक्रम में धनबाद की वरिष्ठ कवयित्री एवं संस्था की प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ संगीतानाथ ने सरस्वती वंदना एवं हिंदी विषयक कविताओं का सस्वर वाचन किया। रांची विश्वविद्यालय की परीक्षा नियंत्रक एवं संस्था की उपाध्यक्ष डॉ सुनीता कुमारी ने हिंदी भाषा के महत्व को रेखांकित किया। पलामू के प्रसिद्ध संस्था के प्रांतीय संरक्षक श्रीधर प्रसाद द्विवेदी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा के द्वारा हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया। परन्तु हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा मिलना शेष है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार रूस की भाषा का नाम रूसी, जापान की भाषा का नाम जापानी है । उसी प्रकार भारत की भाषा हिंदी का नाम भारती होना चाहिए। अध्यक्ष डॉ अरुण सज्जन ने कहा कि हिंदी सप्ताह का समापन 20 सितंबर 2022 को होगा। इस एक सप्ताह में झारखंड के सभी जिलों से कवियों एवं साहित्यकारों को अपनी प्रस्तुति का अवसर मिला। प्रत्येक दिन संध्या 7 बजे से 8 बजे तक यह कार्यक्रम चलेगा। कार्यक्रम में संस्था की मीडिया प्रभारी डॉ पद्मा मिश्रा, पलामू जिलाध्यक्ष अनुज कुमार पाठक, पलामू के संगठन मंत्री नीरज कुमार पाठक, विजय कुमार पाठक द्विज, ज्योति चौधरी,सुरेंद्र चंद्रवंशी सहित कई कवि उपस्थित हुए।

शांति कुंवर व रिंकी देवी पर विभागीय कार्रवाई करे जिला प्रशासन:रेणु देवी

मेदिनीनगर। झारखण्ड क्रांति मंच के केन्द्रीय सचिव सह नावाबाजार प्रखण्ड के पूर्व प्रमुख रेणु देवी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि मलेरिया विभाग पलामू में चतुर्थवर्गीय पद पर पदस्थापित शांति कुंवर व उसकी बिगड़ैल,हिंसक व झगड़ालू पुत्री रिंकी देवी पर प्राथमिक दर्ज कर विभागीय कार्रवाई प्रशासन करें। उन्होंने शांति कुंवर एवं उसकी पुत्री रिंकी देवी पर आरोप लगाया है कि वे दोनों 14 सितंबर को 12 बजे दिन में अनावश्यक विवाद व गाली-गलौज करते हुए मुझ पर हमला किया है। उसके हिंसक हमले व गाली को सुनकर मेरे पति शत्रुघ्न कुमार शत्रु व मेरी दोनों पुत्रियां व पुत्र दौड़कर बीच-बचाव करने आते,तभी रिंकी देवी ने मेरे पति पर झपटते हुए रियलमी का मोबाइल छिनकर जमीन पर जोर से पटकते हुए कहा कि तुमलोग मुझे ठीक से नहीं जानते हो,मेरे काफी लोगों से सम्बन्ध हैं। जब मुझे अपने पति व सास-ससुर को पीटने में वक्त नहीं लगा तो तुमलोग क्या चीज हो।

वोटर कार्ड को आधार से जोड़ने के लिये जागरूकता रथ रवाना

घर बैठे वोटर कार्ड को आधार से करे लिंक

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ने को लेकर गुरुवार को समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आंजनेयुलू दोड्डे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि यह जागरूकता कार्यक्रम निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार शुरू किया गया है।

साथ ही यह जागरूकता रथ जिले के सभी 21 प्रखंडों सहित सभी पंचायतों में जाकर आमलोगों को उनके वोटर कार्ड को आधार से जोड़ने हेतु जागरूक करेगा। निर्वाचन आयोग ने अग्रिम तौर पर योग्य आवेदक पंजीकरण के लिए अर्हता तिथियों एक अप्रैल,एक जुलाई एवं एक अक्टूबर के अनुसार अपना आवेदन अग्रिम तौर पर फार्म-छह समर्पित कर सकते हैं। वार्षिक संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची में प्रारूप प्रकाशन की तिथि एक जनवरी के संदर्भ में होगी । साथ ही बताया कि मतदाता पुनरीक्षण के दौरान अग्रिम दावा समर्पित करने की सुविधा युवा नागरिकों के लिए एक अतिरिक्त सुविधा है। इस अवसर पर उपनिर्वाचन पदाधिकारी शैलेश कुमार सिंह,सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी,सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी समेत अन्य उपस्थित थे। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी शैलेश कुमार सिंह ने बताया कि कोई भी मतदाता घर बैठे अपने दोनों कार्ड को लिंक करा सकते हैं । इसके लिये उन्हें अपने इलाके के बीएलओ को आधार और वोटर आइडी नंबर देना होगा। बीएलओ दस्तावेज को वेरिफाई करके वोटर आइडी को आधार से लिंक कर देंगे।

यूथ कांग्रेस का बूथ जोड़ो-यूथ जोड़ो कार्यक्रम लॉन्च

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। स्थानीय सर्किट हाउस में झारखंड प्रदेश यूथ कांग्रेस द्वारा बूथ जोड़ों यूथ जोड़ो कार्यक्रम जिला में लॉन्च किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सचिव सह प्रदेश प्रभारी दीनबंधु शर्मा ने कहा कि आगामी 2024 के चुनाव को लेकर पलामू जिला यूथ कांग्रेस के द्वारा सभी पांचों विधानसभा में हर बूथ पर दस यूथ जोड़ने की बात कही । वही प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज ने कहा कि आज इस तरीके से देश में संवैधानिक शक्तियों को तोड़ा जा रहा है और उसको तोड़ने वाले को देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। आगामी 2024 में कांग्रेस देश ने एक नया संदेश लेकर जायेगी इसको लेकर सभी युवा साथी अपने अपने बूथ को मजबूत करें। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पलामू जिला यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष परवेज अली मुन्ना खान ने की और इसका संचालन सौरभ तिवारी ने किया। इस मौके पर पूर्व राष्ट्रीय सचिव वेद प्रकाश मिश्रा पलामू प्रभारी कृतिका त्रिपाठी, पलामू सह प्रभारी अंशु तिवारी,प्रदेश सचिव अभिषेक तिवारी ,लक्ष्मीकांत विशाल तिर्की ,सोहेल अंसारी, अरुण सांगा, जिला उपाध्यक्ष मणिकांत सिंह, गोपाल सिंह विधानसभा अध्यक्ष गुलाम नबी, सूर्यांश प्रताप सिंह, नीतीश कुमार पासवान, एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष अमरनाथ तिवारी, ओम प्रकाश त्रिपाठी, हसीन बिस्मिल, राशिद बक्शी ,इफ्तेखार अली ,नन्हे जावेद अली सहित यूथ कांग्रेस व एनएसयूआई के युवा साथी मौजूद थे।

ट्रैफिक से मिलेगी मुक्तिः 191 करोड़ की लागत से होगा तीन सड़कों का चौड़ीकरण व मजबूतीकरण

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा की चिर प्रतिक्षित मांग पूरी हो गई है। 191 करोड़ की लागत से जिले की तीन सड़कों का चौड़ीकरण व मजबूती करण कार्य किया जाएगा। झारखंड सरकार ने कैबिनेट में इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी है। इन सड़कों में गढ़वा -चिनिया, रंका-रमकंडा व रमना- विशुनपुरा-मांझियाव पथ शामिल है। करीब 75 किलोमीटर लंबी इन सड़कों का निर्माण पथ निर्माण विभाग झारखंड कराएगा। अब ये सड़कें डबल लेन अर्थात सात मीटर चौड़ी बनेगी। फिलहाल इनकी चौड़ाई 3.75 मीटर है। जानकारी देते हुए गढ़वा विधायक सह पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि उक्त सड़कों की चौड़ाई काफी कम होने के कारण हमेशा ट्रैफिक जाम की

स्थिति बनी रहती है। साथ ही अक्सर दुर्घटना भी होते रहती है। इन क्षेत्रों के ग्रामीणों की लंबे समय से इन सड़कों के चौड़ीकरण की मांग की जा रही थी। उन्होंने दृढ़ता से इस मांग को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। मुख्यमंत्री ने इसे कैबिनेट से स्वीकृति प्रदान कर दी। मंत्री ने बताया कि गढ़वा-चिनिया पथ 26.3 किमी 70 करोड़, 24 लाख, एक हजार 300 रुपए, रंका-रमकंडा पथ 20.95 किमी 65 करोड़, 77 लाख, 86 हजार, 500 रुपए तथा रमना- विशुनपुरा-मांझियाव पथ 29.3 किमी का 55 करोड़, 26 लाख, 90 हजार, 500 रुपए की से चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण किया जाएगा। अब जल्द ही निविदा की प्रक्रिया पूर्ण कर कार्य आरंभ किया जाएगा।

लोगों को आवागमन में होगी सहूलियत : मंत्री

मंत्री ने कहा कि इन तीनो पथों पर ट्रैफि क का भार काफी बढ़ने सहित पथ की स्थिति भी काफी जीर्ण-शीर्ण हो गई थी। आज उन क्षेत्र के लोगों की पूरी करते हुए काफी सुकून की अनुभूति हो रही है। इन पथों के निर्माण के उपरांत गढ़वा से चिनिया और रंका से रमकंडा पहुंचने में 20 मिनट से अधिक का समय नहीं लगेगा तथा इन पथों के दोनों ओर बसे गांवों की आर्थिकी भी बदलेगी। गढ़वा-चिनिया पथ एनएच 75 गढ़वा से शुरू होकर मुख्य रूप से कल्याणपुर, चामा, पेसका, गेरुआसोती, कोलदह, तसरार, कपराठ, सोती व चिनिया प्रखंड मुख्यालय से साढ़े पांच मीटर चौड़ी पीडब्ल्यूडी सड़क को जोड़ते हुए रंका अनुमंडल के विभिन्न सुदूरवर्ती आदिवासी व नक्सल प्रभावित गांव से होते हुए रंका अनुमंडल मुख्यालय में एनएच 343 को जोड़ेगा। जबकि रंका- रमकंडा पथ रंका अनुमंडल मुख्यालय के एनएच 343 से शुरू होकर मुख्य रूप से रंका, लिदीकंडा, मानपुर, मतौली, पूरेगाड़ा, चटकमान, केरवा, रमकंडा सहित अन्य आदिवासी व नक्सल प्रभावित गांव से होते हुए हुए पलामू जिला के चैनपुर प्रखंड को जोड़ेगा। इन सड़कों को छत्तीसगढ़ व उत्तर प्रदेश की सीमा से जुड़ने के कारण गढ़वा जिला मुख्यालय से छत्तीसगढ़ व उत्तर प्रदेश की दूरी भी काफी कम हो जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर बीडीओ ने की बैठक, दिये कई निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड सभागार मे बिडीओ जयपाल कुमार महतो ने प्रधानमंत्री आवास को लेकर के एक बैठक आयोजित किया जिसमें सभी पंचायत के मुखिया पंचायत सचिव एवं स्वयंसेवक लोगों ने भाग लिया वहीं बिडीओ ने सभी स्वयंसेवकों से प्रधानमंत्री आवास को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया तथा कुछ लोगों को कार्य में कोताही बरतने पर कड़ी फटकार लगाई ,वही बिडीओ ने कहा कि कि ऐसा नहीं होने पर नया लक्ष्य पर भी संकट आ सकता है वैसे लागू जो लाभुक प्रधानमंत्री आवास को नहीं बना रहे हैं उन लोगों पर कानूनी कार्रवाई की भी किया जाएगा। बैठक में उपस्थित पीएम आवास कोडीनेटर सिराज अहमद कंप्यूटर ऑपरेटर अशोक कुमार भवनाथपुर मुखिया बेवी देवी, शैलेश चौबे ,सुकनी देवी पंचायत सचिव भुनेश्वर सिंह ,अजीत सिंह, सतीश सिंह, विष्णु प्रसाद , स्वयंसेवक में कौशल कुमार सिंह, निरंजन पाठक, अजीत कुमार, अभिषेक गुप्ता कुमार, अरुण पाठक, उपेंद्र कुमार, नितीश कुमार, बीरबल राम, ओम आर्य, विजय यादव, दीपक कुमार, मंजू देवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

डंडई मुखिया के फर्जी हस्ताक्षर का पकड़ाया सिंचाई कूप का डिमांड

नवीन मेल संवददाता

डंडई। प्रखंड के ग्राम पंचायत डंडाई की मुखिया धनवंती देवी का फर्जी दस्तखत होने का मामला प्रकाश में आया है । बताया जाता है कि सिंचाई कूप लाभुक भक्ति कुँवर का डिमांड फार्म पर बिचौलिए के द्वारा फर्जी मुहर के ऊपर मुखिया का फर्जी दस्तखत बना मनरेगा का राशि भुगतान को लेकर बुधवार को प्रखंड कार्यालय पहुंचा था। इसी बीच मनरेगा ऑपरेटर विनय कुमार के द्वारा फजीर्वाड़ा पकड़े जाने के बाद मामले का खुलासा हुआ। फार्म को देखते ही मुखिया ने इसे बिल्कुल रूप से फर्जी बताया । उसके अहले सुबह गुरुवार को मामले को लेकर प्रखंड कार्यालय पहुंची मुखिया ने बीडीओ सोमा उरांव से मुलाकात कर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमसंगत कार्रवाई करने की मांग की । ऑपरेटर विनय कुमार के सूझबूझ के कारण फर्जी डिमांड पर भरा गया मनरेगा राशि 14100 रुपये का फर्जी भुगतान होने से बच गया। विनय ने जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को डंडाई गांव के अजय सिंह नामक युवक सिंचाई कूप लाभुक भक्ति कुंवर नाम के पंचायत सचिव सुनील कुमार, रोजगार सेवक दिनेश कुमार रवि व मुखिया धनवंती देवी के हस्ताक्षर युक्त डिमांड लेकर आया था । उक्त डिमांड पर मुखिया के द्वारा किया गया हस्ताक्षर युक्त मुहर अलग लगने पर उसे मैं मुखिया के हस्ताक्षर युक्त पूर्व के दूसरा डिमांड से मिलान किया तो वह बिल्कुल रूप से अलग पाया गया । उसके बाद मुखिया को जाकर दिखाया तो इसे बिल्कुल रूप से फर्जी बताया गया।फजीर्वाड़ा मामले में युवक अजय कुमार सिंह के अलावा उक्त दोनों कर्मियों की सांठगांठ से भी इनकार नहीं किया जा सकता है ।

1932 का खतियान और ओबीसी आरक्षण पारित होने पर निकाली गयी आभार रैली

नवीन मेल संवाददाता

केतार। महागठबंधन की सरकार के द्वारा 1932 खतियान, ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव पारित करने बाद केतार प्रखंड के महागठबंधन के कार्यकताओं ने गुरुवार को मुख्यमंत्री के प्रति आभार रैली निकाली।इस क्रम में महागठबंधन के सैकड़ों कार्यकताओं ने केतार बाजार अम्बेडकर चौक से कपूर्री गेट तक जूलूस निकालकर हेमंत सोरेन जिंदाबाद, महागठबंधन की सरकार जिंदाबाद,मिल गया भाई मिल गया 1932 का खतियान मिल गया आदी का नारा लगाते हुए कपूर्री गेट तक पहुंचे। जहां कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर, पटाखे फोड़े और एक दुसरे को मिठाई

खिलाकर बधाई दी। इस अवसर पर झामुमो नेता अजय वर्मा और उप प्रमुख शम्भु सिंह खरवार ने कहा की हेमंत सरकार के द्वारा आंगनबाड़ी सेविकाओं, पारा शिक्षकों, सरकारी कर्मचारियों,को तोहफा देने के साथ साथ झारखंड प्रदेश की चिरपरिचित मांग झारखंडी की पहचान 1932 की खतियान एवं ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देकर ऐतिहासिक कार्य किया है। उक्त कार्य पिछले कई वर्षों से लंबित था। इस मौके पर उप प्रमुख शम्भु सिंह,बीस सूत्री अध्यक्ष संजय सिंह खरवार, छोटन सिंह, जगनारायण यादव,राम बिचार साहू, मनोरंजन गुप्ता, कामेश्वर सिंह,श्यामा राम, महेंद्र पाल, राम भजन गुप्ता,रामाकांत भारती, बसंत मेहता, रमेश राम, जयंत विश्वकर्मा, सुरेश कुमार , मनीष कुमार, अशोक ठाकुर सहित सैकड़ों उपस्थित थे।

अभियुक्त ओमप्रकाश कोरवा को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

चिनियां। थाना क्षेत्र के पाल्हे गांव निवासी ओम प्रकाश कोरवा उर्फ जय राम कोरवा को चिनिया पुलिस ने गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया है । इसकी जानकारी देते हुए थाना प्रभारी विरेंद्र हांसदा ने बताया कि उपरोक्त गिरफ्तार व्यक्ति पर चिनिया थाना कांड संख्या 46/22 धारा 306 भा द वि के प्राथमिकी अभियुक्त था जिसे चिनिया पुलिस ने गुरुवार को उसके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है । बताते चलें कि पिछले 27 अगस्त को गिरफ्तार व्यक्ति की पत्नी सोनिया देवी उम्र लगभग 25 वर्ष जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी मृतक सोनिया के परिजनों ने प्रताड़ित करने तथा आत्महत्या करने के मजबूर करने संबंधी चिनिया थाना में मामला दर्ज कराया था । जिसके आलोक में प्राथमिक अभियुक्त ओम प्रकाश कोरवा पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है ।

रमना-बिशुनपुरा भाया मझिआंव सड़क के चौड़ीकरण की स्वीकृति पर जताया आभार

नवीन मेल संवाददाता

बिशुनपुरा/गढ़वा। प्रखंड के जेएमएम कार्यकताओं एवं प्रबुद्धजनों ने हेमंत सोरेन सरकार को झारखंड में 1932 का खतियान लागू एवम रमना बिशुनपुरा भाया मझिआंव सड़क का चौड़ीकरण की स्वीकृति देने पर आभार जताया है। झारखंड कैबिनेट की बैठक में बुधवार को इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। बिशुनपुरा प्रखंड के समाजसेवी नवल किशोर गुप्ता ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में झामुमो ने जनता से वादा किया था कि हेमंत सोरेन की सरकार बनने के बाद झारखंड में 1932 का खतियान लागू किया जाएगा। सरकार 1932 के आधार पर अब स्थानीय होने का नियम परिभाषित करेगी। सरकार के करीब ढाई साल पूरे होने के बाद हेमंत सोरेन ने इस वादे पर अमल करते हुए कैबिनेट से इसे पास कर दिया है।
साथ ही रमना बिशुनपुरा भाया मझिआंव

सड़क जो जर्जर एवं गाड़ियों से जाम हो जा रहा था लोगो को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था, जिसे हेमन्त सरकार ने स्वीकृति दे दी है । वहीं चौक चौराहों पर जेएमएम कार्यकताओं ने जमकर पटाखे फोड़े और मिठाइयां बांटी। इस शुभ घड़ी में प्रखंड अध्यक्ष ललन सोनी, लतीफ अंसारी, मखन पासवान, धर्मेंद्र सिंह, यासीन अंसारी, गयासुद्दीन अंसारी, रामाश्रय यादव, सुरेश भंडारी, संजय गुप्ता, चंदन मेहता, विजय चौरसिया,रंजीत चंद्रवंशी, शिवप्रसाद गुप्ता आदि मौजूद थे।

झामुमो ने 1932 खतियान लागू होने पर मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी(गढ़वा)। बुधवार को हुई झारखंड कैबिनेट की बैठक में राज्य के स्थानीय निवासी की परिभाषा, पहचान व झारखंड के स्थानीय व्यक्तियों की परिणामी सामाजिक एवं अन्य लाभों के लिए विधेयक - 2022 के गठन को मंजूरी दी गयी। इसके तहत ही झारखंड के स्थानीय की पहचान होगी। विधेयक के प्रस्ताव में प्रावधान किया गया है कि जिनके पूर्वजों का नाम 1932 या पूर्व के सर्वे खतियान में दर्ज है, वही स्थानीय होंगे। जहां खतियान पठनीय नहीं होगा, वहां ग्राम सभा को खतियानी तय करने का अधिकार दिया गया है। ग्रामसभा भाषा, रहन-सहन और परंपरा के आधार पर खतियान तय कर सकेगी। झारखंड कैबिनेट ने तय किया है कि इस विधेयक को सदन से पारित कराया जायेगा। विधेयक पारित होने पर भारत सरकार से इसे नौवीं सूची में शामिल करने का आग्रह किया जायेगा। साथ ही 27 फीसदी किया गया पिछड़ों के आरक्षण का प्रावधान किया गया है। जिसके लिए खरौंधी प्रखंड झामुमो इकाई ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंत्री मिथलेश कुमार ठाकुर को बधाई दी है। जिला परिषद सदस्य धर्मराज पासवान ने बताया की झारखंड सरकार एक एक बार कर जनता के साथ की गई वादा को पूरा कर रही है। बधाई देने वाले में झामुमो नेता सह जिला परिषद सदस्य धर्मराज पासवान, झामुमों प्रखंड अध्यक्ष अभिजीत किशोर, जिला कार्यसमिति सदस्य हिफाजत अंसारी, विनोद यादव, बाबूलाल पासवान, राकेश उरांव, रबी हुसैन, जाकिर हुसैन, संतोष कुमार सिंह सहित कई लोग हैं।

उपेक्षा का दंश झेल रहे सिलिदाग के ग्रामीण

विकास के दावे को खोखला साबित कर रहा सिलिदाग गांव

नवीन मेल संवाददाता

रमना। वर्षो से उपेक्षा का दंश झेल रहा प्रखंड अंतर्गत सिलिदाग ग्राम, इस ग्राम के बुजुर्ग बताते हैं कि जब वर्षो पहले जमींदारी प्रथा थी तब इस गांव मे जन कल्याण हेतु स्वास्थ्य, शिक्षा और अनुसाशन बेहतर थी और लोग को शिक्षा और स्वास्थ्य कि अच्छी व्यवस्था थी। गांव में विद्यालय भवन कच्ची थी लेकिन शिक्षा पक्की मिलती थी प्राथमिक उपचार के लिए लोगो को दूर नहीं जाना पड़ता था।

गांव में बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव

आज आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद और सरकार द्वारा सभी क्षेत्रो में विकास के दावे को खोखला सावित करता इस गांव के जनकल्याण के कार्य। इस गांव में आज कोई भी प्राथमिक उपचार हेतु स्वास्थ्य केंद्र नहीं है। ग्रामीणो के अनुसार वर्षो पहले इस पंचायत में मडवनिया उप स्वास्थ्य केंद्र के नाम से करीब 1975-76 में इस उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण हुआ था। निर्माण के बाद इस उप स्वास्थ्य केंद्र में एक कम्पाउण्डर रहते थे, जिससे इस पंचायत के ग्रामीणों के साथ-साथ अगल बगल के गावों के लोगो को भी प्राथमिक उपचार होता था।
आज आजादी के अमृत महोत्सव मना लिए लेकिन बंद हो चुके इस उप स्वास्थ्य केंद्र कि और किसी भी क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि ने इस गांव के गरीब-मजदूर जनता के लिए प्राथमिक उपचार हेतु बंद पड़े इस केंद्र को पुनः चालू कराने हेतु आवाज उठाये। इस केंद्र के बंद हो जाने से इस गांव के लोगो के साथ ही साथ अगल बगल के अमजनों को झोला छाप चिकित्सक पर निर्भर रहना पड़ता हैं या फिर सात किलोमीटर दूर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जाना पड़ता हैं।

क्या कहते है स्थानीय ग्रामीण

ग्रामीण ब्रजेश कुमार 42वर्ष बताते हैं कि इस केंद्र के बंद हो जाने से हमलोगो को बहुत परेशनी हो रही हैं रात-विरात्त तवियत खराब होने पर पहले तुरंत प्राथमिक उपचार हो जाता था। इस केंद्र के सम्बन्ध में विधायक भानु प्रताप शाही बोले थे कि मै जब जीतूंगा तो इस उप केंद्र का पुनरनिर्माण कर चिकित्सा व्यवस्था बहाल कराऊंगा, लेकिन जितने के बाद अभी तक कोई सुध भी नहीं लिये।
अमलेश कुमार 42वर्ष बताते हैं कि इस केंद्र के बंद हो जाने से पूर्णतः हमलोग झोला छाप चिकित्सक के सहारे हैं, यातायात साधना के अभाव और बढ़ती यातायात किराया के कारण दूर जाकर इलाज कराना गरीब मजदूर के लिए मुश्किल हो गया हैं। किसी भी पार्टी के जनप्रतिनिधि इस क्षेत्र में प्राथमिक उपचार के सुविधा हेतु कोई पहल नहीं किये हैं।

मॉर्निंग वॉक पर निकले वृद्ध की गला रेतकर निर्मम हत्या

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। सुबह टहलने निकले एक वृद्ध व्यक्ति की गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी गई हैं। अज्ञात अपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना थाना क्षेत्र अंतर्गत जंगीपुर की है। बताया जा रहा है, कि जंगीपुर निवासी दशरथ महतो उर्फ दसु उम्र 75 वर्ष गुरुवार की अहले सुबह लगभग 4:30 बजे चाय पी कर रेलवे स्टेशन रोड के तरफ मॉर्निंग वॉक करने निकले थे। इसी बीच एनएच 75 सड़क से स्टेशन रोड के कुछ दूरी पर स्थित जंगीपुर निवासी अनिल किराना दुकान के सामने पहले से घात लगाए अज्ञात अपराधियों ने गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी। इस घटना में मृतक के शरीर में कई जगह पर चोट के निशान भी है। घटना की जानकारी मिलने पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रमोद कुमार केसरी, इंस्पेक्टर राजेश कुमार, बीडीओ

श्रवन राम, थाना प्रभारी योगेंद्र कुमार घटनास्थल पहुंचकर घटना की जानकारी लिया और जांच पड़ताल शुरू कर दी। इधर आक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच सड़क को लगभग 1 घंटे तक जाम कर दिया।
लोगों का कहना था कि अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि दिनदहाड़े गला रेतकर फरार हो जा रहे हैं ऐसे में हम सभी लोग असुरक्षित हैं। लोगों ने प्रशासन से आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने व जंगीपुर स्टेशन रोड में स्ट्रीट लाइट

बाइक पर सवार अपराधियों ने घटना को दिया अंजाम

प्रशासन के पूछताछ के दौरान स्थानीय लोगों ने बताया कि हर दिन की तरह इस दिन भी मृतक वृद्ध व्यक्ति स्टेशन के तरफ मॉर्निंग वॉक करने जा रहे थे, इसी क्रम में पहले से घात लगाकर एक मोटरसाइकिल पर तीन लोग सवार होकर जंगीपुर स्टेशन रोड के पास खड़े थे। हो सकता है वह लोग घटना को अंजाम दिए होंगे। इस संदर्भ में पुलिस कई सीसीटीवी फुटेज को खंगाले हैं और अपराधियों को चिन्हित करने में हर एंगल से लगे हुए हैं।

लगवाने, सीसीटीवी कैमरा लगवाने आदि की मांग कर रहे थे। मौके पर पहुंचे झामुमो नेता व पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव,नपाध्यक्ष विजयालक्ष्मी देवी, झामुमो नेत्री किरण देवी, नेहा देवी भाजपा नेता ओमप्रकाश गुप्ता, अशोक सेठ,लक्ष्मण राम आदि नेताओं ने अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग प्रशासन से कर रहे थे। वहीं प्रशासन द्वारा हर एंगल से जांच कर अपराधियों को गिरफ्तार करने के आश्वासन के बाद कड़ी मशक्कत करने पर आक्रोशित ग्रामीणों को समझा-बुझाकर किसी तरह जाम को हटवा कर आवागमन को चालू करवाया।वही पुलिस ने घटनास्थल से लगभग 5 घंटे बाद शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गढ़वा भेज दिया।

क्या कहते है अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी

घटना के संबंध में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रमोद कुमार केसरी ने बताया कि अज्ञात अपराधियों द्वारा दसू महतो की हत्या किया गया है।मामला प्रथम दृष्टया हत्या का लग रहा है। हालांकि इस मामले में पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। घटना में संलिप्त अपराधी जल्द पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

न्यूज गैलरी

केतार पंचायत सचिवालय में ग्राम सभा का आयोजन

केतार। पंचायत सचिवालय केतार के प्रांगण में गुरुवार को मुखिया प्रमोद कुमार की अध्यक्षता में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस ग्राम सभा के माध्यम से पंचायत के सभी वार्ड के ग्रामीणों ने भाग लेकर मनरेगा योजना अन्तर्गत विभिन्न योजनाओ को सूचीबद्ध कराया। इस मौके पर मुखिया प्रमोद कुमार ने कहा कि विशेष ग्राम सभा के माध्यम से मनरेगा योजना अन्तर्गत मेड़बंधी, टीसीबी, समतलीकरण ,तलाब आदि योजनाओं को ग्राम सभा पंजी में अंकित कराई जा रही है । उक्त योजनाओं को मनरेगा के गाइडलाइन के अनुसार चयन किया जायेगा। इस मौके पर उप मुखिया संजय पाल, वार्ड सदस्य शिवदत्त मेहता, बबिता देवी, बीरबल राम, गोपाल बैठा, गौरी शंकर बैठा, अरविन्द बैठा,उपेंद्र बैठा, जमायत अंसारी, मोजाहिदीन अंसारी, नीरज प्रसाद, दिलीप पाल, अशोक प्रसाद, गिरिजा शंकर जयसवाल , मुजाहिदीन अंसारी सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

अंजुमन कमिटी का चुनाव संपन्न, समीम अंसारी बने सदर

केतार। केतार प्रखंड के बेलाबार- नावाडीह गांव में अंजुमन कमिटी के द्वारा विभिन्न पदों के लिए गुरुवार को चुनाव कराया गया। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशियों ने नामांकन किया। जिसमें समीम अंसारी को 139 एवं जसमुदीन अंसारी को 79 मत मिले।इस तरह से समीम अंसारी 60 मतों से जीत दर्ज कर ग्राम सदर चुने गए। वहीं खचांजी पद के चुनाव में मुख्तार अंसारी ने कसमुदीन अंसारी को 103 मतों से हराकर खचांजी पद पर कब्जा जमाया। वहीं असीमन अंसारी सचिव पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए। निर्वाचित सदर, खंचाजी,और सचिव को मुखिया मुंगा साह ने प्रमाण पत्र दिया।इस मौके पर जसमुदीन अंसारी, हकीमुद्दीन अंसारी, मेराजुद्दीन अंसारी,रेयाज अंसारी,साबीर अंसारी, अल्ताफ अंसारी, समीम अंसारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

झामुमो प्रखंड अध्यक्ष ने हेमंत सरकार का जताया आभार

भवनाथपुर। झामुमो प्रखण्ड अध्यक्ष सह पंचायत समिति सदस्य चन्दन कुमार ठाकुर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर 1932 खतियान अधारित नियोजन नीति एवं अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण पारित होने पर झारखंड मुक्ति मोर्चा भवनाथपुर प्रखण्ड कमिटी के तमाम कार्यकर्ताओं की ओर से माननीय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का आभार जताया है। मौके पर प्रखण्ड अध्यक्ष चन्दन ने कहा कि झामुमो झारखण्ड में आन्दोलन कि पार्टी है जनता के दुख तकलीफ को समझती है।राज्य की हेमन्त सरकार के उपरोक्त निर्णय से राज्य के मूलवासियों,आदिवासी,पिछड़ी एवं सभी निवासियों को लाभ होगा।इस ऐतिहासिक कार्य के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी माननीय मंत्री श्री मिथिलेश कुमार ठाकुर जी शहीत सभी मंत्रीगण को बधाई एवं आभार।

भटक कर सेमरटांड गांव पहुंचा नील गाय का बच्चा, वन विभाग को किया सुपुर्द

चिनियां। थाना क्षेत्र के सेमराटाड गांव में टोली में नीलगाय का एक बच्चा अपनी मां से बिछड़ कर भटकते हुवे गांव के खेत के किनारे रह गया । जिसे ग्रामीणों ने पकड़ कर रखा एवं इसकी सूचना वन विभाग को दी गई मौके पर वन विभाग के वनपाल अनिमेष कुमार वनरक्षी उमेश सिंह प्रेमचंद दास सहित कई वनकर्मी मौकै पर पहुंचकर अपने कब्जे में ले लिया है एवं उसकी देखभाल की जा रही है तथा उसकी मां से मिलाने की कोशिश की जा रही है बताते चलें कि क्षेत्र में नीलगाय के आतंक से किसान काफी परेशान है प्रत्येक दिन क्षेत्र में किसी न किसी किसान का फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं दिन मे जंगल की ओर चले जाते हैं तथा रात में गांव में घुसकर फसल चरते है जिसके कारण किसान काफी परेशान है वही ग्रामीण जनार्दन यादव, उमेश यादव, संजय यादव, सिराजू अंसारी, हरिओम यादव, हिंद लाल कोरवा, प्रताप यादव, पप्पू यादव सहित अन्य लोगों ने कयास लगाया कि बीती रात भी नील गायों का झुंड गांव के खेत में पहुंचा होगा तथा नीलगाय जाते समय अपने बच्चे को भूल कई जिससे यह बच्चा भटकता हुआ दूसरे दिन भी गांव में खेतों के किनारे रह गया होगा।

पीडीएस डीलर पर 102 लाभुकों का राशन गबन करने का आरोप

भवनाथपुर। पीडीएस डीलर ने 102 लाभुकों का राशन गबन कर लिया। ग्रामीणों के शिकायत पर बीडीओ ने किया जांच कारवाई के लिए उच्च अधिकारी को पत्राचार करने की बात कही। बताते चले कि गुरुवार को अरसली दक्षणी पंचायत के चेरवा डीह के डीलर नंदकिशोर सिंह के डीलर के दुकान पर सैकड़ो लाभुक अपना अनाज लेने पहुचे थे जहाँ नशे में धुत डीलर ने लाभुकों से बतिमीजी करते हुए अनजान खत्म होने के बात कही जिस पर लाभुकों ने जम कर हंगामा किया और बीडीओ जयपाल महतो से शिकायत की। शिकायत के आलोक में पीडीएस दुकान पर पहुचे बीडीओ जयपाल पाहतो के साथ बतमीजी के साथ पेस आया। बीडीओ से शिकायत करते हुए लाभुक अमना बीबी, श्रीकांति देवी, नुरैसा बीबी, गिरजा देवी, कमरून बीबी, सैदा बीबी, कबूलन बीबी, सहिना बीबी, खुशबून बीबी सहित सैकड़ों लोगों ने बताया की डीलर के कार्यप्रणाली से हमलोग अजिज आगए है प्रति लाभुक 3 से 5 किलो अनाज कटौती करते है आए दिन लाभुकों के साथ बतिमीजी करना आम बात है दिन भर शराब के नशे में धुत रहते हैं। शिकायत के बाद जांचों उपरांत पाया कि डीलर नंदकिशोरों सिंह लाइसेंस नम्बर 298 के द्वारा अगस्त माह में टोटल 214 लाभुकों में से मात्र93 लोगो का राशन वितरण किया गया जब कि 166 कार्डधारकों के नाम से पौष मसीन से 166 कार्डधारकों का पर्ची निकल दिया गया। जब कि वर्तमान में कोई भी स्टोक अनाज का नही पाया गया किसके कारण 121 लाभुक खादान वितरण से बातचीत है वही बीते जुलाई माह में 214 लाभुकों में मात्र 159 लाभुकों के बीच अनाज वितरण किया गया। डीलर के द्वारा अगस्त माह में चावल अंत्योदय योजना का 966 किलो गेंहू 177 किलो पीएच का चावल 3331 किलो एवं गेंहू 750 किलो उठाया गया था। बीडीओ ने जांचों उपरांत संबंधित विभाग को पत्राचार करने कि बात कही।

न्यूज गैलरी

भारत जोड़ो अभियान के तहत कांग्रेस का चला जनसंपर्क अभियान

बरवाडीह। भारत जोड़ो अभियान के तहत कांग्रेस के अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के निर्देश पर भारत जोड़ो अभियान के तहत कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव, प्रदेश के पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी के नेतृत्व मे प्रखंड के कई पंचायतों में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान लोगों की जन समस्याओं से अवगत हुए। कार्यक्रम के तहत पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी , भुनेश्वर उरांव के द्वारा झरना, सेदूप, छेंचा, ततहा आदि गांवों में जन समस्याओं का निराकरण हेतु ग्रामीणों के साथ बैठक की गई। बैठक में प्रदेश की पूर्व मंत्री श्री त्रिपाठी ने कहा कि आने वाले 2024 के चुनाव में एकजुट होकर मोदी को हटाने का संकल्प लेना है। वहीं कांग्रेस के मुनेश्वर उरांव ने भी अपने संबोधन में केंद्र सरकार की नीतियों का जमकर विरोध किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार राजू ने की। बैठक में रंजीत कु .राजू, जिला महा सचिव गोपाल राजवंशी, आर .एन यादव, काजमी अनवर, अशोक कुमार सिंह, अनवर अंसारी सहित अन्य लोग शामिल थे।

ओबीसी समाज को 27 प्रतिशत आरक्षण देने पर सीएम के प्रति जताया आभार

लातेहार। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा जिला लातेहार के जिलाध्यक्ष शत्रुघ्न प्रसाद ने गुरुवार को प्रेस वार्ता कर कहा कि ओबीसी समाज के लोगों को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बधाई के पात्र हैं। ओबीसी समाज के 27 प्रतिशत के फैसले को ऐतिहासिक बताया है। लेकिन लातेहार जिला पिछला रहने के कारण ओबीसी समाज के लोगों को जीरो प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष या विपक्ष के लोगों के द्वारा इस मामले को नजर अंदाज करने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि लातेहार जिले के इस बड़ी आबादी वाले लोगों के साथ सरकार अन्याय किया है। उन्होंने कहा कि लातेहार जिले के ओबीसी समाज के लोगों को आरक्षण नहीं मिलने पर आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर लातेहार जिले में ओबीसी समाज के लोगों को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग की है। मौके पर गोविंद प्रसाद, पंकज तिवारी, नंदलाल प्रसाद, उमाशंकर गुप्ता, वीरेंद्र कुमार यादव, संजीत कुमार , राजू प्रसाद समेत कई लोग उपस्थित थे।

भारी बारिश से मिट्टी का घर ध्वस्त

सिमरिया (चतरा)। पत्थलगड़ा प्रखंड के डमौल निवासी कुर्बान मिया के खपरैल मकान भारी बारिश के कारण ध्वस्त हो गया। कुर्बान दैनिक मजदुरी के साथ छाता और चापाकल मरम्मत कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। गरीबी और बेकारी के कारण अभी तक घर नही बना पाए। ऐसे मे मकान गिरने से रहने में परेशानी हो रही है। उन्होंने बताया कि कई बार प्रधान मंत्री आवास के लिए आवेदन दिये, परंतु अभी तक लाभ नही मिला। घर गिरने के बाद दुसरे के घर रात्रि बिताना पड रहा है। उन्होंने प्रशासन से उचित मुआवजा के साथ प्रधान मंत्री आवास देने की मांग की है।

तीन बच्चों की मां प्रेमी संग हुई फरार, पति ने थाने में कराया सन्हा दर्ज

पत्थलगड़ा(चतरा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत कांगड़ा गांव से तीन बच्चे की मन प्रेमी के साथ फरार हो गई है। अनगड़ा निवासी कुलदीप राम ने गुरुवार को थाने में दिए आवेदन में बताया है की पत्नी गुड़ी कुमारी उम्र लगभग 26 वर्ष बीते बुधवार को दोपहर लगभग दो बजे अपने दो पुत्री व एक पुत्र को घर में छोड़ कर अपने प्रेमी संग फरार हो गई है। कुलदीप ने कटकमसांडी थाना क्षेत्र के साहपुर निवासी दीपू यादव पर अपनी पत्नी को भगाकर ले जाने का आरोप लगाया है। कुलदीप का आरोप है कि उसकी पत्नी हमेसा दीपू यादव के साथ मोबाइल पर बात करती थी कई बार इस बात को लेकर उसे फटकार भी लगाया गया था। इस मामले में पुलिस से पीड़ित ने न्याय की गुहार लगाई है।

झारखंड मे 1932 के खतियान लागू होने पर लोगों ने हर्ष व्यक्त की

सिमरिया(चतरा)। झारखंड में 1932 के सर्वे खतियान को आधार मानकर स्थानीय नीति लागू करने के लिए कैबिनेट से प्रस्ताव पारित कराने पर झारखंड खतियान आंदोलन के अग्रणी नेता जयनारायण प्रसाद मेहता ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त किया है। श्री मेहता ने कहा कि अब यहां के आदिवासियों मूलवासियो के चिर प्रतीक्षित मांग पूरी हो रही है। 1932 के पहले यहां निवास करने वाले आदिवासी मूलवासी को झारखंड की भूमि पर पहला हक अधिकार बनता है। अब यहां स्थानीय नीति का 1932 के खतियान कट ऑफ डेट लागू होगा। विधानसभा से प्रस्ताव को पारित कराकर राजपाल से हस्ताक्षर होने के उपरांत यह कानूनी रूप ले लेगा। आदिवासी मूलवासी के सर्वांगीण हित भलाई में मुख्यमंत्री द्वारा उठाए गए इस साहसी राजनीतिक फैसले की लोग प्रशंसा कर रहे हैं। श्री मेहता द्वारा लिखित पुस्तक हक की लड़ाई झारखंड में 1932 के खतियान लागू कराने के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

बिजली चोरी के आरोप में तीन लोगों पर प्राथिमिकी दर्ज

गारू। धांगरटोला पंचायत में मंगलवार को तीन लोगों पर प्रथमिकी दर्ज किया गया है। जहां लोगो का कहना है कि अन्य लोगो पर भी बिजली चोरी का आरोप था। कनीय अभियन्ता की टीम ने अवैध ढंग से बिजली चोरी का आरोप लगाते हुए, प्रवेश उरांव, रामकेवल सिंह,विनोद प्रसाद पर प्रथमिकी दर्ज किया गया है। जहां जुर्माना 13,000 का जुमार्ना लगाया गया है। लेकिन मकान मालकिन व रेन्टर दोनो के ऊपर प्रथमिकी दर्ज किया गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि कनीय अभियंता दुर्गा प्रसाद सिंह ने बिजली चोरी का आरोप 20 लोगो के ऊपर था जो नही हुआ ,तीन लोगों पर ही प्रथमिकी दर्ज किया गया है,बिचैलिये के द्वारा हावी होकर ये सब किया जा रहा है।

उपायुक्त ने की समग्र शिक्षा अभियान की समीक्षा, कहा

भोजन की गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। गुरुवार को उपायुक्त अबु इमरान ने शिक्षा विभाग द्वारा जिले में संचालित समग्र शिक्षा अभियान की समीक्षा समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में संबंधितों के साथ बैठक कर की। सर्व प्रथम उन्होंने जिले के शैक्षणिक प्रोफाइल का अवलोकन कर कार्यरत कर्मियों की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने कहा कि कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में शिक्षकों के रिक्ति के आलोक में मानदेय आधारित बहाली की प्रक्रिया अविलंब प्रारम्भ करें। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में छात्राओं की कुछ सीटें वर्तमान में खाली है, जिसे उपायुक्त ने प्रचार प्रसार कर सीट भरने की प्रक्रिया पूर्ण करने का निदेश दिया। कुछ विद्यालयों में शौचालयों की कमी पर उपायुक्त ने शिक्षा विभाग को प्रखंड शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रखंड

विकास पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर 15 वें वित्त आयोग की राशि से निर्माण करने की बात कही। उपायुक्त श्री इमरान ने सरकारी विद्यालयों में छात्रों का नामांकन बढ़ाने तथा शिक्षकों के शत प्रतिशत उपस्थिति दर्ज हो इसके लिए प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को क्षेत्र भ्रमण करने का निर्देश दिया।कक्षा में बच्चों की उपस्थिति को ई विद्यावाहिनी पोर्टल में आवश्यक रुप से प्रतिदिन दर्ज करने व बच्चों को डीबीटी के माध्यम लाभ देने का निर्देश दिया। विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में और भी ज्यादा बढ़ोतरी हो इसके लिए बीआरपी एवं सीआरपी को नियमित अंतराल पर स्कूल भ्रमण करने का निर्देश दिया गया। वैसे बच्चे जो अधूरा पढ़ाई करके स्कूल छोड़ रहे हैं उन्हें चिन्हित कर अभियान चलाकर वापस स्कूल लाने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी डीके मिश्र, क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी, सभी प्रभाग प्रभारी, सभी प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी, बीपीओ, सीआरपी, सभी वार्डेन कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय/ झारखण्ड आवासीय विद्यालय व सभी संबंधित उपस्थित थे।

विद्यालय का मुखिया ने किया औचक निरीक्षण

मयूरहंड (चतरा)। गुरुवार को राजकीय मध्य विद्यालय मंधैनिया का औचक निरीक्षण मुखिया मंजित सिंह ने किया। श्री सिंह लगभग दो बजे विद्यालय पहुंचे तो सभी बच्चे विद्यालय परिसर में खेलते नजर आए। साथ हीं शिक्षक जय शंकर प्रसाद वर्मा हाजरी बनाकर विद्यालय से अनुपस्थित पाए गए।जिसपर मुखिया श्री सिंह ने नाराजगी जाहिर कर सुधार करने का सख्त निर्देश प्रधानाध्यापक को दिया।इस पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अशोक रजक ने मुखिया को बताया गया कि बच्चे मध्याह्न भोजन के लिए बाहर हैं। जबकि मध्याह्न भोजन का समय एक बजे है। इसके अलावे बच्चों को भोजन करवाने से पहले रसोइया व संयोजिका द्वारा टिफिन में भोजन घर पहुंचाते देखी गई। जिसकी शिकायत मुखिया ने टेलीफोन के माध्यम से प्रभारी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी मंजु कुमारी से की और कार्रवाई करने की मांग की। मुखिया ने बताया कि विद्यालय में सुधार करने का निर्देश शिक्षकों को कई बार दिया गया बावजूद कोई सुधार नहीं हो रहा है।

बाराडीह गांव में सात वर्षों से चले आ रहे भूमि विवाद का हुआ पटाक्षेप

नवीन मेल संवाददाता

मयूरहंड(चतरा)। गुरुवार को मयूरहंड अंचल क्षेत्र के मंझगावा पंचायत अंतर्गत बाराडीह गांव की रुक्मिणी देवी और गुड़िया देवी के जमीन पर गांव के ही अखिलेश दांगी और पिंटू दांगी पिता स्व. तापेश्वर दांगी द्वारा जबरन किए गए कब्जे को अनुमंडल दंडाधिकारी चतरा के आदेश से मुक्त कराया गया। प्रभारी अंचलाधिकारी साकेत कुमार सिन्हा के नेतृत्व में अंचल निरीक्षक शिवप्रकाश कुमार और प्रभारी थाना प्रभारी अनिरुद्ध सिंह दल-बल के साथ जेसीबी मशीन से जबरन कब्जा किए गए प्लॉट पर पहुंचकर अवैध रूप से बने मुर्गी-फॉर्म को ध्वस्त कर कब्जा-मुक्त कराया गया। इसके अलावे उक्त भूमि पर बने घर को हटाने के लिए अखिलेश दांगी और पिंटू दांगी ने प्रशासन से चार दिनों का समय मांगा है। सनद रहे कि रुक्मिणी देवी की सास लालो देवी के नाम संख्या-01,

प्लॉट 06 कुल रकबा 3.16 एकड़, एवम गुड़िया देवी के ससुर फागू भुईयां को इसी खाते और प्लॉट की जमीन में से 0.76 एकड़ भूमि भू-दान द्वारा प्राप्त है। जिसकी जमाबंदी दोनों के नाम कायम है और 2021-022 तक अंचल लगान रसीद भी निर्गत है। जिसमे जबरन कब्जा कर, घर, मुर्गी फार्म बना कर शेष में खेतीबारी किया जा रहा था। दोनों महिलाएं अंचल कार्यालय प्रांगण में 19 अगस्त और 7 सितंबर 2022 को आमरण-अनशन पर भी बैठी थीं। ऐसे में अनुमंडल दंडाधिकारी के आदेश पर सात वर्षों से चले आ रहे भूमि-विवाद का पटाक्षेप हो गया।

एसडीओ ने प्रतिबंधित पान-मसाला जब्त कर चार दुकानों से वसूला जुर्माना

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। अनुमंडल पदाधिकारी शेखर कुमार के निर्देश पर बुधवार की शाम लातेहार शहर के विभिन्न दुकानों में प्रतिबंधित पान मसाला की जांच को लेकर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी राजा कुमार के नेतृत्व में छापामारी की गई। इस छापामारी में चार दुकानों से प्रतिबंधित पान मसाला जब्त किया गया। जिसमें माको मोड़ के इरसाद अंसारी के दुकान से पांच सौ, थाना चौक के पास के पूजा जनरल स्टोर से पांच हजार, शहीद चौक के अग्रवाल जेनरल स्टोर के पास से पांच हजार व आर्ची फोटो कॉपी दुकान के चंद्रशेखर से 500 रुपये अर्थदंड वसूला गया। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी राजा कुमार ने बताया कि झारखंड सरकार ने 11 तरह के पान मसाला को प्रतिबंधित किया है। राज्य में कोई भी दुकानदार प्रतिबंधित पान मसाला उत्पादों की

खरीद-बिक्री नहीं कर सकता है। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने आगे बताया कि यह जांच अभियान लगातार चल रहा है और इसी तरह आगे भी जारी रहेगा। यदि अभी भी कोई दुकानदार लाइसेंस नही लिए हैं तो वह जरूर ले लें। साथ ही दुकानदार प्रतिबंधित पान मसाला बेचना बिल्कुल बंद कर दें। पकड़े जाने पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। इस छापेमारी अभियान में अखिलेश टोप्पो, अनुपम कुमार,विनोद खलखो, विनोद कुजुर एवं पुलिस बल मौजूद थे।

झारखंडी जन संघर्ष मोर्चा ने 1932 का खतियान लागू करने पर मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

नवीन मेल संवाददाता

गिद्धौर/चतर। 1932 खतियान लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने पर झारखंडी जन संघर्ष मोर्चा ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन प्रति आभार व्यक्त करते हुए गुरुवार को गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय में एक दुसरे को गुलाल लगा और मिठाई बांट खुशी का इजहार किया। कार्यक्रम का नेतृत्व झारखंडी जनसंघर्ष मोर्चा के गिद्धौर संयोजक प्रदीप कुमार, 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष बिनोद पासवान, मनोज वर्मा, मुखिया निर्मला देवी ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान झारखंडी जनसंघर्ष मोर्चा के लोगों ने मुख्यमंत्री जिंदाबाद के नारे लगाए। साथी ही संयोजक ने कहा कि सरकार 1932 का खतियान लागुकर झारखंडियों को हक अधिकार दिया है। कार्यक्रम में 20 सूत्री उपाध्यक्ष रामदेव यादव, विजय भारती, संगीता कुशवाहा, चंदा कुमारी, देवदीप कुमार, विश्वजीत कुमार, प्रकाश दांगी, कवींद्र दांगी सहित कई ग्रामीण शामिल थे।

26 वृद्धा पेंशन की बीडीओ ने दी स्वीकृति

गिद्धौर/चतरा। गिद्धौर प्रखंड कार्यालय सभागार में गुरुवार को बीडीओ संजीत कुमार सिंह ने बारिसाखी पंचायत के 26 वृद्ध लाभुकों को पेंशन की स्वीकृति पत्र दी। इस दौरान बीडीओ ने बताया कि शिविर में वृद्धा पेंशन को ले बारिसाखी पंचायत से 36 आवेदन प्राप्त हुआ था। आवेदन के भौतिक सत्यापन सहित लाभुक का उम्र, आधार नम्बर, बैंक खाता का सत्यापन के बाद 26 योग्य लाभुकों के वृद्धा पेंशन की स्वीकृति दी गयी। साथ ही स्वीकृत वृद्धापेंशन की सूची जिला को भेज दी गयी है। मौके पर पंचायत सचिव मिथलेश कुमार सिंह, मुखिया पति दिनेश भारती व लाभुक आदि उपस्थित थे।

अंबेडकर आवास की योजना पदाधिकारी ने की जांच

गिद्धौर(चतरा)। गुरुवार को जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुमार गिद्धौर प्रखंड का भ्रमण कर 5 अम्बेडकर आवास का स्थल जांच किया। श्री कुमार प्रखंड के गांगपुर, बांय, बारियातु व सलगा में अम्बेडकर आवास की जांच की। जिला योजना पदाधिकारी ने बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर प्रखंड में वर्ष 2022-23 में चयनित अम्बेडकर आवास के लाभुकों की स्थिति व लाभुक आवास लेने लायक है या नही इसकी जांच किया। जांच में पंचायत सचिव मिथलेश कुमार सिंह, महेश मिस्त्री आदि शामिल थे।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा।
:– प्रेस विज्ञप्ति :–

एतद द्वारा इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से संवेदक **M/s Rajnandni Construction, Vill-Tungun, Po.+Ps-Lawalong, Distt.-Chatra** को सूचित किया जाता है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत पन्द्रहवाँ चरण के पैकेज सं॰–JH02TKE032 **"Construction of Rural Road & their Maintenance for 5 Years** for **L056-T03 to Kasiyadih (Length-1.60 Km)** Under Block-Lawalong, District-Chatra, State-Jharkhand" निर्माण कार्य का एकरारनामा के अनुसार कार्य समाप्ति की तिथि–14.10.2019 थी। इस कार्यालय के पत्रांक–193 दिनांक–16.03.22, पत्रांक–513 दिनांक–16.06.22 एवं मौखिक रूप से अनेकों बार कार्य पूर्ण करने हेतु आपको निर्देशित किया गया था, लेकिन कार्य अबतक अपूर्ण है। प्रेस विज्ञप्ति [PR No.-277088 (Rural Development) 22-23*D] के माध्यम से कार्य पूर्ण करने हेतु आपको निर्देशित किया गया था। पुनः इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक–25.09.2022 तक हरहाल में कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। यदि दिनांक–25.09.2022 तक कार्य पूर्ण नहीं कराया जाता है तो संपूर्ण कार्य का लागत राशि की वसूली आपसे की जायेगी, जिस पर आपका किसी प्रकार का कोई भी दावा भविष्य में मान्य नहीं होगा।

कार्यपालक अभियन्ता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा।

PR 277896 Rural Development (22-23)D

डीसी ने एससीए के तहत ली गई योजनाओं की समीक्षा की

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। उपायुक्त भोर सिंह यादव की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में विशेष केन्द्रीय सहायता(एससीए) योजना के तहत ली गई योजनाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में योजनाओं की समीक्षा वित्तीय वर्षवार एवं योजनाओं के पूर्ण/अपूर्ण होने के आधार पर किया गया। बैठक में उपायुक्त ने एससीए के तहत किये जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने कहा कि एजेंसियां आपस में समन्वय स्थापित करते हुए शेष बचे कार्यों का जल्द से जल्द पूरा करना सुनिश्चित करें, ताकि योजनाओं से जल्द लोगों को लाभ मिल सके। पीसीसी सड़क, पुलिया निर्माण, विद्यालय समेत अन्य संचालित योजनाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। इसके आलावा उपायुक्त ने प्राथमिकता के आधार पर

एससीए अंतर्गत सभी संचालित योजनाओं को तय समयवधि के अंदर पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ हीं वैसी योजनाएं जो पूर्ण कर ली गई है, उन्हें जांचोपरांत भुगतान करने का निर्देश दिया गया। बैठक में अब तक हुए कार्य प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिए। बैठक में अपर समाहर्ता श्री आलोक शिकारी कच्छप, संबंधित विभाग के कार्यपालक अभियंता, अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मालगाड़ी की चपेट में आने से सिग्नल मैन की हुई मौत

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। बरकाकाना-बरवाडीह रेलखंड के कुमंडीह पोल संख्या 229 के रेलवे ट्रैक के पास मालगाड़ी की चपेट में आने से सिग्नल मैन की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। मृतक की पहचान विशुनपुर गांव निवासी स्व. लव कुमार पांडेय के पुत्र राकेश कुमार पांडेय उम्र के रूप हुई है। बताया जा रहा है की बुधवार की रात 12 बजे सिग्नल मैन राकेश कुमार पांडेय कुमंडीह पोल संख्या 229 के रेलवे ट्रैक के पास सिंगल फेल रहने पर ट्रैक पर काम कर रहा था। अचानक इस लाइन से मालगाड़ी गुजरने के दौरान इसकी चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा गुरुवार की सुबह रेलवे ट्रैक पर शव होने

की सूचना आरपीएफ पुलिस को दी गई। आरपीएफ की टीम ने घटना स्थल पर पहुंचकर रेलवे ट्रैक से शव को हटाया गया। जिसके बाद रेल परिचालन सामान्य हो पाया। इधर लातेहार पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता को इसकी सूचना मिलते ही पुलिस पदाधिकारी को घटनास्थल पर भेजकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लातेहार भेज दिया।

प्रखंड में सुखाड़ की स्थिति का आकलन करने पहुंची राज्य स्तरीय जांच टीम

सुखाड़ की स्थिति का निरीक्षण करने दस गांव जायेगी टीम

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। झारखंड कृषि विभाग के निदेर्शानुसार प्रखंड क्षेत्र में अल्पवृष्टि से उत्पन्न सूखे के स्थिति के कारण आसन्न सुखाड़ का जमीनी स्तर पर आकलन करने के लिए राज्य स्तरीय जांच टीम गुरुवार को चंदवा पहुंची जांच टीम के द्वारा चंदवा पूर्वी क्षेत्र समेत अन्य कई जगहों का दौरा किया गया दौरे के क्रम में टीम के सदस्यों ने धान के बिचड़े और धान की बुवाई का निरीक्षण भी किया। इस दौरान टीम में शामिल सदस्यों ने बताया कि जांच टीम प्रखंड के दस गांव में जाकर ग्राउंड स्तर पर खेती का आकलन करेगी प्रखंड में हुई बुवाई का बारीकी से निरीक्षण भी किया जाएगा। उसके बाद रिपोर्ट तैयार कर विभाग को सौंपी जाएगी। चंदवा पूर्वी पंचायत के निरीक्षण के उपरांत सदस्यों ने बताया कि कई जगहों पर किसानों के द्वारा बिचड़ा तैयार किया गया था लेकिन वर्षा के अभाव में बुवाई नही हो पाये समय ज्यादा बीत जाने के कारण बिचड़ा भी बर्बाद हो गया है। गौरतलब हो कि प्रखंड क्षेत्र में इस वर्ष धान की बुवाई नही हो पाई है कुछ किसानों ने बिचड़ा तैयार भी किया था लेकिन वर्षा के अभाव में बुवाई नही कर पाए। वहीं कुछ किसानो के द्वारा पटवन के माध्यम से धान की बुवाई की गई है। राजनीति दलों ने की है सुखाड़ क्षेत्र घोषित करने की मांग, जिले में कम वर्षा के कारण इस वर्ष किसान अपनी खेती नही कर पाये जिसके कारण यहां के किसान चिंतित है। जिसको लेकर कई राजनीतिक पार्टियों समेत सामाजिक संगठनों ने जिले को सुखाड़ क्षेत्र घोषित करने के साथ साथ राहत योजनाएं शुरू करने की मांग की है। जांच टीम में कृषि निदेशक रांची निशा उरांव, उप कृषि निदेशक (योजना) संतोष कुमार, सहायक कृषि अभियंता विवेक मिश्रा, सहायक कृषि निदेशक (पौधा संरक्षण) आशुतोष कुमार, सहायक कृषि निदेशक (रसायन) रेशु भारद्वाज, संयुक्त कृषि निदेशक मुक्ता रानी, प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी रामनाथ यादव, जनसेवक लव कुमार पासवान, अनिता कुमारी, मुकेश भगत,रामसागर राम आदि शामिल थे।

मुखिया के नेतृत्व में श्रमदान कर की गई पंचायत सचिवालय की साफ–सफाई

चंदवा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मालहन पंचायत के मुखिया जतरु कुमार मुंडा के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने गुरुवार सुबह श्रमदान कर पंचायत सचिवालय के साथ आस पास के जगहों पर सफाई अभियान चलाया गया मुखिया श्री मुंडा के नेतृत्व में सभी लोग सुबह सुबह ही पंचायत सचिवालय पहुंचे और सफाई अभियान को शुरू किया लोगो ने सचिवालय के आस पास स्थित झड़ियों समेत कचड़े को साफ किया सचिवालय के पहुंच पथ पर फैले झाड़ी व कचरे की भी लोगो ने सफाई कर हटा दिया। ाफाई अभियान का नेतृत्व कर रहे मुखिया श्री मुंडा ने कहा कि स्वक्षता में ही सभी की भलाई है अपने आस पास हमेशा साफ सफाई रखनी चाहिए बरसात के दिनों में लोगों को हमेशा इस सफाई पर ध्यान देने की जरूरत है। इन दिनों मौसमी बीमारियों का चलन है ऐसे में हम सभी घर के आस पास साफ सफाई का ख्याल रखकर ही बीमारी से बच सकते हैं।मौके पर उप मुखिया गीता देवी, धनेश्वर मुंडा, अबुल अंसारी, मुबारक अंसारी, महेंद्र मुंडा, आजाद आलम, राजू मुंडा, मिमशाद आलम, अरविंद भगत, बहुरन सिंह, बिलटू गंझु, सत्तार अंसारी आदि कई लोग मौजूद थे।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा
:- प्रेस विज्ञप्ति :-

एतद द्वारा इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से संवेदक M/s Sahay Construction, At-Awal Mohalla Chatra को सूचित किया जाता है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत पन्द्रहवाँ चरण के पैकेज सं॰– JH2CH009 "Construction of Rural Road & their Maintenance for 5 Years for ML03-L023 to Hurmur (Length-5.541 Km) Under Block-Simaria, District-Chatra, State-Jharkhand" निर्माण कार्य का एकरारनामा के अनुसार कार्य समाप्ति की तिथि–26.07.19 थी। इस कार्यालय के पत्रांक–06 दिनांक–03.01.22, पत्रांक–192 दिनांक–16.03.22 एवं मौखिक रूप से अनेकों बार कार्य पूर्ण करने हेतु आपको निर्देशित किया गया था, लेकिन कार्य अबतक अपूर्ण है। प्रेस विज्ञप्ति [PR No.-277081 Rural Development (22-23)D] के माध्यम से कार्य पूर्ण करने हेतु आपको निर्देशित किया गया था। पुनः इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक–25.09.2022 तक हरहाल में कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। यदि दिनांक–25.09.2022 तक कार्य पूर्ण नहीं कराया जाता है तो संपूर्ण कार्य का लागत राशि की वसूली आपसे की जायेगी, जिस पर आपका किसी प्रकार का कोई भी दावा भविष्य में मान्य नहीं होगा।

कार्यपालक अभियन्ता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल
चतरा

PR 277906 Rural Development (22-23)_D

न्यूज गैलरी

बरसलोया पंचायत भवन में रोजगार दिवस का हुआ आयोजन

कोलेबिरा। प्रखंड के बरसलोया पंचायत सभागार में गुरुवार को मुखिया संदीप मुंडा की अध्यक्षता में रोजगार दिवस का आयोजन किया गया जिसमें प्रखंड कर्मी और जनप्रतिनिधियों ने उपस्थित वार्ड सदस्यों, सखी मंडल की दीदियों, दीदी बाड़ी के सदस्यों और उपस्थित ग्रामीणों से उनकी समस्याएं सुनी साथ ही पूर्व से चली आ रही योजना एवं कार्यो की समीक्षा की गई। वृद्धा पेंशन, दीदी बाड़ी बिरसा हरित ग्राम योजना सहित कई योजनाओं की भी चर्चा की गई साथ ही जॉब कार्ड भी वितरण किया गया।वहीं जन प्रतिनिधियों ने पूर्व से चली आ रही योजनाओं के अंतर्गत कार्यो को जल्द से जल्द पूर्ण करने को कहा और आने वाली योजनाओं के बारे में बताया। मौके पर मुखिया संदीप मंडा बरसलोया, उप मुखिया केशनी देवी,पंचायत सचिव जगतपाल महतो, जनसेवक पुणे उरांव रोजगार सेवक, वार्ड सदस्य गण और बरसलोया पंचायत के ग्रामीण उपस्थित थे।

कीटनाशक पीकर व्यक्ति ने की आत्महत्या का प्रयास

सिमडेगा। केरसई करईगुड़ा डिपाटोली गांव में 35 वर्षीय शख्स ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या का प्रयास किया परिवार वालों ने बिगड़ती हालत को देख तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल सिमडेगा लाया जहां पर डॉक्टरों की निगरानी में इलाज चल रही है। घटना के संबंध में यह पत्नी ने बताया कि राजेंद्र राणा घर में विगत दो-तीन दिनों से काफी परेशान रहे थे और अचानक किसी बात को लेकर चिंतित होकर घर में रखे कीटनाशक पी लिया। जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी इधर सदर अस्पताल में उसे इलाज के लिए भर्ती कराया जहां इलाज चल रही है।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में युवक गंभीर रूप से घायल

जलडेगा। थाना क्षेत्र के लंबोई के समीप मोटरसाइकिल दुर्घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में 108 एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल सिमडेगा लाया जहां पर उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को सिमडेगा के सलडेगा निवासी विराज इंदवार किसी काम को लेकर जलडेगा गया था और वापस लौट रहा था इसी दौरान लम्बोइ के पास मोटरसाइकिल से नियंत्रण खो कर गिरा। जिसके बाद माथे में गंभीर चोट आई। माथे में गंभीर चोट लगने की वजह से फिलहाल बेहोशी की स्थिति में सदर अस्पताल में इलाज चल रही है। समाचार लिखे जाने तक मरीज के समक्ष परिवार के कोई भी सदस्य मौजूद नही थे।

शिव शिष्य परिवार की ओर से हरिद्रानंद जी को आज दी जायेंगी श्रद्धांजलि

सिमडेगा। सिमडेगा के शिव शिष्य परिवार की एक बैठक गुरुवार को संपन्न हुई। जहां गुलजार गली शिव मंदिर में आज शिव शिष्य हरिद्रानंद का 12 वा श्राद्ध के इस अवसर पर सिमडेगा के अनाथालय में दर्जनों बच्चे एवं बच्चियों को तथा कार्यरत सभी कर्मचारी को भरपेट भोजन कराने का निर्णय लिया। गौरतलब हो कि 4 सितंबर को हरिद्रानंद जी का रांची धुर्वा स्थित आवास में देहांत हो गया था इनके लाखों शिव शिष्य परिवार के लोग काफी दुखित एवं अपने आप को अनाथ महसूस कर रहे हैं शुक्रवार को उनके चित्र में श्रद्धा सुमन सैकड़ों भाइयों बहनों के द्वारा अर्पित किया जाएगा।

बच्चा चोर के अफवाह से बचें ग्रामीण : थाना प्रभारी

कुडू-लोहरदगा। एक बार फिर से बच्चा चोर गिरोह के सक्रिय होने की तेजी से फैल रही अफवाह से बचने के लिए थाना प्रभारी अविनव कुमार ने थाना क्षेत्र के लोगों से बचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अफवाहें समाज के लिए खतरा बन जाती हैं। बिना जांच पड़ताल के फैलाई गई अफवाह के कारण बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इसलिये ग्रामीण बच्चा चोर की अफवाह पर ध्यान नहीं दें साथ ही बिना सोचे समझे कोई भी मैसेज फॉरवर्ड न करें। किसी भी तरह का अफवाह फैलाना कानूनन जुर्म है। गांव में अंजान लोग दिखें या किसी प्रकार का शक हो तो उसपर नजर रखें। इसकी सूचना पुलिस को दें। किसी को भी देखकर बच्चा चोर समझ कानून अपने हाथों में न ले। कानून अपने हाथों में लेने वालों को बक्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी इस तरह की बेबुनियाद अफवाह वर्ष 2017 में फैलाई गई थी। जिसकी चपेट में कई बेगुनाह लोग आए थे। इसपर हम सभी को सतर्क रहने की जरूरत है।

जय श्री राम समिति का प्रखंड से पंचायत स्तर तक होगा विस्तार

लोहरदगा। जय श्रीराम समिति की बैठक देवी मंडप प्रांगण दुर्गा बाड़ी में श्री राम समिति के प्रखंड अध्यक्ष विनोद रविदास की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से समिति का विस्तार प्रखंड स्तर से पंचायत स्तर तक करने हेतु चर्चा किया गया। बैठक में जय श्रीराम समिति लोहरदगा के संरक्षक अजय सोनी, कार्यकारी अध्यक्ष ओम महतो, उपाध्यक्ष अनिल उरांव, सह-कोषाध्यक्ष विनोद प्रसाद मुख्य रूप से उपस्थित हुए। वही संबोधन में कहा गया कि पंचायत स्तर पर समिति का गठन जल्द से जल्द करते हुए विस्तार करें। उक्त बैठक में जिला समिति के पदाधिकारियों के साथ मुख्य संरक्षक मुरारी सोनी, बजरंग उरांव,विवेक प्रजापति, सुजित प्रसाद,संजय कुमार साहू, कोषाध्यक्ष बाबुलाल उरांव, मीडिया प्रभारी अंकित कुमार, रंजन कुमार उपाध्यक्ष रंजीत कुमार, सुखदेव महतो, मनोज साहू, विष्णु कुमार, ब्रजेश कुमार, पंकज साहू, अनमोल कुमार रंजीत महली, गोविंद मुखर्जी, भोला साहू, प्रकाश साहू जयराम उरांव, पहान महादेव उरांव, गौतम कुमार,अनिल कुमार, सीताराम उरांव, आनंद प्रसाद, मोहर साहू,सुलेन्द्र उरांव, मुनु उरांव, राधेश्याम साहू, बबलू राम, अमन पांडेय, अमरेश राम, विकाश राम, बालक बैठा कृष्णा साहू दिलीया भगत इत्यादि सामिल थे।

मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम, 2023 को लेकर उपायुक्त ने राजनीतिक दलों के साथ की बैठक, कहा

योग्य मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ने के लिए प्रेरित करें

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम, 2023 एवं मतदाता पहचान पत्र को आधार नंबर से लिंक करने संबंधी बैठक लोहरदगा जिला के मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल के अध्यक्ष/सचिव के साथ हुई। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त द्वारा सभी राजनैतिक दलों से अपील की गई कि योग्य मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ने के लिए प्रेरित करें। उन्हें सभी तरह की जानकारी दी जाय ताकि जिला में जनसंख्या में अनुपात में मतदाताओं की संख्या बढ़े। निर्वाचन आयोग द्वारा कई बदलाव किये गये हैं उनकी भी जानकारी दी जाय। साथ ही, जिनके पास अभी मतदाता पहचान पत्र हैं उन्हें आधार नंबर से जोड़े जाने हेतु प्रेरित किया जाय। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा चुनाव अधिनियम संशोधन विधेयक-2021 की जानकारी दी गई। संशोधन के मुख्य बिंदुओं में बताया गया कि आरपी एक्ट 1950 के सेक्शन 23 के सब-सेक्शन 4 के अंतर्गत अब वोटर कार्ड को आधार कार्ड से जोड़ने का प्रावधान किया गया है।सभी पुराने पंजीकृत मतदाताओं को आधार नंबर से जोड़ा जाना है। आधार कार्ड नहीं रहने के बावजूद मतदाता का अधिकार बना रहेगा। जिला में मतदाता पहचान पत्र को अब मतदाता के आधार नंबर से जोड़े जाने का कार्य चल रहा है। 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में अब तक 65 प्रतिशत मतदाताओं का एपिक नंबर उनके आधार नंबर से लिंक किया जा चुका है। कई बूथों में 98 प्रतिशत मतदाताओं का एपिक नंबर उनके आधार नंबर से लिंक किया जा चुका है। कई ऐसे भी बूथ हैं जहां की उपलब्धि कम है। राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की गई कि वे मतदाताओं को उनके एपिक नंबर से उनके आधार नंबर लिंक करने के लिए प्रेरित करें। बैठक में सर्विस और विशेष मतदाताओं के लिए लैंगिक समानता का प्रावधान और निर्वाचन संचालन के लिए प्रयोजन से परिसर को अधिग्रहण करने की शक्ति की जानकारी राजनैतिक दलों को दी गई। लैंगिक समानता का प्रावधान में बताया गया कि आरपी एक्ट 1950 के सेक्शन 20 के सब-सेक्शन 6 के अंतर्गत अब बीवी की जगह स्पाउस रहेगा। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी अरविंद कुमार लाल, उप निर्वाचन पदाधिकारी नारायण राम, भारतीय जनता पार्टी के अनिल उरांव, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के निशीथ जायवाल, झामुमो के मोजम्मील अहमद, आजसू पार्टी अनिल उरांव, भाकपा माले के महेश सिंह, राजद के बालमुकुंद लोहरा, झारखंड पार्टी के पवन तिग्गा समेत अन्य उपस्थित थे।

मतदाता सूची में शामिल होने के लिए अब चार अर्हता तिथियां : बैठक में राजनैतिक दलों को बताया गया कि आरपी एक्ट 1950 के सेक्शन 14 के क्लॉज बी के अंतर्गत अब एक ही वर्ष में मतदाताओं की अर्हता की तिथि चार हो जायेगी। 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर को आधार मानते हुए 18 वर्ष या इससे उपर की उम्र के मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल किये जा सकेंगे। वार्षिक संक्षिप्त पुनरीक्षण के लिए अर्हता तिथि उस वर्ष की 1 जनवरी होगी। योग्य आवेदक पंजीकरण के लिए अर्हता तिथियों के अनुसार अपना आवेदन अग्रिम तौर पर प्रारूप-6 में समर्पित कर सकते हैं। वार्षिक संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची में प्रारूप प्रकाशन की तिथि 1 जनवरी के संदर्भ में होगी। पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान प्राप्त सारे प्रपत्रों को जन्म तिथि एवं अर्हता तिथि के अनुसार अलग-अलग किया जायेगा। बैठक में राजनैतिक दलों को विभिन्न प्रकार के आवेदन संबंधित प्रपत्र, सूची प्रपत्र आदि की भी जानकारी दी गई। दावे और आपत्ति का प्रारूप, नये मतदाताओं के लिए फार्म-6, दावे के विरूद्ध आपत्ति एवं नाम विलोपन हेतु प्रपत्र-7 और निर्वाचन क्षेत्र के भीतर निवास का स्थानांतरण, निर्वाचन क्षेत्र के बाहर निवास का स्थानांतरण, प्रविष्टियों के सुधार या अद्यतन के लिए आवेदन हेतु प्रपत्र-8 भरा जायेगा।

कुल मतदाताओं की संख्या : अनुमण्डल पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में कुल 324 मतदान केंद्र हैं जहां कुल मतदाता 2,65,109 हैं। 69-बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र में 104 मतदान केंद्र हैं जहां कुल मतदाता 78,889 मतदाता हैं। इस प्रकार लोहरदगा जिला में कुल 3,43,998 मतदाता हैं। 72-लोहरदगा में कुल जनसंख्या में मतदाताओं का प्रतिशत 58.34 है। लिंगानुपात 992 है। 69-बिशुनपुर में कुल जनसंख्या में मतदाताओं का प्रतिशत 57.69 है। लिंगानुपात 987 है।

मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की दी गई जानकारी : बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, लोहरदगा द्वारा मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम, 2023 की जानकारी दी गई। इसमें बताया गया कि दिनांक 04.08.2022 से 24.10.2022 तक मतदान केंद्रों का अनुपातीकरण/री-अरेंजमेंट, मतदाताओं के पहचान पत्र के फोटो में सुधार, मतदान केंद्रों का निर्धारण आदि का कार्य चल रहा है। दिनांक 25.10.2022 से 07.11.2022 तक प्रपत्र 1 से 8 तक की तैयारी का कार्य चलेगा। दिनांक 09.11.2022 को मतदाता सूची के इंटीग्रेटेड ड्राफ्ट का प्रकाशन किया जायेगा। दिनांक 09.11.2022 से 08.12.2022 तक दावा/आपत्ति भरा जायेगा। इसी दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निदेश पर निर्धारित दो शनिवार व दो रविवार की तिथियों को मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप का आयोजन किया जायेगा। दिनांक 26.12.2022 तक दावा व आपत्ति का निराकरण किया जायेगा। दिनांक 05.01.2023 को मतदाता सूची का फाइनल प्रकाशन किया जायेगा।

कुडू में होटल और किराना दुकानों का फूड सेफ्टी ऑफिसर ने किया निरीक्षण

कुडू-लोहरदगा। उपायुक्त लोहरदगा वाघमारे प्रसाद कृष्ण एवं अनुमंडल पदाधिकारी अरबिंद कुमार लाल के निदेशानुसार आगामी दुर्गा पूजा और दीपावली त्योहार पर आम लोगों को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराए जाने को लेकर जिला खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने गुरुवार 15 सितंबर को कुडू ब्लाक मोड़, मेन रोड, बस स्टैंड आदि कई स्थानों पर मिठाई दुकान, किराना दुकानों की जांच की। जांच टीम में जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी राजा कुमार, कार्यपालक दंडाधिकारी सन्नी कुमार दास, सहायक रजनीश कुमार शामिल थे। इस दौरान जांच टीम ने सभी खाद्य कारोबारियों और होटल संचालकों को प्रतिष्ठान की साफ-सफाई, खाद्य पदार्थों को ढंककर रखने, अखाद्य रंग का प्रयोग न करने एवं एक्सपायरी खाद्य सामग्री नहीं बेचने और मिठाई की कीमत लिखने सहित कई हिदायत दी। साथ ही जिनहोने खाद्य अनुज्ञप्ति नही ली है उन्हें जल्द से जल्द अनुज्ञप्ति लेकर उसकी प्रति को प्रतिष्ठान पर चस्पा करने की हिदायत दी। इस दौरान जांच में आये अधिकारी होटलों में गंदगी और बासी मिठाई देखकर आग बबूला हुए और जमकर फटकार लगाई और मौके पर कई दुकानों में फाइन काटा गया। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी राजा कुमार ने बताया कि जांच के क्रम में किराना दुकानों में प्रतिबंधित पान मसाला नही रखने की चेतावनी दी गयी है। उन्होंने बताया कि यह अभियान आगे भी लगातार चलता रहेगा।

कैरो में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया

नवीन मेल संवाददाता

कैरो/लोहरदगा। कैरो थाना क्षेत्र के नागजुआ में गुरुवार को कैरो थाना एसआई हरिऔध करमाली के अगुवाई में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान दो पहिया, चार पहिया वाहनों की गहन जांच की गई। वाहन से संबंधित कागजात, हेलमेट व डिक्की आदि की भी जांच की गई।इस दौरान हेलमेंट नही पहनने व वाहन से संबंधित कागजात लेकर नही चलने वाले लोगों को सख्त हिदायत दी गई।इस दौरान नागजुआ साप्ताहिक हाट में खड़े वाहन की जांच की गई। क्षेत्र से वाहन चोरी होने की घटनाएं होने के बाद लोग खुद भी नहीं सुधर रहे है। बिना हैन्डल लॉक किये ही वाहन सड़क व बाजार हाट में खड़े कर रहे है। सड़क पर खड़े वाहनों को चेक कराना शुरू किया तो कई वाहन बिना लॉक के मिली। सभी वाहनों के मालिक को उठक-बैठक करवाकर चेतावनी देकर छोड़ा। मौके पर एसआई हरिऔध करमाली ने आंकड़े बताते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में मरने वालों की संख्या ज्यादातर युवाओं की होती है,जिसमे अधिकतर लोग बिना हेलमेंट पहनने वालें के होते है। इतना कुछ होने के बावजूद बिना हेलमेंट व तीन सवारी बैठाए बाइक चलाते हुए आम तौर पर देखा जाता है। जबकी प्रशासन द्वरा लगातार वाहन जांच के दौरान लोगों को हेलमेंट को लेकर जागरूक करने का काम किया जाता है। साथ ही वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात करने के लिए सख्त मना किया जाता है। इस दौरान थाना के दलबल मौजूद थे दलबल मौजूद थे।

सिमडेगा के युवक का शव पालकोट से मिला, हत्या की आशंका

एनएच 143 जाम, लोगों ने की आरोपी को गिरफ्तार कर फांसी देने की मांग

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा के खैरनटोली निवासी युवक का शव पालकोट से मिलने की सूचना के बाद लोग उसकी हत्या की आशंका जताते हुए लोग सड़क पर उतर कर खैरनटोली में एनएच 143 जाम कर जम कर बवाल काटा। मिली जानकारी के अनुसार खैरनटोली निवासी सन्नी बुधवार की सुबह दस बजे से अपने घर से लापता था। उसके परिजनों ने गरजा निवासी अंकित मिंज पर उसके अपहरण का आरोप लगाते हुए थाने में आवेदन दिया था। इधर गुरुवार को दोपहर एक बजे के करीब सन्नी का शव गुमला जिला के पालकोट से बरामद होने की सूचना उनके परिजनों को मिली। इसके बाद परिवार में कोहराम मच गया। घर वालों का रोना सुन खैरनटोली के लोग वहां जुटने लगे। सन्नी के परिजनों ने अंकित पर सन्नी के हत्या करने का आरोप लगाते हुए खैरनटोली स्कुल मोड़ के पास एनएच 143 पर बैठकर सड़क जाम कर दिया। उनके इस दुख में पुरा खैरनटोली उनके साथ सड़क पर उतर आया। सभी लोग सिमडेगा पुलिस पर समय पर सूचना देने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाने लगे। सन्नी की मां ने कहा पुलिस समय पर एक्शन लेती तो उनका बेटा जीवित होता। मृतक सन्नी की मां ने कहा कि सन्नी मोबाइल बनाने का काम करता था। राज मोबाइल वाला उससे हमेशा कहता था कि पचास हजार रूपए देगें राउरकेला जाकर काम करो। उन्होने कहा राज मोबाइल वाले ने सन्नी का परिचय अंकित से कराया था। सन्नी को अंकित का फोन आया उसके बाद से हीं सन्नी घर से कहीं चला गया था। बाद मे पता चला की वह अंकित के साथ कहीं गया है। उसके बाद सन्नी का मोबाइल स्वीच ऑफ हो गया तो वे लोग घबराने लगे क्योंकि सन्नी पर अंकित का कुछ पैसा बकाया था और अंकित उससे हमेशा कहता था कि पैसा दे दो नहीं तो ठीक नहीं होगा। सन्नी की मां ने बताया इसी आशंका के कारण वे लोग सिमडेगा पुलिस को लिखित आवेदन देते हुए सन्नी को ढूंढने की मिन्नतें की थी। सन्नी की मां ने कहा सभ्य पर सूचना देने का बाद भी पुलिस कुछ नहीं की। उसी का नतीजा है कि सन्नी अंकित ने मार डाला। इधर सिमडेगा में गुरुवार को दोपहर शहर के खैरनटोली में सड़क में उतरे लोगों द्वारा एनएच 143 जाम की सूचना पर एसडीपीओ डेविड ए डोडराय और ठेठईटांगर थाना प्रभारी कुमार इंद्रेश दलबल के साथ जाम स्थल पंहुचे तो पुलिस को देख जाम कर रहे लोग आक्रोशित हो गए और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। मौके पर मौजुद एसडीपीओ और कार्यपालक दंडाधिकारी पंकज भगत लोगों को समझाने का काफी प्रयास करते रहे लेकिन लोग अंकित की गिरफ्तारी और फांसी की मांग को लेकर सड़क पर डटे रहे। कुछ देर बाद लोगों ने भट्टीटोली में भी कॉलेज मोड़ के पास एनएच को जाम कर दिया। दोपहर एक बजे से लगा जाम शाम पांच बजे तक भी जारी था। लोग आरोपी अंकित की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए थे। पुलिस जाम खुलवाने का हरसंभव प्रयास करती रही लेकिन लोग अपनी मांग पर अड़े रहे। जाम लगने के कारण सड़क के दोनो तरफ काफी लंबी वाहनों की कतार लग गयी। जिसमें लंबी दुरी के कई यात्री बस भी फंसे रहे। हालांकि करीब साढे पांच बजे जामकर्ताओं ने सदर सीओ प्रताप मिंज को एक मांग पत्र सौंपा। जिसमें मृतक के परिजनों को पचास लाख रूपए देने की मांग के साथ आरोपी अंकित की अविलंब गिरफ्तार और उसे कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की गई। मामले में एसपी सौरभ से बात हुई तो उन्होने कहा अंकित कल से हीं फरार है। पुलिस लगातार उसके गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

एंटी क्राइम अभियान के तहत वाहन जांच अभियान चलाया गया

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। एंटी क्राइम अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक आर रामकुमार के निदेर्शानुसार गुरुवार को भी सेन्हा थाना के समीप लोहरदगा गुमला मुख्य पथ में वाहन जांच अभियान चलाया गया। पुलिस अवर निरीक्षक सन्तोष कुमार के नेत्तृत्व मे गुरुवार को एन्टी क्राइम अभियान के तहत वाहन जांच किया गया। जांच के दौरान दो पहिया वाहन, तीन पहिया वाहन और चार पहिया वाहन को रोक कर वाहनों से सम्बन्धित सभी आवश्यक कागजात एवं डिक्की खुलवा कर और पॉकेट तथा थैला का भी जाँच किया गया। साथ ही सभी आने जाने वाले लोगो को सड़क सुरक्षा का नियम को पालन करने का सख्त निर्देश दिया गया। वहीं बिना हेलमेट पहने बाइक चालकों को फटकार लगाते हुए हेलमेट पहन कर बाइक चलाने का निर्देश दिया गया। प्रभारी थाना प्रभारी ऋषिकान्त ने बताया कि सड़क सुरक्षा तथा एंटी क्राइम को लेकर लगातार वाहन चेकिंग अभियान चलता रहेगा। साथ ही कहा कि दो पहिया वाहन चलाने वाले सभी लोग बिना हेलमेट का वाहन न चलाये नही तो सख्त करवाई किया जायेगा। मौके पर पुलिस अवर निरीक्षक सन्तोष कुमार दल बल के साथ मौजूद थे।

हेमंत सरकार ने 1932 का खतियान लागू करने समेत अन्य प्रस्ताव की मंजूरी देने से जनता में खुशी

नवीन मेल संवाददाता

कैरो/लोहरदगा। झारखंड सरकार के द्वारा 13 सितम्बर के कैबिनेट के बैठक में 1932 का खतियान लागू करने, पिछड़ो का आरक्षण 14 से बढ़ाकर 27 प्रतिशत, अनुसूचित जाति को 10 से बढ़ाकर 12 प्रतिशत व अनुसूचित जनजाति को 26 से बढ़ाकर 28 प्रतिशत आरक्षण करने समेत 43 का प्रस्ताव को मंजूरी देने पर क्षेत्र की जनता में खुशी का लहर है। चौक चौराहो, गली मुहल्लों सभी जगह सरकार के द्वारा किये जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं का चर्चा है। साथ ही साथ मुख्यमंत्री की प्रसंशा करते नही थक रहें है। जेएमएम प्रखंड कमिटी द्वारा सरकार के कार्यो के लिये आभार व्यक्त करते हुए बधाई दी है। प्रखंड अध्यक्ष मो सजाद ने कहा कि 1932 का खतियान लागू करने,पिछडो को 27 प्रतिशत आरक्षण जो झारखंड की बहुत पुरानी मांग रही है उसे कैबिनेट से मंजूरी दिलाना एक ऐतेहासिक फैसला है,यह फैसला झारखंडियों के लिए मिल का पत्थर साबित होगी। जेएमएम पार्टी अपने सारे वादे पूरा कर रही है आने वाले समय 2024 विधान सभा चुनाव मे झारखंड में जेएमएम की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। जनता दिल खोलकर जेएमएम को सपोर्ट करेगी। आभार व्यक्त करने व बधाई देने वालो में जेएमएम के केंद्रीय समिति सदस्य सह प्रखंड बीससूत्री सदस्य समीद अंसारी, प्रखंड सचिव सह प्रखंड बिससूत्री सदस्य धनपत उरांव, सेरोलीना मिंज, जमील अख्तर, बुदीया उरांव, समीरुदीन अंसारी, बजरंग साहू, अजमेर खान, मनोज उरांव, अख्तर अंसारी, सकलु उरांव, सुरेश उरांव, रुस्तम अंसारी, बिनोद उरांव, चन्द्रदेव उरांव, बहुरा उरांव, समेल उरांव आदि शामिल हैं।

शिक्षा विभाग की उपायुक्त आर. रॉनीटा ने की समीक्षा बैठक, कहा

शिक्षकों की उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित करें पदाधिकारी

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त आर. रॉनीटा ने शिक्षा विभाग का समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में उपायुक्त ने समग्र शिक्षा, छात्रवृत्ति, जाति प्रमाण पत्र, पोशाक वितरण, पाठ्य पुस्तक वितरण, ई-विद्या वाहिनी पोर्टल पर शिक्षक एवं छात्रों की उपस्थिति, बीआरपी/सीआरपी का विद्यालय भ्रमण, आईसीटी लैब, नेताजी सुभाषचन्द बोस आवासीय विद्यालय, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार एवं मध्याह्न भोजन से संबंधित विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने विद्यालयों में शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति की समीक्षा की। विद्यालयों में ई-विद्या वाहिनी पोर्टल पर शिक्षकों की उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिस प्रखंड के शिक्षकों का ई-विद्या वाहिनी पोर्टल पर शत-प्रतिशत उपस्थिति नहीं पाई जाएगी, उन पर कर्रवाई की जाएगी। जिले के सभी सरकारी विद्यालयों के कक्षा 1-12 में अध्ययनरत सामान्य वर्ग के बच्चों को मुख्यमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के तहत डीबीटी के माध्यम से ससमय छात्रवृति का लाभ देने की बात कही। पाकरटांड प्रखंड के 70 बच्चों का चयन किया गया है, जिसमें 11 बच्चों का बैंक खाता से संबंधित समस्या को एक सप्ताह के अंदर बीपीओ को निराकरण करने का निर्देश दिया। पोशाक योजना का भी लाभ ससमय मुहैया कराने की बात कही। कक्षा 1 एवं 2 के बच्चों का पोशाक वितरण का कार्य ससमय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सिमडेगा, ठेठईटांगर एवं कोलेबिरा प्रखंड में पोशाक वितरण के कार्य प्रगति को बढ़ाने का निर्देश दिया। जिले के 13 विद्यालयों में राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा आईसीटी लैब का अधिष्ठापन किया गया। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को विद्यालय का भ्रमण कर आईसीटी लैब के संचालन व्यवस्था से संबंधित फॉटोग्राफ के साथ अद्यतन प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया। कस्तुरबा गांधी विद्यालय की समीक्षा के क्रम में बालिकाओं को मिलने वाले मूलभुत सुविधाएं एवं विधि-व्यवस्था संधारण की दिशा में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दियें। जाति प्रमाण पत्र से ससमय विद्यालय के बच्चों को अच्छादित करने का निर्देश दिया। जिला पुस्तकालय का सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त अरूण वाल्टर संगा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, बीईईओ, बीपीओ, एपीओ व अन्य उपस्थित थें।

खनन विभाग ने कार्रवाई कर तीन ट्रैक्टरों को अवैध बालू के साथ किया जब्त

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। खनन विभाग सिमडेगा द्वारा कार्रवाई करते हुए बंगरु के समीप 3 अवैध बालू लदे हुए ट्रैक्टरों को जब्त करते हुए गुरुवार को सिमडेगा थाना को सुपुर्द किया। जानकारी देते हुए खनन निरीक्षक गणेश चंद्र परीड़ा ने बताया कि जिला खनन पदाधिकारी के निर्देश अनुसार छापेमारी अभियान चलाया गया इस दौरान अवैध बालू लोड कर शहर की ओर आ रहे तीन ट्रैक्टर को जप्त करते हुए थाना को सुपुर्द किया है तथा उनके विरुद्ध खनन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लगातार बार-बार अवैध खनन को लेकर खनन विभाग की ओर से कार्रवाई की जा रही है लेकिन इसके बावजूद कई ट्रैक्टर चालक मनमाना तरीके से चोरी-छिपे अवैध बालू का कारोबार कर रहे हैं। ऐसे लोगों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी ताकि सरकार का राजस्व का नुकसान ना हो। गौरतलब हो सिमडेगा के पालमाड़ा नदी सहित कई नदियों में अभी तक टेंडर नहीं हुआ है इसके बावजूद अवैध बालू के कारोबारी धड़ल्ले से बालू का उठाव कर रहे हैं।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा।

रद्द संबंधी सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा प्रकाशित ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं॰–RDD/SD/CHATRA/08/2022-23 जिसका PR No.-277512 Rural Development (22-23)D में वर्णित प्रखण्ड–चतरा, पंचायत–चतरा, ग्राम–चतरा में चतरा जिले में Archery एवं Shooting खेल मैदान का उन्नयन कार्य को अपरिहार्य कारण से रद्द किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,चतरा।

PR 277835 Rural Development(22-23)D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा

:– प्रेस विज्ञप्ति :–

एतद द्वारा इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से संवेदक **M/s Sahay Construction, At.-Awal Mohalla Distt.-Chatra** को सूचित किया जाता है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत पन्द्रहवाँ चरण के पैकेज सं॰–JH2tKeB18 "**Construction & their Maintenance for 5 Years** for **ML29-L048 to Naudiha (Bridge Over Local Nala at Ch-3.250 Km)** Under Block-Tandwa, District-Chatra, State-Jharkhand" निर्माण कार्य का एकरारनामा के अनुसार कार्य समाप्ति की तिथि–28.04.2019 थी। इस कार्यालय के पत्रांक–572 दिनांक–08.07.21, पत्रांक–77 दिनांक–25.01.22, पत्रांक–192 दिनांक–16.03.22 एवं मौखिक रूप से अनेकों बार कार्य पूर्ण करने हेतु आपको निर्देशित किया गया था, लेकिन कार्य अबतक अपूर्ण है। प्रेस विज्ञप्ति [PR No.-277091 Rural Development (22-23):D] के माध्यम से कार्य पूर्ण करने हेतु आपको निर्देशित किया गया था। पुनः इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक–25.09.2022 तक हरहाल में कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। यदि दिनांक–25.09.2022 तक कार्य पूर्ण नहीं कराया जाता है तो संपूर्ण कार्य का लागत राशि की वसूली आपसे की जायेगी, जिस पर आपका किसी प्रकार का कोई भी दावा भविष्य में मान्य नहीं होगा।

कार्यपालक अभियन्ता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,
चतरा

PR 277901 (Rural Development)22-23*D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा।

-: प्रेस विज्ञप्ति :-

एतद द्वारा इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से संवेदक **Nandkishore Singh Construction Private Limited, Vill.-Kamta, Ps.-Chatra, Distt.-Chatra** को सूचित किया जाता है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत पन्द्रहवाँ चरण के पैकेज सं॰–JH2tKe-B9 "**Construction & their Maintenance for 5 Years** for **ML06-L025 to Lotwa (Bridge Over Local Nala at Ch-4.425Km)** Under Block-Kunda, District-Chatra, State-Jharkhand" निर्माण कार्य का एकरारनामा के अनुसार कार्य समाप्ति की तिथि–27.04.2019 थी। इस कार्यालय के पत्रांक–727 दिनांक–11.07.22 एवं मौखिक रूप से अनेकों बार कार्य पूर्ण करने हेतु आपको निर्देशित किया गया था, लेकिन कार्य अबतक अपूर्ण है। प्रेस विज्ञप्ति [PR No.-277078(Rural Development)22-23(D)] के माध्यम से कार्य पूर्ण करने हेतु आपको निर्देशित किया गया था। पुनः इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक–25.09.2022 तक हरहाल में कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। यदि दिनांक–25.09.2022 तक कार्य पूर्ण नहीं कराया जाता है तो संपूर्ण कार्य का लागत राशि की वसूली आपसे की जायेगी, जिस पर आपका किसी प्रकार का कोई भी दावा भविष्य में मान्य नहीं होगा।

कार्यपालक अभियन्ता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,
चतरा।

PR 277907 (Rural Development) 22-23 (D)

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा।

-: प्रेस विज्ञप्ति :-

एतद द्वारा इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से संवेदक **M/s Maa Bhawani Construction, Vill-Fulwariya, Po.-Mishrol, Ps-Tandwa, Distt.-Chatra** को सूचित किया जाता है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत चौदहवाँ चरण के पैकेज सं॰–JH02TKE012 "**Construction of Rural Road & their Maintenance for 5 Years** for **L038-Sidhpa to Ashnalabar (Length-3.10 Km)** Under Block-Tandwa, District-Chatra, State-Jharkhand" निर्माण कार्य का एकरारनामा के अनुसार कार्य समाप्ति की तिथि–21.07.2018 थी। इस कार्यालय के पत्रांक–184 दिनांक–16.03.22 एवं मौखिक रूप से अनेकों बार कार्य पूर्ण करने हेतु आपको निर्देशित किया गया था, लेकिन कार्य अबतक अपूर्ण है। प्रेस विज्ञप्ति [PR No.-277087 Rural Development (22-23)#D] के माध्यम से कार्य पूर्ण करने हेतु आपको निर्देशित किया गया था। पुनः इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक–25.09.2022 तक हरहाल में कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। यदि दिनांक–25.09.2022 तक कार्य पूर्ण नहीं कराया जाता है तो संपूर्ण कार्य का लागत राशि की वसूली आपसे की जायेगी, जिस पर आपका किसी प्रकार का कोई भी दावा भविष्य में मान्य नहीं होगा।

कार्यपालक अभियन्ता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,
चतरा।

PR 277902 (Rural Development) 22-23 (D)

कार्यालय जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त, पलामू
(जिला विकास शाखा)

प्रधानमंत्री आवास योजना– ग्रामीण (PMAY-G) अन्तर्गत रिक्त पदों पर नियुक्ति संबंधी सूचना।

जिला स्तर पर

क्र0	पद का नाम	कुल पदों की संख्या	शैक्षणिक योग्यता
1	लेखापाल–सह–कम्प्यूटर ऑपरेटर (जिला स्तरीय)	अनारक्षित– 1	मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय/संस्थानों से वाणिज्य (Commerce) विषय में इंटरमिडिएट उत्तीर्ण एवं Diploma in Computer Application (DCA)। निर्धारित शैक्षणिक योग्यता धारित करने की तिथि के बाद एकवर्ष का कार्यानुभव तथाहिन्दी एवं अग्रेंजी टंकण दक्षता अनिवार्य।

प्रखण्ड स्तर पर

क्र0	पद का नाम	कुल पदों की संख्या	शैक्षणिक योग्यता
1	लेखापाल–सह–कम्प्यूटर ऑपरेटर (प्रखण्ड स्तरीय)	अनारक्षित– 01 अनु0जा0– 01 अनु0 ज0 जा0– 02 पिछड़ा वर्ग (BC-II)–01	मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय/संस्थानों से वाणिज्य (Commerce) विषय में इंटरमिडिएट उत्तीर्ण एवं Diploma in Computer Application (DCA)। निर्धारित शैक्षणिक योग्यता धारित करने की तिथि के बाद छः माह का कार्यानुभव तथा हिन्दी एवं अग्रेंजी टंकण दक्षता अनिवार्य।
		कुल – 05	

आवेदकों को Online विभागीय पोर्टल http://applyrdd.jharkhand.gov.in पर आवेदन करना है, जहाँ नियुक्ति संबंधी सम्पूर्ण सूचना उपलब्ध है। आवेदन दिनांक 17.09.2022 से 27.09.2022 तक भरा जायेगा।

PR 277869 Palamu (22-23)_D

उपायुक्त, पलामू

झारखण्ड सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (कृषि प्रभाग)
कार्यालय:-भूमि संरक्षण पदाधिकारी, लातेहार
E-Mail ID – scolatehar@gmail.com

-: आम सूचना :-

वित्तीय वर्ष 2021–22 में लातेहार जिले के छोटे और सीमांत कृषकों/स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल/कृषक समूह को अनुदान पर पम्पसेट (1.5-3.0HP), पम्पसेट (3.5-5.0HP) एवं 200Ft HDPE Pipe तथा सोलर पम्पसेट (1.0HP) वितरण की योजना

सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (कृषि प्रभाग), झारखण्ड, राँची के राज्यादेश संख्या 95 दिनांक 31.03.2022 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2021–22 में छोटे और सीमान्त कृषकों/स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल/कृषक समूह/लैम्पस–पैक्स को पम्पसेट (1.5-3.0HP), पम्पसेट (3.5-5.0HP) एवं 200 ft HDPE Pipe तथा सोलर पम्पसेट (1.0HP) वितरण की योजना अन्तर्गत लातेहार जिले में मनरेगा अन्तर्गत निर्मित सिंचाई कूप के लाभान्वित कृषक एवं भूमि संरक्षण विभाग द्वारा गत वित्तीय वर्षों में तालाब जीर्णोद्धार एवं जलनिधि योजना के तहत निर्मित परकोलेशन टैंक के लाभान्वित पानी पंचायत के सदस्यों एवं अन्य सिंचाई श्रोत से लाभान्वित कृषकों को भी उक्त योजना के तहत पम्पसेट (1.5-3.0HP), पम्पसेट (3.5-5.0HP) एवं 200 ft HDPE Pipe तथा सोलर पम्पसेट (1.0HP) के क्रय पर अनुमान्य अनुदान की राशि उपलब्ध कराया जायेगा, जिस पर पम्पसेट (1.5-3.0HP) एवं 200 ft HDPE Pipe के वास्तविक लागत का 90 प्रतिशत (अधिकतम 20000 रू०), पम्पसेट (3.5-5.0HP) एवं 200 ft HDPE Pipe के वास्तविक लागत का 90 प्रतिशत (अधिकतम 30000 रू०) तथा सोलर पम्पसेट (1.0HP) के वास्तविक लागत का 90 प्रतिशत (अधिकतम 90000 रू०) अनुदान देय होगा। जिन कृषकों को पूर्व में कृषि विभाग या अन्य विभाग (यथा भूमि संरक्षण विभाग/कृषि विभाग/आत्मा/उद्यान/अन्य विभाग) द्वारा सिंचाई पम्पसेट का लाभ प्राप्त कराया जा चुका है, उनकी पात्रता इस योजना के लिए मान्य नहीं होगी। विहित प्रपत्र के साथ कूप स्थल/सिंचाई श्रोत पर लाभूक का फोटोग्राफ, आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक की स्वच्छ छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है। भरे हुए आवेदन पत्र पर संबंधित रोजगार सेवक/क्षेत्र पर्यवेक्षक तथा त्रिस्तरीय पंचायती राज के प्रतिनिधि द्वारा अनुशंसा के पश्चात् आवेदन संबंधित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी कार्यालय में जमा करना होगा। उक्त लाभूकों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 30.09.2022 तक विहित प्रपत्र में आवेदन भर कर संबंधित प्रखण्ड के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी के माध्यम से संबंधित कार्यालय में जमा करना सुनिश्चित करें, ताकि अग्रेत्तर कार्रवाई की जा सके। इस योजना अन्तर्गत चयनित लाभूक पम्पसेट (1.5-3.0HP) एवं 200 फीट HDPE Pipe (63-75mm)/ पम्पसेट (3.5-5.0HP) एवं 200 फीट HDPE Pipe (63-75mm) तथा सोलर पम्पसेट (1.0HP) क्रय कर क्रय का रसीद, आधार संख्या, बैंक खाता का छायाप्रति, पम्पसेट एवं पाईप/सोलर पम्पसेट के साथ फोटो (जियो टैगींग के साथ) संलग्न कर अनुदान हेतु दावा कार्यालय में प्रस्तुत करेंगें, तत्पश्चात् अनुदान के भुगतान हेतु अग्रतर कार्रवाई की जायेगी। आवेदन पत्र भूमि संरक्षण पदाधिकारी, लातेहार कार्यालय या संबंधित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी कार्यालय से निशुल्क आवेदन प्राप्त किया जा सकता एवं भूमि संरक्षण निदेशालय के वेबसाईट–www.jharkhandsoil.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। प्राप्त लक्ष्य की विवरणी निम्न प्रकार है :–

क्र० सं०	जिला का नाम	मद	भौतिक लक्ष्य			अभ्यक्ति
			पम्पसेट (1.5-3.0HP)	पम्पसेट (3.5-5.0HP)	सोलर पम्पसेट (1.0HP)	
1	लातेहार	टी०स०पी०	670	40	20	
कुल			670	40	20	

नोट :– उक्त योजना से संबंधित अन्य जानकारियों के लिए निम्न पते पर संपर्क किया जा सकता है।

कार्यालय का पता :– 1. भूमि संरक्षण पदाधिकारी, लातेहार, सयुंक्त जिला कृषि भवन किनामाड मेन रोड लातेहार

PR 277832 Agriculture (22-23)_D

भूमि संरक्षण पदाधिकारी
लातेहार

न्यायालय उपायुक्त, पलामू

नोटिस

The Jharkhand Minerals (Prevention of Illegal Mining Transportation and Storage) Rule, 2017 **के अन्तर्गत अवैध बालू खनिज राज्यसात (Confiscation) की कार्रवाई हेतु।**

विविध वाद सं0 – 35/2022–23
राज्य बनाम् अज्ञात

नोटिस बनाम अज्ञात

क्र0	अवैधकर्त्ता का नाम	बालू खनिज भंडारण स्थल का पता एवं स्थल का G.R No.	खनिज	मात्रा
1	अज्ञात	उँटारी रोड़ स्थित अस्पताल के समीप, G.R No. Lat.-24.350665, Log.-83.833490	बालू	लगभग 6000 घनफुट
2	अज्ञात	रजहारा रेलवे स्टेशन के समीप थाना नावाबाजार जिला पलामू G.R No. Lat.-24.156571, Log.-84.012278	बालू	लगभग 20000 घनफुट
3	अज्ञात	रजहारा रेलवे स्टेशन के समीप थाना नावाबाजार जिला पलामू G.R No. Lat.-24.155825, Log.-84.014763	बालू	लगभग 15000 घनफुट
4	अज्ञात	मौजा बड़कागांव फुलवार घाट के पास थाना सदर डालटनगंज G.R No. Lat.-24.101064, Log.-84.080326	बालू	लगभग 4000 घनफुट
5	अज्ञात	मौजा रजवाडीह थाना सदर डालटनगंज, पलामू G.R No. Lat.-24.065469, Log.-84.136753	बालू	लगभग 5000 घनफुट
6	अज्ञात	मौजा बड़कागांव थाना सदर डालटनगंज विभिन्न स्थलों पर G.R No. Lat.-24.71479, Log.-84.130945, G.R No. Lat.-24.074285 Log.-84.1300017, G.R No. Lat.-24.074070, Log.-84.131646	बालू	लगभग 3000 घनफुट
7	अज्ञात	मौजा बड़कागांव आयुष्मान भारत, हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर, बड़कागांव के बगल में, थाना सदर थाना डालटनगंज, पलामू G.R No. Lat.-24.069168, Log.-84.128886	बालू	लगभग 1000 घनफुट
8	अज्ञात	मौजा बड़कागांव आयुष्मान भारत, हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर, बड़कागांव के बगल में, थाना सदर थाना डालटनगंज, पलामू G.R No. Lat.-24.069386 Log.-84.129114	बालू	लगभग 2000 घनफुट
9	अज्ञात	मौजा बड़कागांव आयुष्मान भारत, हेल्थ एवं वेलनेस सेन्टर, बड़कागांव के बगल में, थाना सदर थाना डालटनगंज, पलामू G.R No. Lat.-24.057086, Log.-84.120259	बालू	लगभग 1000 घनफुट
10	अज्ञात	भवानी नगर बारालोटा, थाना–शहर थाना डालटनगंज G.R No. Lat.-24.043407, Log.-84.101204	बालू	लगभग 10000 घनफुट
11	अज्ञात	बारालोटा संत जेवियर स्कूल के सामने, पांकी रोड़, बारालोटा, थाना–शहर थाना डालटनगंज G.R No. Lat.-24.044905, Log.-84.102489	बालू	लगभग 5000 घनफुट

इस दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि जिला खनन पदाधिकारी, के पत्रांक 2401/एम0 दिनांक 07.09.2022 के द्वारा पलामू जिला अन्तर्गत उपरोक्त स्थलों पर अवैध बालू खनिज भंडारण को जप्त करते हुए अज्ञात अवैधकत्ताओं के विरूद्ध उपायुक्त न्यायालय में The Jharkhand Minerals (Prevention of Illegal Mining Transportation and Storage) Rule, 2017 के नियम 11 (V) अन्तर्गत राज्यसात (Confiscation) की कार्रवाई हेतु वाद उपायुक्त, पलामू के न्यायालय में दायर किया है। जिसमें सुनवायी की अगली तिथि 20.09.2022 निर्धारित है। उपरोक्त स्थलों पर यदि किसी व्यक्ति का दावा/आपत्ति हो तो उक्त सुनवायी की निर्धारित तिथि 20.09.2022 को 10.30 बजे पूर्वाहन में उपायुक्त न्यायालय में उपस्थित होकर संबंधित दस्तावेज के साथ अपना पक्ष रखना सुनिश्चित करें, अन्यथा जप्त अवैध बालू खनिज की राजसात् (Confiscation) की कार्रवाही पर अंतिम निर्णय ले लिया जाएगा।

उपायुक्त, पलामू के निदेशानुसार
उप समाहर्त्ता,
प्रभारी जिला विधि शाखा, पलामू

PR277848 (District)22-23*D

कार्यालय अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लोहरदगा।

अतिअल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण

अतिअल्पकालीन ई– निविदा सूचना संख्या – **RDD/SD/LOHARDAGA/E-05/2022-23 (2nd call)**

1. कार्य की विस्तृत विवरणी:

क्र०सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	ग्राम परहेपाट से देवी मण्डप के बीच 2.50 मी0 उंचाई का गार्डवाल निर्माण।	98,70,700.00	2,00,000.00	10,000.00	4 माह

2 वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि :- 21.09.2022
3 ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :- 28.09.2022 अपराह्न 5:00 बजे तक
4 ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लोहरदगा में निविदा शुल्क, अग्रधन की राशि, Bank Credit Certificate एवं Affidavit (Section X) जमा करने की तिथि एवं समय :- 29.09.2022 अपराह्न 02:30 बजे तक
5 निविदा खोलने का स्थान :- ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लोहरदगा
6 तकनीकी निविदा खोलने की तिथि एवं समय :- 30.09.2022 अपराह्न 2:00 बजे
7 निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :- कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लोहरदगा
8 ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० :- 06526-223686, 9801557189 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)

9. निविदा शुल्क राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत ड्राफ्ट जो कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लोहरदगा के पदनाम से देय हो देना होगा।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लोहरदगा।

PR 277874 (Lohardaga) 22-23 (D)

कार्यालय जिला परिषद, पलामू।

नोटिस

जिला परिषदीय दुकानों के बकायेदार हेतु आवश्यक सूचना।

दिनांक 14.07.2021 को सम्पन्न कार्यकारी समिति, जिला परिषद, पलामू की बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में कार्यालय ज्ञापांक 633/दिनांक 29.10.2021 एवं ज्ञापांक 705/दिनांक 07.12.2021 द्वारा जिला परिषदीय सैरात के सभी बकायेदारों को सम्पूर्ण बकाया राशि जमा करने हेतु प्रेस नोटिस निर्गत किया गया है। परन्तु कुछ बकायेदारों द्वारा कोई रूची नहीं ली गई। इससे स्पष्ट होता है कि बकाया किराया जमा करने हेतु इनकी कोई मंशा नहीं है।

अतः बाध्य होकर अधिकतम राशि के बकायेदारों को अंतिम नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि दिनांक 21.09.2022 तक अपना संपूर्ण बकाया किराया जमा कर दें अन्यथा संबंधित दुकानों को सील कर नये आवेदकों को आवंटित कर दिया जायेगा एवं आपके विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

प्रखण्ड तरहसी अन्तर्गत अधिकतम राशि के बकायेदारों की सूची निम्नवत है :–

क्र0	दुकान नम्बर	आवंटी का नाम	बकाया अवधि	कुल माह	बकाया राशि
1	2	3	4	5	6
1	A-05	वीरेन्द्र कुमार ठाकुर पिता स्व0 रामप्रित ठाकुर	मार्च 2021 से अगस्त 2022 तक	18	12960.00
2	A-07	मनोज कुमार मेहता पिता अमृत महतो	मार्च 2021 से अगस्त 2022 तक	18	12960.00
3	A-08	विजय कुमार ठाकुर पिता करधनी ठाकुर	जुलाई 2021 से अगस्त 2022 तक	14	10080.00
4	A-09	नरेन्द्र कुमार गोस्वामी पिता दशरथ गोस्वामी	जुलाई 2021 से अगस्त 2022 तक	14	10080.00
5	A-11	दिपक कुमार पिता गुप्तेश्वर पासवान	मार्च 2021 से अगस्त 2022 तक	18	12960.00
6	A-13	अनुप कुमार पिता राजनाथ साव	अगस्त 2021 से अगस्त 2022 तक	13	9360.00
7	A-14	रूश्तम अंसारी पिता अलिमुद्दिन मियां	मार्च 2021 से अगस्त 2022 तक	18	12960.00
8	A-15	अजीत कुमार पिता दुदुन साव	मार्च 2021 से अगस्त 2022 तक	18	12960.00
9	B-07	चन्द्रधन पाण्डेय पिता रामस्वार्थ पाण्डेय	दिसम्बर 2021 से अगस्त 2022 तक	9	6480.00
10	B-08	श्री दुखन साव पिता रामचन्द्र साव	जुलाई 2021 से अगस्त 2022 तक	14	10080.00
11	B-09	श्री रामनिवास प्रसाद पिता भगवान प्रसाद	जनवरी 2022 से अगस्त 2022 तक	8	5760.00
12	B-15	मुन्ना कुमार पिता श्री शिवशंकर	सितम्बर 2021 से अगस्त 2022 तक	12	8640.00

ह0/–
कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, पलामू।

PR 277885 District(22-23)D

कार्यालय जिला परिषद, पलामू

E-mail-zilaparishad.palamu@gmail.com

हाट बाजार बंदोबस्ती हेतु आम सूचना।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, झारखण्ड सरकार के संकल्प संख्या 1376/दिनांक 01.04.2015 के द्वारा सैरातों की बन्दोबस्ती हेतु त्रिस्तरीय पंचायतों को शक्तियां प्रत्यायोजित की गयी है, जिसके अनुसार 100000.00 (एक लाख) रूपये से अधिक राशि के सैरात की बन्दोबस्ती जिला परिषद स्तर से की जाएगी। दिनांक 06.01.2022 को संपन्न जिला परिषद, पलामू के कार्यकारी समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में पलामू जिला अंतर्गत हाट बाजार लेस्लीगंज एवं तेतरांई के बंदोबस्ती हेतु संम्बंधित अंचलाधिकारी द्वारा डाक की न्यूनतम राशि 100000.00 (एक लाख) रूपये प्रतिवर्ष से अधिक निर्धारित की गयी है। साथ ही दिनांक 01.04.2022 को संपन्न जिला परिषद, पलामू के कार्यकारी समिति की बैठक में पलामू जिला के हाट पाँकी एवं तरहसी की बंदोबस्ती हेतु डाक की न्यूनतम राशि निर्धारित की गयी है।

अतः एतद द्वारा पलामू जिला अंतर्गत निम्नांकित हाट बाजार की खुली डाक द्वारा बंदोबस्ती हेतु सर्वसाधारण से प्रस्ताव आमंत्रित किया जाता है–

क्र0	हाट/बाजार का नाम	प्रखण्ड/अंचल क्षेत्र	वर्ष 2022 हेतु डाक की तिथि	समय	डाक की न्यूनतम राशि (1 वर्ष के लिए)	अग्रधन की राशि (10%)
1	2	3	4	5	6	7
1	लेस्लीगंज हाट	नीलाम्बर पीताम्बरपुर	24-09-2022	पूर्वाहन 11:30 बजे से	240500.00	24050.00
2	तेतरांई हाट	पाँकी			192000.00	19200.00
3	पाँकी हाट	पाँकी			669875.00	66990.00
4	तरहसी हाट	तरहसी			483575.00	48360.00

उपरोक्त हाट बाजार के बंदोबस्ती हेतु पलामू जिला के निवासी भाग ले सकते हैं। इस खुली डाक में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को दिनांक 23.09.2022 तक कॉलम संख्या–7 में निर्धारित अग्रधन राशि बैंक ड्राफ्ट/चेक द्वारा जो सचिव, जिला परिषद, पलामू (**Secretary, Zila Parishad, Palamu**)के पदनाम से भुगतेय होगा कार्यालय जिला परिषद, पलामू में जमा करना अनिवार्य होगा। बैंक ड्राफ्ट के साथ दो पासपोर्ट साईज फोटो, वैध चरित्र प्रमाण पत्र, स्थानीय निवास प्रमाण, पहचान पत्र एवं पैन कार्ड का छायाप्रति जमा करना आवश्यक होगा। हाट बाजार की बंदोबस्ती की अवधि एक वर्ष की होगी। सर्वोच्च डाक वक्ता को डाक समाप्ति के पश्चात् सम्पूर्ण डाक राशि का 50% राशि तत्काल तथा शेष 50% राशि अगले 6 माह के अन्दर जमा करना अनिवार्य होगा। डाक की बोली का अन्तर न्यूनतम 10000.00 (दस हजार) रूपये होगा।

विस्तृत आम सूचना के नियम व शर्तें पलामू NIC के वेबसाइट– www.palamu.nic.in/जिला परिषद के सूचना पट्ट/अनुमण्डल कार्यालय/प्रखण्ड कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है। विशेष जानकारी के लिए सम्पर्क संख्या– 7903556060 पर कार्यालय अवधि में जानकारी ली जा सकती है।

ह0/–
उप विकास आयुक्त –सह–
मुख्य कार्यापालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, पलामू।

PR.NO.277854 District(22-23):D

सम्पादक की कलम से...

राज्य में शह-मात का खेल

झारखंड की सियासत में शह मात का खेल जारी है। पक्ष-विपक्ष के बीच पिछले डेढ़ महीने से यह खेल चल रहा है। विपक्ष खास कर भाजपा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके परिवार पर वार कर रहा है। वहीं हेमंत सोरेन विपक्ष के हर वार का लगातार माकूल जवाब दे रहे हैं। विपक्ष उन पर और उनके परिवार पर आरोपों की बौछार कर रहा है तो हेमंत नित नये निर्णय लेकर जनता के बीच अपनी पैठ को मजबूत करने में जुटे हुए हैं। पहले तो हेमंत ने पुरानी पेंशन स्कीम लागू कर विपक्ष के हर वार को कुंद किया। अब बुधवार कैबिनेट की बैठक में 1932 का खतियान आधारित स्थानीय और नियोजन नीति तथा ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण के प्रस्ताव पर मुहर लगा कर विपक्ष को करारा झटका दिया है। सवाल यह उठ रहा है कि यह हेमंत कैबिनेट का निर्णय है या राज्य में सियासी तूफान का एक नया एजेंडा। सवाल यह उठता है कि जिन दो अहम मुद्दों पर हेमंत कैबिनेट ने फैसला लिया है उस पर यह भी कहा गया है कि संविधान की 9 वीं अनुसूची के तहत इस मामले को केंद्र सरकार के पास भेजा जायेगा। यही सियासी दांव की बू आ रही है। गौरतलब है कि हेमंत के इस सियासी दांव का आभास विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान ही सामने आ गया था। सदन में विश्वास प्रस्ताव लाने के लिए बुलाये गये मानसून सत्र की विस्तारित अवधि में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने भाषण के दौरान कहा था कि बहुत जल्द उनकी सरकार 1932 के आधार पर स्थानीय नियोजन नीति बनायेगी और ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देगी। देखना है कि केंद्र में भाजपा सरकार के विधायकों और सांसदों का रुख इस पर क्या रहता है। सत्र समाप्ति के 9 दिनों के बाद ही हेमंत कैबिनेट ने इस पर मुहर लगा कर एक बड़ा सियासी दांव खेला है। गौरतलब है कि झारखंड में स्थानीय नीति और ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण का मामला नया नहीं है। झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की कैबिनेट ने राज्य में 69 फीसदी आरक्षण को पारित किया था। जिस में एससी को 14 फीसदी, एसटी को 28 फीसदी और ओबीसी को 27 फीसदी की वकालत की गयी थी। लेकिन जब यह मामला झारखंड हाइकोर्ट में गया तो खारिज हो गया। खारिज होने के पीछे यह तर्क दिया गया कि 50 फीसदी से ज्यादा आरक्षण नहीं दिया जा सकता। तब बाबूलाल सरकार की कैबिनेट ने हाइकोर्ट के निर्णय के आधार पर एससी को 10 फीसदी, एसटी को 26 फीसदी और ओबीसी को 14 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया। अब सवाल उठ रहा है कि हेमन्त कैबिनेट ने आरक्षण के कोटे को 60 फीसदी से बढ़ा कर 73 प्रतिशत किया है। क्या यह संवैधानिक प्रावधान के अनुरूप है या महज एक सियासी दांव है। संवैधानिक जानकारों का कहना है कि राज्य में चल रहे सियासी शह मात का ही यह एक बड़ा हिस्सा है। देखना दिलचस्प होगा कि हेमंत सोरेन ने जो यह सियासी दांव खेला है उसका हश्र क्या होता है।

आज का इतिहास

1941 : न्यूजीलैंड की लेबर पार्टी ने मृत्युदंड समाप्त कर दिया।
1947 : अमेरिका में रक्षा विभाग की स्थापना हुई।
1949 : दक्षिण भारतीय राजनीतिक दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की स्थापना हुई।
1950 : भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्म हुआ।
1956 : भारतीय तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग का गठन हुआ।
1956 : ऑस्ट्रेलिया में पहली बार टेलीविजन पर प्रसारण हुआ।
1957 : मलेशिया संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुआ।
1974 : बंगलादेश, ग्रेनेडा और गिनी बिसाऊ संयुक्त राष्ट्र संघ में शामिल हुए।
1984 : ब्रायन मुलरनी ने कनाडा के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली।
1988 : ग्रीष्मकालीन ओलंपिक दक्षिण कोरिया के सोल में आयोजित किया गया।
2004 : यूरोपीय संसद ने मालदीव पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित किया।
2011 : न्यूयॉर्क के जुकोट्टी पार्क में वॉल स्ट्रीट घेरो आंदोलन की शुरूआत।
2016 : न्यूयॉर्क के चेल्सी में विस्फोट से 29 लोग घायल हुए।
1784 : अमेरिका का पहला दैनिक अखबार(पेनसिलवेनिया पैकेट एंड जनरल एडवरटाइजर) प्रकाशित हुआ।
1815 : किंग विलियम प्रथम ने ब्रुसेल्स में शपथ ली।
1885 : नीदरलैंड के लोगों ने मतदान के अधिकार के लिये प्रदर्शन किया।
1857 : बहादुर शाह द्वितीय ने अंग्रेजों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।
1905 : अटलांटा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का गठन हुआ।
1928 : 'माय विकली रीडर' मैगजीन की शुरूआत हुई।
1934 : एक बड़े तूफान से पश्चिमी होन्शू, जापान में 3000 से अधिक लोग मारे गए थे।
1937 : जे आर आर टॉकियन का द हॉबिट प्रकाशित किया गया था।
1938 : चक्रवाती तूफान(183 मील प्रति घंटे की रफ्तार) से न्यू इंगलैंड में 700 लोगों की मौत।

हादसों की भेंट चढ़ते वन्य जीव

पिछले पांच सालों में बाघों के शिकार में कुछ कमी जरूर आई है, लेकिन जिस दर से इनकी तादाद कम हो रही है, उसे रोकना बहुत बड़ी चुनौती है। विडंबना ही कही जायेगी कि इनके संरक्षण की तमाम कोशिशों के बावजूद देश में हर साल औसतन 98 बाघों की मौत हो जाती है। गौरतलब है कि बाघ गणना रिपोर्ट-2018 के मुताबिक देश में 2,967 बाघ थे, जिनमें विभिन्न हादसों और शिकार की वजह से पिछले साढ़े चार सालों में 404 बाघ मौत के गाल में समा गये हैं। हालांकि इसमें बाघों की प्राकृतिक रूप से हुई मौत के आंकड़े भी शामिल हैं, लेकिन हकीकत यह है कि जंगलों की बेतहाशा कटाई, खराब होता पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, शिकार और जंगलों में प्रवेश करती भौतिक विकास की गतिविधियों ने बाघों के अस्तित्व को ही खतरे में डाल दिया है।

जिस तरह जंगल कट और नये-नये शहर बसाये जा रहे हैं, वन्य जीवों पर खतरा बढ़ता जा रहा है। हादसों पर रोक लगाने के साथ शिकारियों में भय पैदा करने के लिए कानून को और कठोर तथा असरकारी बनाना होगा। पर, इससे भी ज्यादा जरूरी है, वन्य जीवों के प्रति लोगों के नजरिये में बदलाव लाने के लिए जन जागरूकता लाना। पिछले कुछ महीनों में सोशल मीडिया पर वन्य जीवों की दर्दनाक मौत के अनेक चित्र देखने और अनेक घटनाओं के समाचार पढ़ने को मिले। स्वाभाविक रूप से सवाल उठा कि क्या वन विभाग या पुलिस इन्हें बचाने के लिए कोई पहल नहीं करती? अगर कानून हैं तो उनका पालन क्यों कड़ाई से नहीं कराया जाता, जिससे वन्य जीवों के साथ ऐसे रूह कंपा देने वाले हादसे न हों। गौरतलब है कि दस साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने वन्य जीवों के संरक्षण के मद्देनजर जब पर्यटन के नाम पर बढ़ती शिकार की घटनाओं को लेकर दिशा-निर्देश जारी किया था, तब ऐसा लगा था कि वन्य जीवों का संरक्षण अब सही तरीके से हो पायेगा। अवैध तरीके से वन्य जीवों के शिकार का सिलसिला रुक जायेगा। मगर पिछले दस सालों में वन्य जीवों की घटती संख्या चिंता का सबब बनती रही है। सरकार के कारगर कदम और कठोर कानून की वजह से वन्य जीवों के शिकार में कमी तो आई है, लेकिन इनकी हादसों में हो रही मौतों ने वन्य जीव संरक्षण पर सवालिया निशान लगा दिया है। केंद्र द्वारा जारी ताजा जानकारी के मुताबिक 2012 से लेकर 15 जुलाई 2022 तक 1059 बाघों की जान विभिन्न हादसों के चलते चली गई। इसमें सबसे ज्यादा 270 मध्यप्रदेश में और 183 महाराष्ट्र में बाघों की मौत शिकार, अप्राकृतिक और प्राकृतिक कारणों से हुई। मध्यप्रदेश में पिछले छह महीनों में 27 बाघों की मौत हो चुकी है। इसी तरह 2019 से 2021 के मध्य शिकार, बिजली का करंट, जहरीले पदार्थ खाने और ट्रेन हादसों की वजह से 307 हाथियों की मौत हो चुकी है। इसी तरह रेल से कट कर ओड़ीशा में 12, पश्चिम बंगाल में 11 और अन्य राज्यों में 22 हाथियों की दर्दनाक मौत हो गई। उनतीस हाथियों का शिकार किया गया, तो जहरीले पदार्थ खाकर मरने वाले हाथियों की तादाद ग्यारह रही। गौरतलब है बाघ की खाल और हाथी के दांत का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में वर्षों से बड़ी मांग रही है। इसलिए शिकारियों और तस्करों की नजर हाथी और बाघ पर बनी रहती है। पिछले पांच सालों में बाघों के शिकार में कुछ कमी जरूर आई है, लेकिन जिस दर से इनकी तादाद कम हो रही है, उसे रोकना बहुत बड़ी चुनौती है। विडंबना ही कही जायेगी कि इनके संरक्षण की तमाम कोशिशों के बावजूद देश में हर साल औसतन 98 बाघों की मौत हो जाती है। गौरतलब है कि बाघ गणना रिपोर्ट-2018 के मुताबिक देश में 2,967 बाघ थे, जिनमें विभिन्न हादसों और शिकार की वजह से पिछले साढ़े चार सालों में 404 बाघ मौत के गाल में समा गये हैं। हालांकि इसमें बाघों की प्राकृतिक रूप से हुई मौत के आंकड़े भी शामिल हैं, लेकिन हकीकत यह है कि जंगलों की बेतहाशा कटाई, खराब होता पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, शिकार और जंगलों में प्रवेश करती भौतिक विकास की गतिविधियों ने बाघों के अस्तित्व को ही खतरे में डाल दिया है। बाघों की तादाद भारत में ही नहीं, पूरी दुनिया में तेजी से घट रही है। कम होते-होते इनकी तादाद 3900 रह गई है। बाघों की कम होती तादाद को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आइयूसीएन) ने अपनी लाल सूची (रेड लिस्ट) में 1969 में ही बाघ को लुप्तप्राय श्रेणी में शामिल कर उसके संरक्षण के प्रति अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान खींचा था। इसका असर यह हुआ कि बाघों के संरक्षण के लिए 2010 में सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बाघ सम्मेलन कराया गया और इस पर खुल कर चचायें हुईं। तब से दुनिया में बाघों को लेकर सजगता बढ़ी है। खासकर भारत, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, चीन, म्यांमा सहित तेरह देशों ने 2022 के अंत तक अपने देश की सीमा के भीतर बाघों की आबादी को दोगुना करने का संकल्प लिया था। गौरतलब है 2018 तक भारत इस लक्ष्य तक पहुंचने में 74 फीसद सफल रहा। 2010 में भारत में 1706 बाघ थे, जो 2014 में बढ़ कर 2226 और 2018 में बढ़ कर 2967 हो गये। भारत का राष्ट्रीय पशु होने की वजह से बाघ का संरक्षण हर हाल में जरूरी है।

■ अखिलेश आर्येंदु

आई डोंड नो हिंडी

मैं हैदराबाद एयरपोर्ट पर अपनी फ्लाइट का इंतजार कर रहा था। फ्लाइट थी दो घंटे लेट। आखिरकार दो घंटे बाद फ्लाइट आ ही गई। चेकिन करने का समय आया तो मेरे आगे एक मैडम खड़ी थीं। मैडम की पाश्चात्य संस्कृति की ब्रैंड अंबासिडर दिख रही थी। ऊपर से भारी-भरकम अंग्रेजी शब्दों का लाग लपेट। जब तक खड़ी रही तब तक किसी से फोन पर अंग्रेजी झाड़े जा रही थीं। मैं ठहरा पक्का हैदराबादी। वह भी पुराने शहर का। उसमें भी मोगलपुरे का। देश की पूरी लाली मेरे मुँह में दिखती थी। होगी भी क्यों न! साहब पान जो खाता था मैं। वह तो एयरपोर्ट का तामझाम देखकर किसी तरह अपने मुँह पर ताला लगाये बैठे था। अगर बस स्टैंड या रेलवे स्टेशन होता तो अब तक वो हालत करता कि लाली तेरे लाल की जित देखो तित लाल की तर्ज पर सारा वातावरण लाली से भर देता। बहरहाल चेकिन चल रही थी। टाइट सेक्युरिटी के बीच सबकी जमकर तलाशी ली जा रही थी। मैं अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रहा था। चेकिन करने वाले सीआईएसएफ कांस्टेबल ने मेरे आगे खड़ी मैडम से हिंदी में कुछ पूछा। इस पर मैडम ऐसी भड़की मानो कोई उनसे पर्स छीन लिया हो। मैडम को न जाने क्या हुआ पता नहीं। फरार्टेदार अंग्रेजी में जोर-जोर से बड़बड़ाने और चिल्लाने लगीं- 'हाव डेर यू टु आस्क मी इन हिंडी', ''आई विल कंप्लेन अगेस्ट यू।'' 'आई विल फायर यू फ्रॉम जॉब', 'यू सेंसलेस पिपुल।' अब मैं ठहरा अंग्रेजी में गुड़गोबर। मुझे न मैडम की बात समझ में आ रही थी और न ही मामला। मैं अपने बाल नोंचने लगा। मुझसे रहा नहीं गया। मैं पास में खड़े सेक्युरिटी वाले से पूछ बैठा - 'भाई साहब! यह मैडम इतना क्यों चिल्ला रही हैं? वैसे हुआ क्या है?' सेक्युरिटी गार्ड ने मुझसे कहा - 'वह हुआ यूँ कि सीआईएसएफ कांस्टेबल ने मैडम से हिंदी में कुछ पूछ लिया। मैडम ने कहा- 'आई डोन्ट नो हिंडी। प्लीज आस्क मी इन इंग्लिश।' इस पर कांस्टेबल ने पूछा- 'क्या आप भारतीय हैं?' इतना सुनना था कि मैडम का गुस्सा सातवें आसमान पर। मैडम को लगा कि उनकी भारतीयता को अपमानित किया गया है। इसीलिए मैडम इतनी गुस्से में बड़बड़ा रही हैं।' इस पर मैंने कहा - 'अरे साहब! क्या जमाना आ गया देखिये। इत्ती-इत्ती बातों के लिए ऐसे भला कौन करता है। देखने वाले को भी कितना खराब लगता होगा। उस कांस्टेबल ने हिंदी में क्या पूछ लिया मैडम ऐसी भड़की जैसे कोई बड़ा अपराध हो गया। अब आप ही बताइये साहब! हिंदी किधर नहीं है? एयरपोर्ट पर हर चीज पहले हिंदी में लिखा में होता है उसके बाद अंग्रेजी में। उतना क्यों साहब! देश के रुपए-पैसों पर पहले हिंदी में लिखा रहता और बाद में इंग्लिश। इसका मतलब यह तो नहीं कि जिन लोगों को हिंदी पसंद नहीं हैं वे लोग रुपए उठाकर थोड़े न फेंक देते हैं? दो लब्ज हिंदी में बोल देने से जमीन-जायदाद थोड़े न कम हो जायेगी! वैसे भी हिंदुस्तान में ऐसा कौन होगा जिसे हिंदी नहीं आती होगी। थोड़ी-बहुत हिंदी तो सभी को आती है। अब मुझे ही ले लीजिये साहब, मैं जिस जबान में बात कर रहा हूँ उसमें उर्दू के शब्दों का इस्तेमाल ज्यादा हैं। लेकिन मुझे यकीन है कि हिंदी सुनने-समझने-बोलने वालों को थोड़ी भी तकलीफ नहीं होती होगी।' इस पर सेक्युरिटी गार्ड ने कहा -'भाषा का झगड़ा जितना हमारे देश की राजनीति में है, उतना लोगों में नहीं है। भाषा के नाम पर लड़ाकर लोगों को भड़काना, जैसे अभी-अभी मैडम भड़क गयी थीं, ठीक उसी तरह उनकी संवेदनाओं से खेलकर वोट बटोरने का प्रयास करना, हमारी गंदी राजनीति का हिस्सा है। मैंने आज तक अपने जीवन में किसी को हिन्दी का विरोध करते हुए नहीं देखा। वे तो टूटी फूटी ही सही, आपसे अंग्रेजी की जगह हिंदी में बात करते हुए मिलेंगे। हाँ कुछ लोग होते हैं जो एयरपोर्ट जैसी खास जगहों पर सबका ध्यान अपनी ओर खींचने के लिए भाषा के नाम पर कुछ न कुछ तमाशा खड़ा कर देते हैं। साफ-सुथरी राजनीति जहाँ एक भाषा को फलने-फूलने का अवसर देती है, वही गंदी राजनीति उस भाषा को जमीन में दफन भी कर देती है।' मेरी और सेक्युरिटी गार्ड की बातचीत खत्म हुई थी कि नहीं तभी अंग्रेजी मैडम फोन पर किसी से बात करती हुई दिखायी दी। ध्यान से सुनने पर पता चला कि फोन के दूसरे सिरे पर उनका नौकर है। मैडम तो पहले अंग्रेजी में बात कर रही थीं। लेकिन दो मिनट बाद डाँटते-फटकारते हुए कहने लगीं- देखो मैं दो-तीन दिन में लौट आऊँगी। तुम बेकार के बहाने बनाकर काम से छुट्टी मत लेना। अगर तुमने छुट्टी ली तो मैं तुम्हारी पगार काट लूँगी।' यह माजरा देख मैं और सेक्युरिटी गार्ड हक्के-बक्के से अवाक रह गये।

■ डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
मो. नं. 73 8657 8657

फिर वही जुड़ाव तलाशती पदयात्रा

पिसुदूर दक्षिणी छोर कन्याकुमारी से कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' शुरू हो गई है। राहुल गांधी इस यात्रा से अगले 150 दिनों में करीब 3,500 किलोमीटर की दूरी नापेंगे। इसके जरिये महंगाई, बेरोजगारी, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण जैसे मुद्दों पर केंद्र सरकार व भारतीय जनता पार्टी को घेरा तो जायेगा ही, कांग्रेस पार्टी के संगठन में प्राण फूंकने के प्रयास भी किये जायेंगे। सवाल है कि क्या यह यात्रा पार्टी को नई संजीवनी दे सकेगी? दरअसल, भारत में राजनीतिक यात्राएं लंबे समय से होती रही हैं। मगर सूचना क्रांति के बाद इनका उद्देश्य बहुत कुछ बदल चुका है। महात्मा गांधी, एनटी रामाराव, लालकृष्ण आडवाणी, सुनील दत्त, राजीव गांधी, चंद्रशेखर जैसी तमाम शख्सीयतों ने राजनीतिक यात्राएं कीं, क्योंकि उन्हें लोगों तक अपनी बात पहुंचानी थी। उस वक्त सूचना तंत्र इतना ज्यादा सक्रिय नहीं था और लोगों पर भी कई तरह की बंदिशें आयद थीं। मगर आज कोई भी सूचना तत्काल पूरे देश में फैल जाती है, और लोग उसके आधार पर अपनी राय बनाने लगते हैं। इसमें राजनीतिक दुष्प्रचार भी खूब किया जाता है। लिहाजा अब यात्राएं काफी सोच-समझकर निकाली जाने लगी हैं। अगर यात्रा अध्यात्म के प्रचार-प्रसार, चिंतन या कुछ सीखने की मंशा के साथ शुरू की गई हो, तो वह अमूमन सफल होती है। मगर राजनीतिक यात्राओं के साथ दिक्कत यह है कि उनको चुनावी जीत-हार के पैमाने पर तौला जाता है। कांग्रेस की इस यात्रा का भी यही मापदंड है। अगले तीन-चार महीनों में गुजरात और हिमाचल जैसे महत्वपूर्ण राज्यों में चुनाव होने हैं। 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 182 सीटों में 77 सीटें इसलिए मिल सकी थीं, क्योंकि राहुल गांधी व अशोक गहलोत की टीम ने काफी मेहनत की थी। मगर इस बार राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा को ज्यादा वक्त देने का फैसला किया है। वह आगामी विधानसभा चुनावों के लिए उतनी उत्सुकता नहीं दिखा रहे हैं। इस कारण यह भी पूछा जा रहा है कि कहीं सियासी पिच पर विफल रहने के आरोपों से वह दुखी तो नहीं हैं या आत्मविश्वास तो नहीं हार रहे हैं? हालांकि, यह यात्रा राहुल गांधी के लिए आसान नहीं होने वाली। उनको कई मोर्चों पर जूझना पड़ सकता है। मसलन, साल 2011 के बाद से ही उनका मजाक उड़ाने के लिए एक पूरा तंत्र तैयार किया गया है, ताकि वह एक संजीदा राजनेता के रूप में स्थापित न हो सकें। उनकी जुबान क्या फिसलती है, उनको फौरन ट्रोल किया जाने लगता है। ऐसी 'ट्रोल आर्मी' इस यात्रा में भी सक्रिय है। इसके अलावा, राजनीतिक विरोधी भी राहुल को लगातार निशाने पर लेते रहेंगे। मीडिया के एक हिस्से से भी उनको टकराना होगा, क्योंकि वह लगातार उनकी आलोचना करता रहा है। लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि राहुल गांधी थककर हार मान लेंगे। वह एक कर्मठ नेता हैं और मजबूत भी। वह इस अभियान को लेकर काफी गंभीर भी दिख रहे हैं। वह पूरी यात्रा में मौजूद रह सकते हैं, ताकि कांग्रेस के विचारों को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचा सकें। हां, बीच में वह गुजरात और हिमाचल के चुनाव प्रचार के लिए भी जा सकते हैं और पार्टी अध्यक्ष की चुनाव-प्रक्रिया में भी शामिल हो सकते हैं। इस यात्रा में अन्य विपक्षी दलों को साथ न लेना भी कांग्रेस की एक बड़ी रणनीति है। इसमें योगेंद्र यादव, अरुणा रॉय जैसे सिविल सोसाइटी के लोग जोड़े गये हैं।

■ रशीद किदवई

धर्म दर्शन

श्री मद्देवी भागवतमाहात्म्यम्

अथ प्रथमोऽध्यायः

जब यह सारा संसार ही दैवके अधीन है, तब विजयके सम्बन्धमें मुझे क्या चिन्ता हो सकती है? जैसे हमलोग दैवके अधीन हैं, वैसे ही ब्रह्मा आदि देवता भी सदा देवके अधीन रहते हैं। ब्रह्मा, विष्णु, महेश, यम, अग्नि, वरूण, सूर्य, चन्द्र और इन्द्र-ये सब देवता सदा देवके अधीन है। हे मूर्खो! तब मुझे किस बातकी चिन्ता? जो होना होगा, वह तो होकर रहेगा। जैसी भवितव्यता होती है, उसी प्रकार उद्यम भी आरम्भ हो जाता है। सब प्रकारसे ऐसा विचार करे विद्वान् लोग कभी शोक नहीं करते। ज्ञानी लोग मृत्युके भयसे अपने धर्मका त्याग नहीं करते।।27-30।।

समय आनेपर दैवकी प्रेरणासे मनुष्योंको सुख, दुःख, आयु, जीवन तथा मरण-ये सब निश्चितरूपसे प्राप्त होते हैं, अपना-अपना समय पूरा हो जानेपर ब्रह्मा, विष्णु और महेश भी नष्ट हो जाते हैं। इन्द्रसहित सभी देवता भी अपनी आयुके अन्तमें विनाशको प्राप्त होते हैं। उसी प्रकार मैं भी सर्वथा कालका वशवर्ती हूं। अतः अब मुझे विनाश अथवा विजय जो भी प्राप्त होगी, उसे मैं अपने धर्मका सम्यक् पालन करते हुए स्वीकार करूंगा।।31-33।।

जब इस स्त्रीने मुझे युद्धके लिये ललकारहै, तब [उसके भयसे] भागकर मैं सगड़ो वर्ष जीवित रहनेकी आशा क्यों करूं? मैं आज ही उसके साथ युद्ध करूगा, फिर जो होना है वह होवे! युद्धमें विजय अथवा मृत्यु जो भी प्रदान प्राप्त होगी, उसे मैं स्वीकार करूंगा।।34-35।।

'दैव मिथ्या है'- ऐसा उद्यमवादी विद्वान् कहते हैं। इस प्रकार जो शास्त्रको जानते है, उन उद्यमवादी विद्वानोंकी बात युक्तिमुक्त भी है।।36।।

बिना उद्यम किये मनोरथ कभी सिद्ध नहीं होते। केवल कायरलोग ही कहते हैं कि जो होना होगा, वह तो होकर होगा। अदृष्ट-प्रारब्ध बलवान् होता है-ऐसी मूर्ख कहते हैं न कि पण्डितजन। प्रारब्धकी सत्ता है-इसमें क्या प्रणाम हो सकता है? क्योंकि जो स्वयं अदृष्ट है वह भला कैसे दिखायी पड़ सकता है?।।37-38।।

अदृष्टको कभी किसीने देखा भी है क्या? यह तो मूर्खोंके लिये विभीषिकामात्र है। इसका कोई आधार नही; केवल कष्टकी स्थितिमें मनको ढ़ांढस देनेके लिये वह सहारामात्र अवश्य बन जाता है।।39।।

आटा पीसनेवाली कोई स्त्री चक्कीके पास चुपचाप बैठी रहे , तो बिना उद्यम किये किसी प्रकार भी आटा तैयार नहीं हो सकता।।40।।

उद्यम करनेपर ही हर प्रकारसे कार्य सिद्ध होता है। जब कभी उद्यम करनेमें कमी रह जाती है, तब कार्य किसी तरह सिद्ध नहीं हो पाता है।।41।।

- क्रमशः

संपादक के नाम पाठकों की पाती

आवारा कुत्तों से परेशानी

शहर में आवारा पशुओं की संख्या काफी बढ़ गई है। अभी शहर के कई जगहों पर आवारा कुत्तो के झुंड घुमते दिखाई देते हैं। रात में दफ्तर से लौट रहे व्यक्तियों पर अचानक से हमला भी कर दिया करते है। जिससे वे रेबीज के शिकार हो रहें हैं। वहीं कई चौक -चौराहों पर गाय व साढ़ भी दिखाई देते हैं। इन पशुओं के आपस में लड़ने के कारण राहगीरों को चोट लगने का खतरा रहता है। रात के समय कई मवेशी राह पर ही आराम से बैठे रहते हैं,जिसके कारण वाहन चालकों को काफी असुविधा होती है। कई बार तो ऐसा होता है कि अगर गाय काली या लाल रंग की ही तो सड़क पर दिखाई नहीं देती है,जिसके कारण दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। वहीं देखा जाये तो गाय का मालिक कोई न कोई जरूर होता है,लेकिन कुत्तों का कोई मालिक नहीं होता है। ऐसे में गाय पालकों से अपील है कि अपनी गाय को यूं ही आवरा नहीं भटकने दें और उसे अपने घर में बांध कर रखें। वहीं कुत्ते अधिकतांशतः आवारा ही होते हैं,कई लोग तो इन कुत्तो के चलते अपनी राह भी बदल देते हैं। मैं आपके लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र राष्ट्रीय नवीन मेल के माध्यम से नगर निगम के अधिकारियों से अनुरोध करता हूं कि शहर को मवेशियों के कारण होने वाली परेशानियों से निजात दिलायी जाये।

■ निलय कुमार मेदिनीनगर।

स्थायी संसदीय समितियों का बढ़ाना चाहिये कामकाज

संसदीय परंपराओं के पक्षधरों को यह देखकर प्रसन्नता हुई है कि हाल ही में संपन्न मानसून सत्र में विद्युत (संशोधन) विधेयक, 2022 व प्रतिस्पर्द्धा (संशोधन) विधेयक, 2022 को विस्तृत जांच और रिपोर्ट के लिए संसद की स्थायी समिति को भेजा गया है। यह इस तथ्य के आलोक में और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है कि संसद के पास इस सत्र में सीमित विधायी समय था और केवल पांच विधेयक पारित हो सके और तब भी सरकार ने कोई जल्दबाजी नहीं दिखाई। ऐसा तब हुआ है, जब विपक्ष द्वारा लगातार इस बात की आलोचना की जा रही थी कि वह पिछले कुछ सत्रों से विभिन्न विधानों को बिना विस्तृत विचार-विमर्श के और उन्हें बिना स्थायी समिति को संदर्भित किये पारित करा रही है। सरकार की चिंता यह रहती है कि संसद में व्यवधानों के चलते इतना समय नष्ट हो जाता है कि विधायी प्रक्रिया विलंबित हो जाती है और ऐसे में विधेयकों को स्थायी समितियों को सौंपने से इस कार्य में अधिक विलंब हो सकता है। मानसून सत्र की कार्यवाही इस तथ्य की साक्षी है, जिसमें लोकसभा की उत्पादकता 47 प्रतिशत और राज्यसभा की केवल 42 प्रतिशत रही। गौरतलब है, संसद में विभागों से संबंधित 24 संसदीय स्थायी समितियां गठित हैं, जिनमें लोकसभा और राज्यसभा, दोनों के सदस्य 2 : 1 के अनुपात में रखे जाते हैं और यह लोकसभा अध्यक्ष व राज्य सभा के सभापति द्वारा संयुक्त रूप से गठित की जाती है। सवाल है कि क्या ये समितियां अपने निर्दिष्ट उद्देश्यों को प्राप्त करने में सक्षम हैं? और यदि नहीं या मात्र अपर्याप्त रूप से सफल रही हैं, तो उनकी कारगरता और उनकी प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए क्या कार्रवाई की जा सकती है? 14वीं, 15वीं और 16वीं लोकसभा के कार्यकाल के दौरान सदन में प्रस्तुत विधेयकों को संबंधित स्थायी समितियों को भेजे जाने का यदि हम प्रतिशत देखें, तो यह क्रमशः 60 प्रतिशत, 71 प्रतिशत व 27 प्रतिशत रहा है। 16वीं लोकसभा के दौरान इस प्रतिशत में गिरावट ज्यादातर दूसरी छमाही के दौरान देखी गई, जब सरकार 2019 के चुनाव के परिप्रेक्ष्य में अपने बड़े सुधारों और बड़ी योजनाओं को आगे बढ़ाने की जल्दी में थी और विपक्ष चुनावी प्रतिस्पर्द्धा के कारण इसे रोकने को समान रूप से अडिग था। भले ही सरकार के लिए प्रत्येक विधेयक समिति के पास भेजना अनिवार्य नहीं है, पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव यह रहा है कि विधेयकों को संसदीय समितियों को संदर्भित करना तथा वहां होने वाले विचार-विमर्श का कानून को अंतिम रूप देने के लिए उपयोग करना लाभकारी रहा है। यह समझ लेना चाहिए कि संसदीय समितियों द्वारा विधेयकों की जांच विपक्ष की तुलना में सरकार के लिए अधिक लाभकारी है। इसका सीधा सा कारण यह है कि संसदीय समितियों व संसद में चर्चा का माहौल बिल्कुल अलग होता है। समितियों की बैठकें गोपनीय होती हैं और वहां प्रेस का या सामान्य जनता का प्रवेश निषिद्ध होता है। इस कारण ये बैठकें तुलनात्मक रूप से ज्यादा समझदारी के माहौल में होती हैं और सदस्य अपने दल की घोषित स्थिति के बावजूद आम सहमति बनाने का प्रयास करते हैं। बहरहाल, विधेयकों पर और बेहतर विचार के लिए संसद में निर्धारित प्रक्रियाओं में निम्न बदलाव किये जा सकते हैं। लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति के पास विधेयकों को संसद की स्थायी समिति को भेजने का अधिकार है। अक्सर विभिन्न कारणों से इस प्रावधान का उपयोग नहीं किया जाता है। इस दृष्टि से समितियों को स्वचलित प्रक्रिया के रूप में अनिवार्य बनाना उपयोगी होगा, ताकि कोई भी विधेयक पेश होते ही समिति के पास चला जायेगा। संसदीय स्थायी समिति में सभी चर्चाएं स्वतंत्र होंगी, इसके लिए यह प्रावधान किया जा सकता है कि इन बैठकों की चर्चा में पार्टी का कोई व्हिप लागू नहीं होगा। समितियों को अपनी सिफारिशें पेश करने के लिए एक निश्चित समय-सीमा दी जा सकती है। समितियों में संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जा सकता है, इससे सांसदों को विचार करने में सुविधा होगी। ऐसी समितियों को मंत्रालयों को नई पहल करने और जनहित के उपाय करने के सुझाव भी देने चाहिए।**(ये लेखक के अपने विचार हैं)**

■ देश दीपक वर्मा

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पब्लिकेशन डिवीजन रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, स्थानीय संपादक : ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, Ph. 0651-2283384/Fax 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25-LF, तानसेन मार्ग, नयी दिल्ली-1, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लातेहार कार्यालय : रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार-829206, फोन : 9128656020, 7763034341, लोहरदगा कार्यालय : रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल में, आशा कॉम्प्लेक्स लोहरदगा-फोन : 7903891779, 8271983099, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)।

शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा हाथी पर आयेंगी

यूं तो मां दुर्गा का वाहन सिंह को माना जाता है। लेकिन हर साल नवरात्रि के समय तिथि के अनुसार माता अलग-अलग वाहनों पर सवार होकर धरती पर आती हैं। यानी माता सिंह की बजाय दूसरी सवारी पर सवार होकर भी पृथ्वी पर आती हैं। एक वर्ष में दो बार छह माह की अवधि के अंतराल पर नवरात्रि आती हैं। मां दुर्गा को समर्पित यह पर्व हिंदू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। प्रत्येक वर्ष आश्विन मास में शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि से शारदीय नवरात्रि का आरंभ होता है और पूरे नौ दिनों तक मां आदिशक्ति जगदम्बा का पूजन किया जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर- जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि इस वर्ष शारदीय नवरात्रि का आरंभ सोमवार 26 सितंबर से हो रहा है। देवी भागवत पुराण में बताया गया है कि महालया के दिन जब पितृगण धरती से लौटते हैं तब मां दुर्गा अपने परिवार और गणों के साथ पृथ्वी पर आती हैं। जिस दिन नवरात्र का आरंभ होता है उस दिन के हिसाब से माता हर बार अलग-अलग वाहनों से आती हैं। माता का अलग-अलग वाहनों से आना भविष्य के लिए संकेत भी होता है जिससे पता चलता है कि आने वाला साल कैसा रहेगा। इस साल माता का वाहन हाथी होगा क्योंकि नवरात्रि का आरंभ सोमवार से हो रहा है। इस विषय में देवी भागवत पुराण में इस प्रकार लिखा गया है कि रविवार और सोमवार को नवरात्रि आरंभ होने पर माता हाथी पर चढकर आती हैं जिससे खूब अच्छी वर्षा होती है। ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि माता हाथी पर सवार होकर धरती पर आ रही हैं। हाथी पर माता का आगमन इस बात की ओर संकेत कर रहा है कि इस साल खूब अच्छी वर्षा होगी और खेती अच्छी होगी। देश में अन्न धन का भंडार बढ़ेगा। नवरात्र का समापन बुधवार 5 अक्टूबर को हो रहा है। इसे यात्रा तिथि भी कहते हैं क्योंकि इस दिन माता धरती से अपने लोक को लौट जाती हैं। इसलिए इस दिन कहीं यात्रा करने के लिए पंचांग और मुहूर्त देखने की जरूरत नहीं होती है। इस दिन किसी भी दिशा में यात्रा कर सकते हैं। 5 अक्टूबर बुधवार को दशहरा और नवरात्रि समाप्त होने से इस साल माता हाथी से जाएंगी। ऐसे में माता का आना और जाना दोनों ही अच्छी वर्षा का सूचक है। इस विषय में देवी भागवत पुराण में इस प्रकार से लिखा गया है। ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार इन नौ दिनों तक माता‌रानी पृथ्वी पर आती हैं और अपने भक्तों की मनोकामनाओं को पूर्ण करती हैं और उनके दुखों को हर लेती हैं। नवरात्रि के दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी चंद्रघंटा कूष्मांडा स्कंदमाता कात्यायनी कालरात्रि महागौरी और सिद्धिदात्री माता की पूजा अर्चना की जाती है। इस साल शारदीय नवरात्रि का पर्व सोमवार 26 सितंबर से शुरू हो रहा है और 5 अक्टूबर को माता के विसर्जन के साथ ही यह पर्व समाप्त हो जाएगा। नवरात्र के नौ दिन मां दुर्गा के नौ अलग-अलग रुपों की पूजा की जाती है।

देवी मां दुर्गा के वाहन : यूं तो मां दुर्गा का वाहन सिंह को माना जाता है। लेकिन हर साल नवरात्रि के समय तिथि के अनुसार माता अलग-अलग वाहनों पर सवार होकर धरती पर आती हैं। यानी माता सिंह की बजाय दूसरी सवारी पर सवार होकर भी पृथ्वी पर आती हैं। माता दुर्गा आती भी वाहन से हैं और जाती भी वाहन से हैं। विश्वविख्यात भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि देवीभाग्वत पुराण में जिक्र किया गया है कि शशि सूर्य गजरुढा शनिभौमै तुरंगमे। गुरौशुक्रेच दोलायां बुधे नौकाप्रकीर्तिता॥ इस श्लोक में सप्ताह के सातों दिनों के अनुसार देवी के आगमन का अलग-अलग वाहन बताया गया है। अगर नवरात्रि का आरंभ सोमवार या रविवार को हो तो इसका मतलब है कि माता हाथी पर आएंगी। शनिवार और मंगलवार को माता अश्व यानी घोड़े पर सवार होकर आती हैं। गुरुवार या शुक्रवार को नवरात्रि का आरंभ हो रहा हो तब माता डोली पर आती हैं। बुधवार के दिन नवरात्रि पूजा आरंभ होने पर माता नाव पर आरुढ़ होकर आती हैं। नवरात्रि का विशेष नक्षत्रों और योगों के साथ आना मनुष्य जीवन पर खास प्रभाव डालता है। ठीक इसी प्रकार कलश स्थापन के दिन देवी किस वाहन पर विराजित होकर पृथ्वी लोक की तरफ आ रही हैं इसका भी मानव जीवन पर विशेष असर होता है।

हाथी पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा : कुण्डली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि नवरात्रि के पहले दिन के आधार पर मां दुर्गा की सवारी के बारे में पता चलता है। नवरात्रि में माता की सवारी का विशेष महत्व होता है। माता हाथी पर सवार होकर धरती पर आ रही हैं। हाथी पर माता का आगमन इस बात की ओर संकेत कर रहा है कि इस साल खूब अच्छी वर्षा होगी और खेती अच्छी होगी। देश में अन्न धन का भंडार बढ़ेगा।

हाथी पर ही सवार होकर करेंगी प्रस्थान : भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि इस बार शारदीय नवरात्रि 26 सितंबर से शुरू हो रही है और इसका समापन बुधवार 05 अक्टूबर को होगा। बुधवार और शुक्रवार को माता रानी के प्रस्थान की सवारी हाथी ही होती है। नवरात्र का समापन बुधवार 5 अक्टूबर को हो रहा है। इसे यात्रा तिथि भी कहते हैं क्योंकि इस दिन माता धरती से अपने लोक को लौट जाती हैं। इसलिए इस दिन कहीं यात्रा करने के लिए पंचांग और मुहूर्त देखने की जरूरत नहीं होती है। इस दिन किसी भी दिशा में यात्रा कर सकते हैं। 5 अक्टूबर बुधवार को दशहरा और नवरात्रि समाप्त होने से इस साल माता हाथी से जाएंगी। ऐसे में माता का आना और जाना दोनों ही अच्छी वर्षा का सूचक है। इस विषय में देवी भागवत पुराण में इस प्रकार से लिखा गया है।

शशि सूर्य दिने यदि सा विजया महिषागमने रुज शोककरा। शनि भौमदिने यदि सा विजया चरणायुध यानि करी विकला।। बुधशुक्र दिने यदि सा विजया गजवाहन गा शुभ वृष्टिकरा। सुरराजगुरौ यदि सा विजया नरवाहन गा शुभ सौख्य करा॥

यह होगा असर : भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार, नवरात्रि में जब मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आती हैं तो ये बेहद शुभ माना जाता है। हाथी पर सवार होकर मां दुर्गा अपने साथ ढेर सारी खुशियां और सुख-समृद्धि लेकर आती हैं। मां का वाहन हाथी ज्ञान व समृद्धि का प्रतीक है। इससे देश में आर्थिक समृद्धि आयेगी। साथ ही ज्ञान की वृद्धि होगी। हाथी को शुभ का प्रतीक माना गया है। ऐसे में आने वाला यह साल बहुत ही शुभ कार्य होगा। लोगों के बिगड़े काम बनेंगे। माता रानी की पूजा अर्चना करने वाले भक्तों पर विशेष कृपा बरसेगी।

घट स्थापना : प्रतिपदा का प्रारंभ 26 सितंबर को सुबह 3:24 मिनट को होगा। प्रतिपदा तिथि 27 सितंबर की सुबह 03:08 मिनट तक रहेगी।

घटस्थापना का मुहूर्त 26 सितंबर की सुबह 06:20 मिनट से 10:19 मिनट तक रहेगा।

अभिजीत मुहूर्त : 26 सितंबर सुबह 11:54 मिनट से दोपहर 12:42 मिनट तक।

शारदीय नवरात्रि महत्व : भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि धर्म ग्रंथों के अनुसार, नवरात्रि मां भगवती दुर्गा की आराधना करने का श्रेष्ठ समय होता है। इन नौ दिनों के दौरान मां के नौ स्वरूपों की आराधना की जाती है। नवरात्रि का हर दिन मां के विशिष्ट स्वरूप को समर्पित होता है, और हर स्वरूप की अलग महिमा होती है। आदिशक्ति जगदम्बा के हर स्वरूप से अलग-अलग मनोरथ पूर्ण होते हैं। यह पर्व नारी शक्ति की आराधना का पर्व है।

❖ डा. अनीष व्यास

शारदीय नवरात्रि

26 सितंबर 2022 : प्रतिपदा घटस्थापना मां शैलपुत्री पूजा
27 सितंबर 2022 : द्वितीया माँ ब्रह्मचारिणी पूजा
28 सितंबर 2022 : तृतीय माँ चंद्रघंटा पूजा,
29 सितंबर 2022 : चतुर्थी माँ कुष्मांडा पूजा
30 सितंबर 2022 : पंचमी माँ स्कंदमाता पूजा
1 अक्टूबर 2022 : षष्ठी माँ कात्यायनी पूजा
2 अक्टूबर 2022 : सप्तमी माँ कालरात्रि पूजा
3 अक्टूबर 2022 : अष्टमी माँ महागौरी दुर्गा पूजा
4 अक्टूबर 2022 : महानवमी माँ सिद्धिदात्री पूजा
5 अक्टूबर 2022 : मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन, विजयदशमी दशहरा

इलायची का दूध पीने से होने वाले फायदे व नुकसान

इलायची के दूध से आपको कुछ नुकसान भी हो सकते हैं। हालांकि इलायची दूध के संभावित दुष्प्रभाव या नुकसान के बारे में पता नहीं है, लेकिन पित्त की पथरी से पीड़ित लोगों को इलाइची का दूध नहीं पीने की सलाह दी जाती है। यह उनके लिए समस्या का कारण बन सकता है। दूध को बेहतर स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक माना जाता है। इसकी महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शिशु के जन्म के बाद से ही उसे दूध दिया जाता है। इतना ही नहीं, बच्चों से लेकर बड़ों तक हर किसी को इसका सेवन करने की सलाह दी जाती है। यह आपकी हड्डियों को मजबूत करने के साथ-साथ अन्य भी कई लाभ आपको पहुंचाता है। हालांकि, ऐसे बहुत से लोग है, जिन्हें प्लेन दूध पीना पसंद नहीं आता और इसलिए वह उसके स्वाद को और भी अधिक बढ़ाने व उसके अधिक हेल्दी बनाने के लिए उसमें कई तरह के फलेवर को शामिल करते हैं जैसे अदरक, केसर, हल्दी या इलायची आदि। वैसे इन सभी में इलायची के दूध का स्वाद लाजवाब होता है। लेकिन क्या आपको पता है कि इलायची का दूध पीने से आपको कुछ लाभ तो कुछ नुकसान भी होते हैं।

डायटीशियन बताते हैं कि इलायची का दूध स्वाद में तो बेमिसाल होता है, वहीं इससे कुछ बेहतरीन लाभ भी मिलते हैं। इलायची में पोटेशियम, कैल्शियम, राइबोफ्लेविन, नियासिन, विटामिन-सी और मैग्नीशियम आदि प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इलायची के यह सभी गुण स्वास्थ्य और पाचन तंत्र के लिए बेहद फायदेमंद है। इलायची का उपयोग एंटीसेप्टिक, पाचक, कफ निस्सारक, उत्तेजक, पेट के लिए, ऐंठन-रोधी और मूत्रवर्धक, वायुनाशक और टॉनिक के रूप में भी किया जाता है। इलाइची प्रकृति में कार्मिनेटिव है और पाचन को तेज करने में मदद करती है, और पेट की परत की सूजन को कम करती है, हार्ट बर्न और मतली से लड़ती है। इसके जीवाणुरोधी गुण, मजबूत स्वाद और सुखद गंध, सांसों की बदबू की समस्या से राहत दिलाती है, जो कि अनुचित पाचन का संकेत है, यह भी इसके द्वारा ठीक भी होता है।

इसके नुकसान : इलायची के दूध से आपको कुछ नुकसान भी हो सकते हैं। हालांकि इलायची दूध के संभावित दुष्प्रभाव या नुकसान के बारे में पता नहीं है, लेकिन पित्त की पथरी से पीड़ित लोगों को इलाइची का दूध नहीं पीने की सलाह दी जाती है। यह उनके लिए समस्या का कारण बन सकता है। वहीं अगर आप इलायची के दूध का सेवन कर रहे हैं तो अधिक मात्रा में इसका उपयोग ना करें। अन्यथा आपको पाचन से लेकर एलर्जी आदि कई समस्याएं भी हो सकती हैं।

❖ मिताली जैन

भारत के इन प्राचीन गणेश मंदिरों की अलग है महिमा

जब भारत के प्रसिद्ध गणपति मंदिर की बात होती है तो उसमें मुंबई के श्री सिद्धिविनायक मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। पर्यटकों से लेकर कई प्रसिद्ध हस्तियां इस मंदिर में दर्शन हेतु जाती हैं मंदिर की स्थापना 1801 में हुई थी। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता माना जाता है। प्रथम पूज्य गणेश का सुमिरन करने से भक्तों के सभी संकट दूर हो जाते हैं। गणपति जी शिव और पार्वती के पुत्र हैं और उन्हें सौभाग्य, सफलता, शिक्षा, ज्ञान, ज्ञान और धन का स्वामी और बुराइयों का नाश करने वाला माना जाता है। भारत में कई प्रसिद्ध प्राचीन मंदिर हैं, जो भगवान गणेश को समर्पित हैं और भक्तगण यहां आकर पूरी श्रद्धा-भाव से उनका पूजन करते हैं। इनमें से कुछ बेहद ही प्राचीन हैं और इसलिए इनकी महत्ता और भी अधिक बढ़ जाती है।

श्री सिद्धिविनायक मंदिर, मुंबई : जब भारत के प्रसिद्ध गणपति मंदिर की बात होती है तो उसमें मुंबई के श्री सिद्धिविनायक मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। पर्यटकों से लेकर कई प्रसिद्ध हस्तियां इस मंदिर में दर्शन हेतु जाती हैं मंदिर की स्थापना 1801 में हुई थी। यहां के गणपति को नवसाचा गणपति के नाम से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है कि यदि आप भगवान सिद्धि विनायक के सामने कुछ चाहते हैं तो यह अवश्य पूरा होगा।

दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर, पुणे : यह प्रसिद्ध मंदिर पुणे में स्थित है और यहां पर गणपति जी की मूर्ति 7.5 फीट लंबी और 4 फीट चौड़ी है, जिसे सोने के गहनों से सजाया गया है। इस मंदिर के पीछे की कहानी यह है कि दगदूशेठ गडवे मिठाई बेचते थे और उन्होंने एक महामारी में अपने बेटे को खो दिया, अपने बच्चे को खोने के बाद उन्होंने इस गणेश मंदिर को बनाने का फैसला किया।

मनाकुला विनयगर मंदिर, पुदुचेरी : मनाकुला विनयगर मंदिर एक बेहद ही प्राचीन मंदिर है। इस राजसी इमारत का नाम एक तालाब के नाम पर रखा गया है। ऐसा माना जाता है कि यहां की गणेश प्रतिमा को कई बार समुद्र में फेंका गया था, लेकिन यह हर दिन उसी स्थान पर फिर से प्रकट होती है, जिसके कारण यह स्थान भक्तों के बीच काफी प्रसिद्ध है। आज तक, मूर्ति फ्रेंच कॉलोनी के केंद्र में उसी स्थान पर स्थित है।

मधुर महागणपति मंदिर, केरल : 10वीं सदी का यह मंदिर केरल के कासरगोड में मधुवाहिनी नदी के तट पर स्थित है। इस खूबसूरत मंदिर को कुंबला के मायपदी राजाओं द्वारा बनाया गया था। ऐसा माना जाता है कि मंदिर में भगवान गणेश की एक मूर्ति है, जो पत्थर या मिट्टी से नहीं बल्कि एक अलग सामग्री से बनी है। इस मंदिर के पीठासीन देवता भगवान शिव हैं, हालांकि, भगवान गणेश की मूर्ति की विशिष्टता इस मंदिर को पर्यटकों के बीच लोकप्रिय बनाती है। मंदिर में एक तालाब है, जिसके बारे में माना जाता है कि यह स्किन की बीमारी या अन्य दुर्लभ बीमारी से किसी को भी ठीक कर सकते हैं।

सेहत का रखना है ख्याल तो अर्जुन फल का करें इस्तेमाल

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें। अर्जुन के वृक्ष को भारत में व्यापक रूप से उगाया जाता है। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद ही गुणकारी माना गया है। दरअसल, इसमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल जैसे विभिन्न औषधीय गुण होते हैं। अर्जुन हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। यह हृदय की मांसपेशियों को मजबूत और टोन करता है और हृदय के समुचित कार्य में मदद करता है। इतना ही नहीं, यह उच्च रक्तचाप से लेकर दस्त, अस्थमा और खांसी आदि कई तरह की समस्याओं को दूर करने में सहायक है।

सांसों की दुर्गंध से मिलता है छुटकारा : ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें। इस फल में ऐसे होते हैं जो आपके मसूड़ों की समस्याओं और दांतों से खून बहने में भी मदद कर सकते हैं और आपको ताजा सांसें प्रदान करते हैं।

हड्डियों का रखते हैं ख्याल : अगर आप किसी किसी भी प्रकार की हड्डी की समस्या से पीड़ित हैं, तो आपको अपने आहार में अर्जुन फल को अवश्य शामिल करना चाहिए। आप इसका जूस बनाकर पी सकते हैं या इसे कच्चा खा सकते हैं। यह आपको ऑस्टियोपोरोसिस और गठिया जैसी हड्डियों की परेशानी में भी मदद कर सकता है।

ओरल हेल्थ की समस्याओं को करें दूर : अर्जुन फल खाने से वास्तव में आपकी मसूड़ों की समस्याओं को कम करने और दांतों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिल सकती है। यह दांतों से खून बहने से लेकर दांत दर्द, मसूड़ों में दर्द या मसूड़ों से खून बहना आदि समस्याओं के उपचार में प्रभावी है। आप इस फल को जूस या कच्चा खा सकते हैं। इसके अलावा, अर्जुन के फल के पाउडर का सेवन भी कर सकते हैं और इसे पेस्ट के रूप में उस जगह पर लगा सकते हैं जहां आपको मसूड़े या दांतों की समस्या हो रही है। हालांकि, यह उपाय अपनाने से पहले एक बार डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

आपके दिल के लिए खतरनाक हो सकती है शराब

नियमित रूप से बहुत अधिक शराब पीने से उच्च रक्तचाप की समस्या हो जाती है। समय के साथ, उच्च रक्तचाप हृदय की मांसपेशियों पर दबाव डालता है और इससे हृदय रोग (सीवीडी) हो सकता है, जिससे आपके दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। जिन लोगों को अल्कोहल का सेवन करना अच्छा लगता है, वह शराब पीने का कोई ना कोई बहाना ढूंढ ही लेते हैं। चाहे खुशी हो या गम, वह अल्कोहल का सेवन अवश्य करते हैं। लेकिन शराब का अत्यधिक सेवन सेहत को नुकसान पहुंचाता है और आपके हद्य पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ता है। बहुत अधिक शराब रक्तचाप और वजन बढ़ा सकती है, जिससे दिल का दौरा, स्ट्रोक और टाइप 2 मधुमेह का खतरा बढ़ सकता है।

शराब क्या है? : इसके हानिकारक प्रभावों पर चर्चा करने से पहले इसके बारे में जानना चाहिए। शराब एक डिप्रेसेंट ड्रग है, जिसका अर्थ है कि आपके मस्तिष्क का आपके शरीर पर नियंत्रण धीमा हो रहा है। एक ही बार में बहुत अधिक मात्रा में शराब पीने से आपकी हृदय गति धीमी हो सकती है और सांस खतरनाक रूप से निम्न स्तर पर आ सकती है। यदि आप इसे नियमित रूप से पीते हैं, तो आपको ऐसा लग सकता है कि शराब आपको उतना प्रभावित नहीं करती है। लेकिन आमतौर पर इसका मतलब है कि आपने कुछ प्रभावों के प्रति सहनशीलता विकसित कर ली है।

शराब दिल को कैसे प्रभावित करती है? : नियमित रूप से बहुत अधिक शराब पीने से उच्च रक्तचाप की समस्या हो जाती है। समय के साथ, उच्च रक्तचाप हृदय की मांसपेशियों पर दबाव डालता है और इससे हृदय रोग (सीवीडी) हो सकता है, जिससे आपके दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

एक दिन में कितने पी सकते हैं पैग : यूके के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों द्वारा जनवरी 2016 में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, शराब पीने से होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों को कम रखने के लिए, पुरुषों और महिलाओं दोनों को नियमित रूप से प्रति सप्ताह 14 यूनिट से अधिक नहीं पीना चाहिए। अधिक मात्रा में शराब पीने से अन्य गंभीर स्वास्थ्य स्थितियां हो सकती हैं, जैसे कार्डियोमायोपैथी (जहां हृदय की मांसपेशी क्षतिग्रस्त हो जाती है और उतनी कुशलता से काम नहीं कर सकती जितनी पहले हुआ करती थी) और अतालता (असामान्य हार्ट रिदम)। इनमें से कुछ स्थितियां आपके स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ा सकती हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि : मेष राशि के जातकों को आज कोई मुश्किल काम सौंपा जा सकता है, जिसे पूरा करने के लिए जोश से काम करेंगे परंतु मन मुताबिक सफलता नहीं मिलेगी।

वृष राशि : भवृष राशि के जातकों का कार्यक्षेत्र में दृष्टिकोण संकुचित रहेगा। जोखिम लेने से डरेंगे और सुरक्षात्मक रूप से काम को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

मिथुन राशि : मिथुन राशि के जातकों में अपने काम को पूरा करने का जुनून रहेगा। कामकाज को विस्तार देना चाहेंगे लेकिन यह समय इस विस्तार के लिए उपयुक्त नहीं है।

कर्क राशि : कर्क राशि के जातक के कामकाज में कमियां निकाली जा सकती है और उसकी वजह से आपके विरुद्ध कोई कंप्लेन भी हो सकती है।

सिंह राशि : सिंह राशि के जातक नियम कायदे को ध्यान में रखते हुए काम करना पसंद करेंगे। अज्ञानता का अंधेरा दूर करने के लिए ज्ञान प्राप्ति की जरूरत हुई तो उसे भी प्राप्त करेंगे।

कन्या राशि : कन्या राशि के जातक को कार्यक्षेत्र में फालतू के विवाद से बचना चाहिए। चीजों को खोने का डर बना रहेगा। शांत मन से काम करना लाभदायक रहेगा।

तुला राशि : तुला राशि के जातक साहसिक निर्णय लेते हुए कार्यक्षेत्र को विस्तारित करने में कामयाब रहेंगे। आपके कलात्मक कार्य को बहुत सराहा जाएगा।

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि के जातकों को बातचीत में संयम बनाए रखना है। जल्दबाजी में दी हुई प्रतिक्रिया दूसरों के मन को घायल कर सकती है।

धनु राशि : धनु राशि के जातक कार्यक्षेत्र की परिस्थितियों को डिप्लोमेटिकली हैंडल करने का प्रयास करेंगे। स्वयं पर ध्यान ना देकर दूसरों पर आपका ध्यान ज्यादा रहेगा।

मकर राशि : मकर राशि के जातक आज मानसिक अस्थिरता महसूस करेंगे। किसी भी चीज पर फोकस करना मुश्किल होगा। आध्यात्मिकता की तरफ ध्यान बढ़ेगा और दूसरों के साथ ज्यादा व्यवहार ना करके एकांत में रहना पसंद करेंगे।

कुंभ राशि : कुंभ राशि के जातकों के लिए बहुत अच्छा समय है, वाकचातुर्यता लाभ देगी। दूसरों के प्रति आपका दृष्टिकोण सौहार्दपूर्ण रहेगा। सामाजिक रिश्ते मजबूत बनाने पर जोर देंगे।

मीन राशि : मीन राशि के जातकों के मन में क्रिएटिव आइडिया चलते रहेंगे। पुरातन चीजों में आपका शौक बढ़ेगा और बहुत ज्यादा दूसरों के साथ बातचीत में पड़ने की बजाय एकांत में रहना पसंद करेंगे।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

न्यूज गैलरी

सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो आतंकी मार गिराये

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर के नौगाम थाना क्षेत्र में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में अलकायदा से संबद्ध अंसार गजवात-उल हिंद (एजीयूएच) के दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों की शिनाख्त एजाज रसूल नजर और शाहिद अहमद उर्फ अबू हमजा के रूप में हुई है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर नौगाम थानाक्षेत्र के डांगेरपोरा इलाके में सुरक्षाबलों ने तलाशी एवं घेराबंदी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी जिसके बाद उन्होंने भी जवाबी कार्रवाई की और फिर दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि इस अभियान में दो आतंकवादी मारे गए।

कनाडा : खालिस्तानियों ने मंदिर की दीवार पर लिखे भारत विरोधी नारे

टोरंटो (एजेंसी)। कनाडा के खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा टोरंटो के एक प्रमुख हिंदू मंदिर पर भारत विरोधी नारे लिखने का मामला सामने आया है। भारत ने इस घटना को घृणा अपराध करार देते हुए कनाडाई अधिकारियों से आरोपियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया है। टोरंटो के बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में यह घटना कब हुई, फिलहाल इस बारे में पता नहीं चल पाया है। टोरंटो स्थित भारतीय उच्चायोग ने ट्वीट किया, 'हम टोरंटो के बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर को भारत विरोधी भित्तिचित्रों से विरूपित किए जाने की घटना की कड़ी निंदा करते हैं। कनाडा के अधिकारियों से घटना की जांच करने और आरोपियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।' वहीं, कनाडाई सांसद चंद्र आर्या ने ट्विटर पर कहा, 'कनाडा के खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा टोरंटो के बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर को विरूपित किए जाने की घटना की सभी को निंदा करनी चाहिए। यह सिर्फ एक अकेली घटना नहीं है। कनाडा के हिंदू मंदिरों को हाल के दिनों में इस तरह के कई घृणा अपराधों का सामना करना पड़ा है। इन घटनाओं को लेकर कनाडा के हिंदुओं की चिंताएं जायज हैं।'

पुतिन संग मिलकर दुनिया में एक नयी ताकत खड़ा करना चाहते थे शी जिनपिंग

समरकंद (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग को 200 से ज्यादा दिन हो चुके हैं। इस जंग में रूसी सेना को कई जगहों पर हार का मुंह देखना पड़ा है। इस युद्ध के बीच ही रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन, उज्बेकिस्तान पहुंचे हैं। पुतिन, शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन के सम्मेलन के लिए गए हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी यहां पहुंच चुके हैं। कोविड-19 की वजह से जिनपिंग पूरे दो साल के बाद किसी विदेशी दौरे पर पहुंचे हैं। पुतिन और जिनपिंग दुनिया के शायद ऐसे नेता हैं जिन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय नियमों को मानने से इनकार कर दिया है। साथ ही ये दोनों अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक नए ग्रुप की शुरूआत चाहते हैं। दोनों ही नेता नाटो के विस्तार के विरोध में हैं। मगर यह भी सच है कि यूक्रेन में मिली हार जिनपिंग को परेशान कर रही है।

साझा बयान में कही कई बातें : पुतिन इस साल फरवरी में बीजिंग गए थे और जिनपिंग ने काफी गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। सात महीने बाद दोनों नेता फिर से मिल रहे हैं। यूक्रेन युद्ध से तीन हफ्ते पहले चीन ने शीत ओलंपिक्स की मेजबानी की थी। जब बीजिंग में इनकी मुलाकात हुई तो किसी को भी पता नहीं लग पाया कि किन मुद्दों पर इन्होंने चर्चा की है। जिस समय पश्चिमी देशों ने शीत ओलंपिक्स का बायकॉट किया, पुतिन ने अपनी मौजूदगी से उसे एक नया रंग दे दिया था। माना जाने लगा था कि दोनों नेता विश्व राजनीति में एक नए युग की शुरूआत कर सकते हैं। 5000 शब्दों के एक साझा बयान में दोनों नेताओं ने उस दोस्ती का ऐलान किया जिसकी कोई सीमा नहीं थी। इसके साथ ही दोनों ने अमेरिका और उसके साथियों से जुड़ी आपसी शिकायतों का भी जिक्र किया। जो साझा बयान आया उसमें कहा गया, 'दुनिया एक बड़े बदलाव से गुजर रही है। इसके साथ ही वैश्विक प्रशासन के ढांचे को भी बदलने की जरूरत है। अब जिनपिंग यूक्रेन युद्ध के नतीकों को देखकर परेशान हैं। रूस जीत से कोसो दूर है और इसकी सेनाएं थक चुकी हैं। सेना का मनोबल तो गिर ही गया है साथ ही साथ कई जगहों से सैनिक मोर्चे को छोड़कर भाग रहे हैं। यही बात जिनपिंग को डरा रही है। जिनपिंग के नेतृत्व में रूस के करीब होना यानी चीन का युद्ध के नतीजों में सीधा हिस्सा होना था। अब एक हारा हुआ रूस पश्चिमी देशों की ताकत तो बन सकता है लेकिन चीन के लिए यह किसी काम का नहीं रहेगा।

मोदी, पुतिन, जिनपिंग को साथ ला रहा एससीओ शिखर सम्मेलन

समरकंद (एजेंसी)। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मलेन का आयोजन उज्बेकिस्तान के प्राचीन शहर समरकंद में हो रहा है। इसमें मोदी, पुतिन और जिनपिंग के अलावा पाकिस्तान और ईरान समेत यूरोप और एशिया के कई देशों के नेता हिस्सा लेंगे। मुख्य सम्मलेन शुक्रवार 16 सितम्बर को होगा लेकिन सम्मेलन पर ज्यादा ध्यान यूक्रेन युद्ध के बीच वहां पुतिन की मौजूदगी की वजह से बना रहेगा। सामरिक समीक्षकों में विशेष रूप से पुतिन की जिनपिंग और मोदी से मुलाकात को लेकर दिलचस्पी है। साथ ही लोगों में मोदी और जिनपिंग के बीच बातचीत की संभावना को लेकर भी उत्सुकता हैं।

मोदी की मुलाकातों पर नजर : यूक्रेन युद्ध की शुरुआत से ही भारत रूस के हमले की निंदा नहीं करने और रूस से व्यापारिक रिश्ते और गहरे करने के लिए पश्चिमी देशों की आलोचना का सामना कर रहा है। ऐसे में युद्ध के बाद मोदी और पुतिन की पहली मुलाकात में दोनों नेता क्या बातें करेंगे, यह देखने लायक होगा। पुतिन के लिए यह सम्मलेन यह दिखाने का मौका है कि रूस को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पूरी तरह से अलग-थलग नहीं किया जा सकता है। रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले की वजह से अमेरिका और यूरोप ने रूस पर कई प्रतिबंध लगाये हुए हैं और इस दिशा में उन्हें भारत का भी साथ मिलने की अपेक्षा रही है। भारत ने लगातार युद्ध की निंदा तो की है, लेकिन रूस की नहीं। उल्टा पश्चिमी देशों के बहिष्कार के बीच रूस ने भारत को सस्ते दामों पर कच्चा तेल और अन्य उत्पाद बेचने की पेशकश की तो भारत ने इसे स्वीकार कर लिया। बीते छह महीनों में भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल के कुल भंडार में रूसी तेल की मात्रा में बहुत बढ़ोतरी हुई है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल और गैस के दाम के आसमान पर होने का असर बताया था। जयशंकर ने कहा था कि इन हालात में हर देश स्वाभाविक रूप से कोशिश करेगा कि वो अपने नागरिकों को सबसे अच्छा सौदा दिलवा पाये और ऊर्जा के बढ़े हुए दामों के असर को थोड़ा कम कर पाये।

राजनाथ सिंह ने अमेरिकी रक्षा मंत्री से की बात

पाकिस्तान को एफ-16 के लिए भेजी जा रही मदद पर जतायी चिंता

नयी दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से बातचीत में पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमान बेड़े के रख-रखाव के लिए पैकेज देने के अमेरिका के फैसले पर भारत की ओर से चिंता प्रकट की। सिंह ने ऑस्टिन से फोन पर बातचीत की और इस मुद्दे पर चिंता प्रकट की। रक्षा मंत्री ने ट्विटर पर लिखा कि पाकिस्तान के एफ-16 विमानों के बेड़े के लिए पैकेज प्रदान करने के अमेरिका के हालिया फैसले पर भारत की ओर से चिंता प्रकट की। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले को पलटते हुए पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमान के बेड़े के रख-रखाव के लिए 45 करोड़ डॉलर की वित्तीय सहायता को मंजूरी दी है।

टेलीफोन पर अच्छी और लाभप्रद बातचीत हुई : राजनाथ सिंह

राजनाथ सिंह ने कहा कि अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से टेलीफोन पर अच्छी और लाभप्रद बातचीत हुई। हमने रणनीतिक हितों और विस्तृत रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग के बढ़ते तालमेल पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमने तकनीकी और औद्योगिक साझेदारी बढ़ाने के तरीकों एवं महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में सहयोग की संभावना पर भी चर्चा की। सिंह ने कहा कि वह भारत-अमेरिका साझेदारी को और मजबूत करने के लिहाज से अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन के साथ बातचीत जारी रखने के लिए आशान्वित हैं।

जम्मू-कश्मीर में एक और दर्दनाक हादसा

राजौरी में बस खाई में गिरी, पांच की मौत

श्रीनगर (एजेंसी)। गुरुवार को मंझाकोट में एक दर्दनाक हादसा पेश आया। सवारियों से भरी बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और 20 घायल हो गये। जानकारी के अनुसार मंझाकोट तहसील में डेरी रलयोट के पास एक बस बेकाबू होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसा इतना भयानक था कि चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस के साथ मिलकर बचाव कार्य चलाया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान चार लोगों की मौत हो गई। इससे पहले जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में बुधवार को एक मिनी बस के गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार 11 लोगों की

मौत हो गई, जबकि 29 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, बस गली मैदान से पुंछ की तरफ जा रही थी और सुबह 8.30 बजे सावजियान के सीमावर्ती इलाके में बरारी नाले के पास यह हादसे की शिकार हो गई। सेना, पुलिस और स्थानीय ग्रामीणों ने क्षेत्र में तत्काल एक संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया गया था। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने प्रत्येक मृतक के परिवार के सदस्यों को 5-5 लाख रुपए की राहत राशि देने की घोषणा की। इसके साथ ही अधिकारियों को घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने का भी निर्देश दिया।

अनुच्छेद-370 जम्मू-कश्मीर का विकास नहीं रोकता : आजाद

श्रीनगर (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद ने बुधवार को कहा कि अनुच्छेद 370 जम्मू-कश्मीर के विकास में बाधा नहीं था और दावा किया कि तत्कालीन राज्य ने 30 सूचकांकों पर राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन किया था। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि उन्होंने कभी अनुच्छेद-370 की बहाली की संभावना से इनकार नहीं किया, लेकिन कहा कि यह एक समय लेनेवाली प्रायिा हो सकती है और केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही ऐसा तुरंत कर सकते हैं। आजाद ने यहां संवाददाताओं से कहा, यह (अनुच्छेद 370) बाधा नहीं था। (जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री के तौर पर) मैंने तीन-पालियों (शिफ्ट) की कार्य प्रणाली शुरू की, विधानसभा की बैठकें सप्ताह में छह दिन आयोजित की गयी, सड़कें बनायीं गयीं, स्कूलों और कॉलेजों का एक तंत्र बनाया गया तथा पर्यावरण संबंधी मंजूरी दी गयी। हाल ही में कांग्रेस छोड़ने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने अनुच्छेद-370 पर संसद में भी मोदी का विरोध किया था।

क्या अडानी शेयर बाजार के सहारे विश्व के तीसरे नं. के उद्योगपति?

- आरएनएम

नयी दिल्ली। नेटवर्थ के मामले में एलन मस्क व जेफ बेजोस के बाद विश्व के तीसरे सबसे धनी व्यक्ति अडानी बन गये हैं। लेकिन कर्ज देखा जाये तो अडानी की कंपनी समूह पर कुल कर्ज. बढ़कर 2.6 लाख करोड़ रुपये हो गया है। ऐसे में कुछ-कुछ गणित व वित्त जानने वालों के लिए माथापच्ची का विषय है कि इतने कर्ज के बावजूद गौतम अडानी का नेटवर्थ 12 लाख करोड़ रुपये कैसे है? इस बारे में व्यपारियों व राजनेताओं का कहना है कि इस नेटवर्थ को गुब्बारे की तरह फुलाने में बड़ा हाथ शेयर बाजार का है। क्योंकि, किसी भी बड़े सेठ की नेटवर्थ में उसकी कंपनियों के उन शेयर की कीमत भी शामिल होती है, जो वह अपने पास रखता है। बाजार में शेयर की कीमत, जिसे मार्केट कैपिटल भी कहते हैं, बढ़े तो अडानी का नेटवर्थ भी बढ़ेगी। वित्त विशेषज्ञों का मानना है कि किसी कंपनी की वित्तीय तंदरूस्ती जांचने के लिए मार्केट कैप नहीं बल्कि रेवेन्यू बेहतर पैमाना है। यही कारण है कि फॉर्च्यून मैग्जीन अपनी ग्लोबल 500 की सूची में कंपनियों को रैंकिंग उनके रेवेन्यू के आधार पर देती है। यहीं अचरज करनेवाला तथ्य यह सामने आता है कि विश्व के तीसरे नंबर के धनी मानुष होने वाले अडानी की एक भी कंपनी फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची में क्यों नहीं है?

मालूम हो कि भारत की नौ कंपनियां इस सूची में हैं, जिसमें से सबसे आगे सरकारी कंपनी एलआईसी है, जिसके भी ज्यादातर शेयर प्राइवेट कंपनियों को बेचने का उपक्रम शुरू हो गया है। गौतम अडानी की नेटवर्थ का टीला बनाने वाली उनकी कंपनियों के मार्केट कैपिटल और उनके रेवेन्यू में कितना अंतर है और उनकी जो कंपनियां रेवेन्यू के मामले में आगे हैं उनके मार्केट कैपिटल का क्या हाल है।

फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची में पांच देशों की सबसे ज्यादा कंपनियां -

देश	फॉर्च्यून ग्लोबल 500 कंपनियां
चीन	145
अमेरिका	124
जापान	47
जर्मनी	28
फ्रांस	25
यूके	18

मार्केट कैपिटल का मतलब होता है, बाजार को कंपनी पर कितना भरोसा है। स्टॉक मार्केट में लिस्ट होने वाली हर कंपनी अपने कुछ प्रतिशत शेयर निवेशकों के लिए जारी करती है। कंपनी के प्रदर्शन और उसकी साख या शेयर के दाम में तेजी से चाहे कंपनी मालिक के सत्ता के खास होने या अन्य के सहारे तेजी से बढ़ने पर या उसके आधार पर निवेशक इन शेयर को लाभ पाने के लिए खरीदते हैं। निवेशकों की खरीद-फरोख्त ही इन शेयर की कीमत तय करती है। ऐसे में मार्केट कैपिटल कंपनी के सभी शेयर की कुल कीमत होती है। यदि किसी कंपनी ने 2000 शेयर जारी किए हुए हैं और एक शेयर की कीमत 300 रुपए है, तो सामान्य अर्थों में उसका मार्केट कैप 6 लाख रुपए माना जा सकता है। यह मार्केट कैप कंपनी की आय में नहीं शामिल होता है, लेकिन यह लोगों का कंपनी पर भरोसा बताता है। अडानी एंटरप्राइजेज के एक शेयर की कीमत 14 सितम्बर को स्टॉक मार्केट बंद होते समय 3,573 रुपए थी।

नेटवर्थ होता है- कुल आय+कुल संपत्ति - कुल कर्ज+कुल लायबिलिटी : ऐसे में किसी व्यक्ति का नेटवर्थ निकालने के लिए उसकी खुद की आय और उसके अपने नाम पर जो संपत्तियां हैं, उनकी कीमत का योग निकाला जाता है। फिर इस राशि में से वह कर्ज या लायबिलिटी घटाई जाती है जो उसके अपने नाम पर है। गौतम अडानी के नेटवर्थ के लिए उन्हें अपनी कंपनी से मिलने वाली तनख्वाह, उनके नाम पर लिए गए घर या अन्य प्रॉपर्टी, गाड़ियां सभी की कीमत जोड़ी जाएगी। साथ ही उन शेयर्स की कीमत भी जोड़ी जाएगी जो उनके नाम पर हैं। हालांकि, जब कर्ज और लायबिलिटी की बात आएगी तो सिर्फ वही कर्ज या लायबिलिटी गिने जाएंगे जो उनके खुद के नाम पर हैं। अडाणी समूह का कर्ज कंपनी का है, गौतम अडानी का निजी कर्ज नहीं है। फॉर्च्यून की 2022 की सूची में 9 भारतीय कंपनियां हैं, जिनमें दो टाटा ग्रुप की हैं। रिलायंस की फ्लैगशिप कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और गोल्ड एक्सपोर्टर राजेश एक्सपोर्ट्स भी लिस्ट में हैं। इसके अतिरिक्त इस सूची में सभी भारतीय कंपनियां पब्लिक सेक्टर की हैं। रेवेन्यू के मामले में भारत की सबसे बड़ी कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कारपोरेशन है। जबकि सूची में अडानी समूह की एक भी कंपनी नहीं है। एलआईसी ने अडानी समूह की कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज के लगभग चार प्रतिशत और रिलायंस इंडस्ट्रीज के लगभग 7.5 प्रतिशत शेयर लिये हैं। यदि विश्व स्तर पर देखें तो इस सूची में सबसे ज्यादा चीन की 145 कंपनियां हैं। अमेरिका की 124 व जापान की 47 कंपनियां हैं। इस सूची की 500 कंपनियों का कुल रेवेन्यू 37.8 लाख करोड़ डॉलर है, जो ग्लोबल जीडीपी के एक-तिहाई से ज्यादा है।

अजब-गजब : बाढ़ में फंसे पाकिस्तानियों का घर छोड़ने से इनकार, कहा -

कैंप में रहेंगे तो घर की महिलाएं दूसरे मर्दों के संपर्क में आयेंगी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में भीषण बाढ़ के कारण हालात बेहद खराब है। लाखों लोगों के घर-बार बाढ़ के पानी में समाए हुए हैं। ऐसे लोगों

- पाकिस्तान में बाढ़ से भीषण तबाही, कई गांव अब भी पानी में डूबे
- महिलाओं को घर छोड़ने की इजाजत नहीं दे रहे गांव के पुरुष

को प्रशासन ने बाढ़ वाले इलाकों से दूर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया है। इसके बावजूद कई लोग ऐसे हैं, जिन्होंने बाढ़ के पानी में डूबे होने के बावजूद अपने घरों को छोड़ने से इनकार कर दिया है। इन लोगों का तर्क है कि कैंप में जाकर

रहने से हमारे घरों की महिलाएं बाहरी पुरुषों के संपर्क में आ जायेंगी। इससे उनके सम्मान का हनन होगा। ऐसे में उन्होंने बाढ़ के पानी में ही जिंदगी गुजर-बसर करने का फैसला किया है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया है कि अधिकतर इलाकों से बाढ़ का पानी निकलने में तीन से छह महीनों का समय लग सकता है। ऐसे में लोगों को लंबे समय तक मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। पाकिस्तान के छोटे से गांव बस्ती अहमद दीन के 400 निवासी बाढ़ के कारण भुखमरी और बीमारी का सामना कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने घर छोड़ने से साफ इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि राहत शिविर के लिए जाने का मतलब होगा कि गांव की महिलाएं अपने परिवार के बाहर के पुरुषों के साथ घुलमिल जाएंगी और इससे उनके सम्मान का हनन होगा। 17 साल की शिरीन बीबी से जब पूछा गया कि क्या वह सूखी जमीन पर कैंप की सुरक्षा में जाना पसंद करेंगी, तो उन्होंने कहा कि यह तय करना गांव के बुजुर्गों पर निर्भर है। बाढ़ के कारण पंजाब प्रांत के रोझन इलाके में स्थित बस्ती अहमद दीन के 90 में से आधे से ज्यादा घर तबाह हो गए हैं। इस साल मानसूनी बारिश के कारण पाकिस्तान का एक तिहाई हिस्सा बाढ़ का सामना कर रहा है।

एक पाकिस्तानी बोला- मरना पसंद करेंगे

इस बस्ती के निवासी मुहम्मद आमिर ने अपने जातीय समूह का जिक्र करते हुए कहा कि हम बलूच हैं। बलूच अपनी महिलाओं को बाहर जाने की अनुमति नहीं देते हैं। बलूच अपने परिवारों को बाहर जाने देने के बजाय भूखे मरना और करना पसंद करेंगे। पाकिस्तान के अधिकतर इलाकों में महिलाओं के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार किया जाता है। उनकों पुरुषों के बराबर न तो हक दिया जाता है और ना ही सम्मान। यहां तक कि महिलाओं को गैर मर्दों के साथ बात करने की भी मनाही होती है। परिवार के बजाए अपनी पसंद के किसी व्यक्ति से शादी करने पर लड़कियों की हत्या कर दी जाती है।

न्यूज गैलरी

36वें राष्ट्रीय खेल के लिए झारखंड हॉकी टीम का गठन

रांची। गुजरात में आयोजित 36वे राष्ट्रीय खेल में भागदारी के लिए हॉकी झारखंड के विशेष प्रशिक्षण शिविर के लिए चयनित 27 महिला एवं27 पुरुष खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी गई। विशेष प्रशिक्षण शिविर के लिए चयनित इन 27 खिलाड़ियों का 16 सितंबर से 26 सितंबर तक रांची में विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे और इनमें से बेहतर 18 महिला एवम 18 पुरुष हॉकी खिलाड़ियों को चयनित कर राष्ट्रीय खेल के लिए हॉकी झारखंड टीम से खेलने का अवसर किया जाएगा।

एससी आरक्षण में 2 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के पूर्व चेयरमैन सुरेन राम ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी को पत्र लिखकर आभार व्यक्त किया है। उन्होंने पत्र के माध्यम से कहा कि झारखंड के दलित समाज एवं रविदास समाज की ओर से आपको झारखंड सरकार के मंत्री परिषद के कैबिनेट में 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय नीति एवं आरक्षण नीति बनाकर मान-सम्मान बढ़ाया है तथा दलित समुदाय के आरक्षण में 10 से 12 प्रतिशत करने पर आभार प्रकट करता है। इसके साथ ही ओबीसी का 27 प्रतिशत आरक्षण महागठबंधन सरकार का सराहनीय कदम है। माननीय श्री राहुल गांधी, श्री राजेश ठाकुर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने जो सहानुभूति दिखाई है, यह दिखाता है कि दलितों का सच्चे हितैषी है तो कांग्रेस एवं जेएमएम है। आंगनबाडी सेविकाओं एवं सहायिकाओं को बढ़े दर पर भुगतान करने के लिए महागठबंन सरकार ने अपना वादा निभाया है। आगे दलित समाज एवं ओबीसी वर्ग समाज को गठबंधन सरकार को समर्थन देना उनका दायित्व होता है। पुनः मुख्यमंत्री एवं गठबंधन सरकार को बहुत-बहुत बधाई।

जनता खुश होगी, तो राज्य बनेगा खुशहालः आलमगीर आलम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सरकार जनता की भलाई के लिए है, योजनाएं जनता को समृद्ध और स्वावलंबी बनाने के लिए क्रियान्वित की जाती हैं, ताकि जनता के जीवन में खुशहाली लाई जा सके। जनता खुश होगी, तो राज्य में भी खुशहाली आएगी। ये बातें ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने प्रोजेक्ट भवन के द्वितीय तल स्थित सभागार में सीएसपी के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान कही। आलमगीर आलम ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान विकास बाधित हुआ। इसके बाद भी सरकार के प्रयासों को पूरे देश ने सराहा, क्योंकि हमने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के कई अवसर मनरेगा और जेएसएलपीएस के माध्यम से उपलब्ध कराया। मनरेगा के तहत कई योजनाएं ली गईं । साथ ही बड़ी संख्या में लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने का काम जेएसएलपीए के माध्यम से किया गया। आज वर्षा के अभाव में किसान परेशान हैं, इसके लिए जल समितियों के माध्यम से बंद पड़े नदी नालों के जीर्णोद्धार का काम आरंभ किया गया था। हालांकि, उसमें लक्ष्य के अनुरूप सफलता नहीं मिल पाई और प्रयास आज भी हम कर रहे हैं। उन्होंने कहा की सीएफपी (क्लस्टर फेसिलिटेशन प्रोजेक्ट) के माध्यम से मनरेगा में क्रांतिकारी बदलाव आयेंगे। ग्राम, प्रखंड, जिला व राज्य स्तर पर मनरेगा योजनाओं का क्रियान्वयन सफलता के नए आयाम स्थापित करेगा, क्योंकि सीएफपी का मकसद मनरेगा कार्यों का समय पर भुगतान, सही योजना का चयन और किए गए कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखनी है। उन्होंने पीएम आवास योजना के संदर्भ में कहा की केंद्र सरकार ने हमें एक लाख 75 हजार आवास के निर्माण का लक्ष्य दिया है।

योजनाओं की मॉनिटरिंग के साथ होगी जीआईएस मैपिंग : डॉ मनीष रंजन

ग्रामीण विकास विभाग के सचिव डॉ मनीष रंजन ने कहा कि सीएफपी को मनरेगा से जोड़ने जा रहे हैं। इससे मनरेगा से जुड़ी योजनाओं में बड़ा बदलाव आएगा। इस योजना का पहला वर्जन 2014 में 21 जिलों के 74 प्रखंडों में लॉन्च किया गया था, जो अब पूरे देश में लागू किया जा रहा है। सीएफपी परियोजना को राज्य के 23 जिलों के विभिन्न प्रखंडों में लागू किया जा रहा है। सीएफपी से योजनाएं अब अधिक वैज्ञानिक होंगी। योजनाओं को जीआईएस आधारित तैयार किया जाएगा। साथ ही क्षेत्र की जरूरत के हिसाब से योजनाएं बनाई जा सकेंगी। योजनाओं की प्लानिंग में जीआईएस सहयोग करेगा। उन्होंने कहा की सीएफपी से समस्याओं को प्रखंड स्तर से लेकर राज्य स्तर तक निष्पादन किया जा सकेगा और आजीविका से संबंधित कार्यक्रमों से 65 प्रतिशत योजनाओं को जोड़ा जा सकेगा। इसके अलावा आजीविका से जुड़े प्रोग्राम का विश्लेषण भी संभव हो जायेगा।

झारखंड के प्रोजेक्ट को मिली देशव्यापी पहचान : मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी ने कहा कि यह हमारे लिए खुशी की बात है कि पूरे देश में झारखंड पहला ऐसा राज्य है, जहां सीएसपी सबसे पहले लॉन्च हो रहा है। उन्होंने कहा की 2014 में सीएफपी का पहला वर्जन लॉन्च किया गया था, जिसकी सफलता के बाद भारत सरकार ने इस योजना को पूरे देश में लॉन्च करने की योजना बनाई है। यह हमारे लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि हमने मनरेगा से इसे जोड़ कर मनरेगा से जुड़ी योजनाओं को ज्यादा वैज्ञानिक बनाने का प्रयास किया है। मनरेगा योजनाओं के क्रियान्वयन में जीआईएस विशेषज्ञ जिला एवं राज्य स्तर पर सहयोग करेंगे, ताकि योजनाओं को पारदर्शी तरीके की क्रियान्वित किया जा सके।

पूर्व मध्य रेल

धनबाद डिवीजन के अंर्तगत कतरास, बरकाकाना, पतरातू, बरवाडीह, गढवा रोड और चौपन स्टेशन का सफाई का अनुबंध।

ई–निविदा सूचना

GeM Bid No.GEM/2022/B/2524995 दिनांक 12/09/2022 भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिये तकनीकी विशेषज्ञता, वित्तीय क्षमता एवं पर्याप्त अनुभव रखनेवाले ख्यातिलब्ध प्रतिष्ठानों/एजेंसियों/संवेदकों "टू पैकेट सिस्टम" पर ई–निविदायें आमंत्रित है। **i) कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधिः** धनबाद डिवीजन के अंर्तगत कतरास, बरकाकाना, पतरातू, बरवाडीह, गढ़वा रोड और चौपन स्टेशन का दो (02) वर्ष (अर्थात 730 दिन) की अवधि के लिए सफाई का काम। कार्य समापन अवधि – 02 वर्ष । **ii) कार्य की अनुमानित लागतः** रु. 3,58,24,066.73 (तीन करोड़ अट्ठावन लाख चौबीस हजार छियासठ रुपये तिहत्तर पैसे) मात्र। **iii) बयाना राशिः** रु. 3,29,581.00 (तीन लाख उनतीस हजार पाँच सौ इक्यासी रुपये) मात्र। **iv) ई–निविदा बंद होने की तारीख एवं समय** :– तारीख 03/10/2022 को 16:00 बजे **ई–निविदा खुलने की तारीख एवं समय** :– तारीख 03/10/2022 को 16:30 बजे **v) प्री–बिड मिटिंग दिनांक एवं समय 19.09.2022 – 11:00 बजे**:– प्री–बिड मिटिंग स्थान : वरीय मंडल यांत्रिक अभियंता (कोचिंग) /धनबाद मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय/पू.म.रे. /धनबाद **vi) वेबसाईट विवरणः** https://gem.gov.in ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नही की जाएगी।

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/001037/डीएचएन/मेक/टी/22–23/44

पेज एक के शेष

चुनाव आयोग के मंतव्य की...
तरह-तरह की चर्चा है।

यूपीए शिष्टमंडल ने भी की थी मुलाकात : सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि इस बाबत यूपीए के एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा राजभवन आकर एक सितम्बर को उनसे मुलाकात भी की थी। शिष्टमंडल ने भी निर्वाचन आयोग के मंतव्य को शीघ्र सार्वजनिक करने के लिए एक ज्ञापन सौंपा था। उस वक्त उन्हें आश्वास्त किया गया था कि दो-तीन दिनों के अंदर स्थिति स्पष्ट कर दिया जायेगा।

कार्यपालिका और जनमानस में भ्रम की स्थिति उत्पन्न 3 सीएम ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के मंतव्य के संबंध में मीडिया में बीजेपी द्वारा किये जा रहे प्रचार और राजभवन सूत्रों से कथित सूचना के छनकर आने से सरकार कार्यपालिका एवं जनमानस में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जो राज्यहित एवं जनहित में नहीं है। बीजेपी इस भ्रम की स्थिति का उपयोग दल-बदल के अस्त्र के रूप में कर अनैतिक रूप से सत्ता हासिल करने का प्रयास कर रही है।

सरकार को लगभग दो तिहाई सदस्यों का समर्थन : मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजेपी अपनी इस अनैतिक प्रयास में कभी सफल नहीं होगी, क्योंकि राज्य गठन के बाद पहली बार उनकी सरकार को लगभग दो तिहाई सदस्यों को समर्थन प्राप्त है। पांच सितम्बर को यूपीए सरकार ने विधान सभा पटल पर अपना अपार बहुमत भी साबित किया है एवं विधायकों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नेतृत्व में अपनी पूर्ण निष्ठा एवं विश्वास व्यक्त किया गया है।

सीएम हेमंत सोरेन ने ...
सोरेन ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को हरेक राज्यवासियों की उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करने का आशीर्वाद दिया। इधर, जेएमएम के वरिष्ठ नेता और शिक्षामंत्री जगरनाथ महतो ने इस फैसले के बाद गुरुवार को पार्टी प्रमुख शिबू सोरेन से मुलाकात कर उन्हें 1932 खतियान लिखित शॉल भी ओढ़ाकर सम्मानित किया। जगरनाथ महतो ने कहा कि 1932 खतियान उनकी ही देन है। वे अपने अग्रज और देवतुल्य बाबा को कैसे भूल सकते हैं। उन्होंने ही सभी को हक और अधिकार के लिए लड़ना सिखाया था। आज समस्त झारखंडवासी गौरव और सम्मान के साथ झूम रहे हैं। इस फैसले में जेएमएम प्रमुख शिबू सोरेन का अतुल्य संघर्ष और बलिदान समाहित है।

खामियों को दूर कर रहे...
पहुंचता रहा। अदालतों में सरकार को इन नीतियों की खामियों का खामियाजा भुगतना पड़ा, इन मामलों में अदालतों के फैसले सरकार के पक्ष में नहीं आये, लेकिन हमारी सरकार आने के बाद अब हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर मुकदमों में सरकार के पक्ष में फैसले आ रहे हैं। इसी का नतीजा है कि हमारी नीतियों का राज्यवासियों को सीधा फायदा मिल रहा है। इस मौके पर मंत्री आलमगीर आलम, जोबा मांझी, सत्यानंद भोक्ता तथा विधायक उमाशंकर अकेला, वैद्यनाथ राम एवं रामचंद्र सिंह मौजूद थे।

पंचायती राज व्यवस्था को....
को जन-जन तक पहुंचाने में जनप्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी लोग जानते हैं कि झारखंड में गरीब वर्ग के लोग अधिक संख्या में हैं। गरीब तथा जरूरतमंद वर्ग के लोगों को राज्य सरकार सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने का काम कर रही है। हमारी सरकार से हर वर्ग को उम्मीदें हैं। उनके उम्मीदों और आकांक्षाओं के अनुरूप ही कार्य हो रहा है। सरकार सभी की समस्याओं को सुनकर एक-एक समस्याओं का हल निकाले, राज्य का मुखिया होने के नाते यह मेरी जिम्मेदारी है। मौके पर मुख्यमंत्री ने सभी नवनियुक्त जिला परिषद अध्यक्षों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

जनता का हो रहा है काम, आपके साथ खड़ी है जनता : इस अवसर पर विभिन्न जिलों से पहुंचे जिला परिषद अध्यक्षों ने राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। राज्य सरकार द्वारा मंत्रिपरिषद की बैठक में 1932 खतियान आधारित झारखंड का स्थानीय निवासी की परिभाषा एवं पहचान हेतु विधेयक गठन की स्वीकृति दिये जाने को लेकर मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया एवं मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। जिला परिषद अध्यक्षों ने एक स्वर में मुख्यमंत्री से कहा कि वर्तमान सरकार में जनता का काम हो रहा है जनता सहृदय आपके साथ खड़ी है। इस अवसर पर बोकारो जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी, दुमका जोएस बेसरा (दुमका), श्रद्धा सिंह (धनबाद), उमेश मेहता (हजारीबाग), सुधा चौधरी (रामगढ़), मसीहा पुडिया (खूंटी), किरण माला वाड़ा (गुमला), रीना भगत (लोहरदगा), रोज प्रतिमा सोरेन (सिमडेगा) निर्मला भगत (रांची), बारी मुर्मू (पूर्वी सिंहभूम), सोनाराम बोडरा (सरायकेला), शांति देवी (गढ़वा), प्रतिमा कुमारी (पलामू), पूनम देवी (लोहरदगा), मोनिका किस्कू (साहिबगंज), जोली सिस्ट मनी (पाकुड़), राधा रानी (जामताड़ा), बेबी देवी (गोड्डा), ममता कुमारी (चतरा), रामधन यादव (कोडरमा), उमेश मेहता (हजारीबाग), जिला प्रतिनिधि बोकारो चितरंजन साव, संदीप सोरेन, शेखर सिंह, सूरज सिंह, सुधीर मंडल, चंदन, राजेश वर्णवाल, विनय चौधरी, रामदेव सिंह, पवन प्रजापति, गोपाल चौधरी एवं अन्य उपस्थित थे।

कलयुगी बेटे ने गोली मार कर की पिता....
सीने में गोली मार दी। इससे रामसागर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई । स्थानीय लोगों ने बताया कि सूर्यदेव महतो पिछले 40 सालों से अलग रह रहा था। सूर्यदेव महतो और उसके भाई चैनपुर के कोसियारा में रह रहे थे। रामसागर महतो ने करीब चार साल पहले अपने एक रिश्तेदार के बच्चे को गोद ले लिया था। एक नतनी को अपने पास वह रखते थे। कुछ दिनों पहले रामसागर महतो ने करीब 72 डिसमिल जमीन अपनी नतनी के नाम कर दिया था और कुछ जमीन गोद लिए हुए बच्चे के नाम कर दिया था। इस मामले को लेकर सूर्यदेव महतो अपने पिता रामसागर महतो के खिलाफ पलामू कोर्ट में मुकदमा दायर किया था। पिछले कुछ महीने पहले इसी जमीन विवाद की कोर्ट में सुनवाई हो रही थी। गुरुवार को कोर्ट में सुनवाई थी। रामसागर महतो गोद लिए हुए बच्चे के साथ सोया हुआ था। इसी दौरान सूर्यदेव महतो ने उसे गोली मारी। ग्रामीणों ने बताया कि रामसागर के तीन बेटे हैं। इसमें सबसे बड़ा बेटा सूर्यदेव महतो है। सूर्यदेव महतो अपने दो भाइयों के साथ ननिहाल में रहता था। जिस कारण रामसागर महतो ने बच्चे को गोद ले लिया था। सूर्यदेव महतो बच्चे का विरोध कर रहा था। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस पहुंच कर जांच कर रही है। एसडीपीओ सुरजीत कुमार ने बताया कि जमीन विवाद में घटना को अंजाम दिया गया है।

नीट में धांधली 161 प्रश्न हल किये हैं....
मिली थी। उसने कोटा जाकर नीट एग्जाम की तैयारी की। जुलाई में एग्जाम हुई, सितम्बर में रिजल्ट आया। रिजल्ट देखकर उसके होश उड़ गये। हालांकि, छात्रा ने हिम्मत नहीं हारी और जबलपुर हाईकोर्ट का दरवाजा तो खटखटाया ही है साथ ही फिर से एग्जाम की तैयारी में लग गयी है।

लिपाक्षी ने बताया कि एडवोकेट धर्मेंद्र चेलावत के जरिये इस मामले में हाईकोर्ट में चुनौती दी है। छात्रा की मांग है कि हाई लेवल कमेटी बनाकर असल दस्तावेज की जांच करायी जाये। छात्रों को न्याय की उम्मीद है। लिपाक्षी ने कोर्ट के सामने कई तथ्य भी रखे हैं। छात्रा का कहना है कि जब उसने 161 प्रश्न हल किये हैं तो ओएमआर सीट खाली कैसे दिख रही। छात्रा ने एग्जाम के दिन के दस्तावेज भी डाउनलोड किये हैं तो उसमें अंतर दिखा। लिपाक्षी पाटीदार का कहना है कि एग्जाम सेंटर के पर्यवेक्षकों ने दो घंटे के अंतराल में साइन किये थे, लेकिन मेरी शीट पर दोनों का समय समान है। बॉक्स में मैंने अंगूठा भी लगाया था, तो वह बॉक्स की लाइन पर आ गया था। जो शीट डाउनलोड की है, उसमें अंगूठा ठीक बीच में लगा हुआ है। साइन भी कॉपी की हुई लग रही है। लिपाक्षी को आशंका है कि इसमें कुछ फर्जीवाड़ा हुआ है।

कार्यालय नगर पंचायत, हुसैनाबाद(पलामू)।

Email:- nphussainabad@gmail.com

शुद्धि–पत्र

Pr277491 Urban Development (22-23), D द्वारा प्रकाशित E- Procurement notice (very short term) के क्र0 सं0 03, UDD/NPH/03/2022-23 के Tender fee 1000.00रु के स्थान पर 5000.00रु पढ़ा जाय। शेष सूचनाऐं यथावत् रहेंगी।

कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत हुसैनाबाद।

PR 277866 District(22-23)D

झारखण्ड सरकार
जिला खनन कार्यालय, लातेहार
(खनन शाखा)

e-mail- dmo-latehar@jharkhandmail.gov.in

–:: आम सूचना ::–

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निदेशानुसार, लातेहार जिला के बारियातु अंचल अन्तर्गत मौजा–मनातु, थाना–बालूमाथ के खाता संख्या–204, प्लॉट संख्या–784, रकबा– लगभग 1.50 ए0, खाता सं0–205, प्लॉट सं0–808, रकबा–0.20 ए0 तथा मौजा–बनवार, थाना –बालूमाथ के खाता सं0–75, प्लॉट सं0–458 एवं 459, रकबा–लगभग 1.50 एकड़ क्षेत्र पर भण्डारित लगभग 90802.56 M^3 (नब्बे हजार आठ सौ दो दशमलव छप्पन्न) घन मी0 पत्थर खनिज (बोल्डर) एवं लगभग 22700.64 घन मी0 साधारण मिट्टी का झारखण्ड लघु खनिज समनुदान (संशोधित) नियमावली, 2019 के नियम–54 A के तहत् उक्त भण्डारित लघु खनिज पत्थर एवं साधारण मिट्टी का आम नीलामी दिनांक 24.09.2022 को समय 2:00 बजे अपराहन् में अपर समाहर्त्ता, लातेहार की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार कक्ष में सम्पन्न की जायेगी। डाक में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों को भारत सरकार एवं झारखण्ड सरकार द्वारा Covid-19 के तहत् निर्गत SOP का पालन करना अनिवार्य होगा।

उपरोक्त स्थल पर भण्डारित लघु खनिज पत्थर (बोल्डर) एवं साधारण मिट्टी भण्डारण का विवरण, नीलामी की प्रक्रिया एवं शर्त्तों आदि के जानकारी के लिए लातेहार जिला के Website: latehar.nic.in पर देखा जा सकता है अथवा जिला खनन कार्यालय, लातेहार में किसी भी कार्य दिवस में संपर्क किया जा सकता है।

ह0/–
जिला खनन पदाधिकारी, लातेहार।

PR.NO.277918 Mines and Geology(22-23):D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा।

:– प्रेस विज्ञप्ति :–

एतद द्वारा इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से संवेदक **N.R. Engineering, Vill.-Delho, Po-Simaria, Distt.-Chatra** को सूचित किया जाता है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत पन्द्रहवाँ चरण के **(1)** पैकेज सं.–JH2CH008 "**Construction of Rural Road & their Maintenance for 5 Years** for **ML06-T02 to Jangi (Length-2.468 Km)** & **(2)** पैकेज सं.–JH02CH001 "**Construction of Rural Road & their Maintenance for 5 Years** for **L066-L029 to Bhuitoli (Length-1.344 Km)** Under Block-Simaria, District-Chatra, State-Jharkhand" निर्माण कार्य का एकरारनामा के अनुसार कार्य समाप्ति की तिथि–14.11.2019 थी। इस कार्यालय के पत्रांक–185 दिनांक–16.03.22 एवं मौखिक रूप से अनेकों बार कार्य पूर्ण करने हेतु आपको निर्देशित किया गया था, लेकिन कार्य अबतक अपूर्ण है। प्रेस विज्ञप्ति [PR No.-277085 Rural Development (22-23)_D] के माध्यम से कार्य पूर्ण करने हेतु आपको निर्देशित किया गया था। पुनः इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक–25.09.2022 तक हरहाल में कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। यदि दिनांक–25.09.2022 तक कार्य पूर्ण नहीं कराया जाता है तो संपूर्ण कार्य का लागत राशि की वसूली आपसे की जायेगी, जिस पर आपका किसी प्रकार का कोई भी दावा भविश्य में मान्य नहीं होगा।

कार्यपालक अभियन्ता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,
चतरा।

PR 277904 Rural Development(22-23)D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा

:– प्रेस विज्ञप्ति :–

एतद द्वारा इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से संवेदक Divyanshu Construction, Vill.-Nawadih, Po.-Lawalong, Distt.-Chatra को सूचित किया जाता है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत पन्द्रहवाँ चरण के (1) पैकेज सं.– JH02TKE078 "Construction of Rural Road & their Maintenance for 5 Years for L053-L026 to Parsa Tari (Length-2.70 Km) & (2) iSdst lañ&JH2TKE079 "Construction of Rural Road & their Maintenance for 5 Years for L054-T02 to Harizan Tola (Length-3.150 Km) Under Block-Tandwa, District-Chatra, State-Jharkhand" निर्माण कार्य का एकरारनामा के अनुसार कार्य समाप्ति की तिथि–29.07.2019 थी। इस कार्यालय के पत्रांक–53 दिनांक–21.01.22, पत्रांक–186 दिनांक–16.03.22, पत्रांक–488 दिनांक–09.06.22, पत्रांक–555 दिनांक–23.06.22, पत्रांक–952 दिनांक–25.08.22 एवं मौखिक रूप से अनेकों बार कार्य पूर्ण करने हेतु आपको निर्देशित किया गया था, लेकिन कार्य अबतक अपूर्ण है। प्रेस विज्ञप्ति [PR No.-277092 Rural Development (22-23):D] के माध्यम से कार्य पूर्ण करने हेतु आपको निर्देशित किया गया था। पुनः इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक–25.09.2022 तक हरहाल में कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। यदि दिनांक–25.09.2022 तक कार्य पूर्ण नहीं कराया जाता है तो संपूर्ण कार्य का लागत राशि की वसूली आपसे की जायेगी, जिस पर आपका किसी प्रकार का कोई भी दावा भविष्य में मान्य नहीं होगा।

कार्यपालक अभियन्ता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल
चतरा

PR 277898 Rural Development (22-23)_D

OFFICE OF DEPUTY COMMISSIONER, CHATRA

CORRIGENDUM No-01
Dated: 14.09.2022

With Reference to Tender Notice No. **PR 277257 Tourism Art Culture Sports and Youth Affairs (22-23) #D/Dated 07.09.2022** following amendments are being issued. The bidders are advised to take into account the following amendments before submission of their bids against this tender. This corrigendum will form integral part of tender and will be submitted duly signed and stamped along with bids.

Page, Ref No. and in Tender Document	Tender Content	Amendment
Page 2, Technical qualification Point-3	Annual turnover min. 1 crore. Attach certificate from Chartered Accountant along with Audit Report.	Minimum turnover for last three years should not be less than Rs. 1 crore and annual turnover during the each financial year should not be less than Rs. 33.33 lacks (During 2018-19, 2019-20, 2020-21) Attach certificate from Chartered Accountant along with Audit Report.

ALL OTHER TERMS AND CONDITIONS OF THE TENDER REMAINS UNCHANGED.

PR.NO.277843 Tourism, Art Culture Sports And Youth Affairs (22-23):D

DRDA DIRECTOR, CHATRA

कार्यालय जिला परिषद, पलामू
जिला परिषदीय दुकानों के बकायेदार हेतु
आवश्यक सूचना

दिनांक 14.07.2021 को सम्पन्न कार्यकारी समिति, जिला परिषद, पलामू की बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में कार्यालय ज्ञापांक 633/दिनांक 29.10.2021 एवं ज्ञापांक 705/दिनांक 07.12.2021 द्वारा नावाबाजार प्रखण्ड अंतर्गत सैरात के सभी बकायेदारों को सम्पूर्ण बकाया राशि जमा करने हेतु प्रेस नोटिस निर्गत किया गया है। परन्तु कुछ बकायेदारों द्वारा कोई रूची नहीं ली गई। इससे स्पष्ट होता है कि बकाया किराया जमा करने हेतु इनकी कोई मंशा नहीं है।

अतः बाध्य होकर अधिकतम राशि के बकायेदारों को अंतिम नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि दिनांक 21.09.2022 तक अपना संपूर्ण बकाया किराया जमा कर दें अन्यथा संबंधित दुकानों को सील कर नये आवेदकों को आवंटित कर दिया जायेगा एवं आपके विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

प्रखण्ड नावाबाजार अन्तर्गत अधिकतम राशि के बकायेदारों की सूची निम्नवत है :–

प्रखण्ड – नावाबाजार

क्र0 सं0	दुकान नम्बर	आवंटी का नाम	बकाया अवधि	कुल माह	बकाया राशि
1	2	3	4	5	6
1	A-06	इरशाद आलम पिता मो0 अयुब अंसारी	सितम्बर 2020 से अगस्त 2022 तक	24	12000.00
2	B-06	भगवान प्र0 साहु पिता जगदीश प्र0 साहु	अक्टूबर 2020 से अगस्त 2022 तक	23	11500.00
3	B-07	मो0 उमर अंसारी पिता रोजमोहम्मद अंसारी	अक्टूबर 2020 से अगस्त 2022 तक	23	11500.00
4	B-14	विरेन्द्र प्र0 साहु पिता जगदीश प्र0 साहु	मई 2020 से अगस्त 2022 तक	28	14000.00
5	B-15	बेलाल खाँ पिता पीरमोहम्मद खाँ	मार्च 2020 से अगस्त 2022 तक	30	15000.00
6	B-16	पीरमोहम्मद खाँ पिता जमाईत खाँ	मार्च 2020 से अगस्त 2022 तक	30	15000.00

ह0/–
कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, पलामू।

PR.NO.277889 District(22-23):D

न्यूज गैलरी

फील्डिंग में राधा यादव ने दिखाया कमाल

ब्रिस्टल (एजेंसी)। टीम इंडिया ने ब्रिस्टल में इंगलैंड वुमन के खिलाफ खेले गए मुकाबले को 8 विकेट से जीतकर टी-20 सीरीज 1-1 पर बराबर कर ली है। भारतीय टीम ने शुरूआत से मैच पर दबदबा बनाए रखा। इस दौरान भारतीय क्रिकेटर राधा यादव का शानदार कैच चर्चा में रहा। राधा ने इंगलैंड की बल्लेबाज ब्रायोनी स्मिथ का लाजवाब कैच पकड़ा। स्मिथ उस समय 16 रन के स्कोर पर बल्लेबाजी कर रहीं थीं। स्नेह राणा की गेंद पर उन्होंने शॉट लगाया। लेकिन राधा ने दौड़ते हुए हवा में डाइव लगाकर कैच को पकड़ लिया। मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने पहले खेलते हुए निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 142 रन बनाए थे। मेजबानों की तरफ से फ्रेया केम्प ने 51 रन की पारी खेली। मैया बाउचियर ने 34 रन बनाए। 143 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को अच्छी शुरूआत मिली। शेफाली वर्मा ने 20 रन बनए। स्मृति मंधाना ने एक छोर संभालकर अपनी फिफ्टी पूरी की। कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ उन्होंने मिलकर 16.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

जमीनी स्तर पर फुटबॉल को मजबूत करने जरूरत : तबाबी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ वर्षों में महिला फुटबॉल की हुई तरक्की से संतुष्ट भारत की पूर्व कप्तान तबाबी देवी ने कहा कि इस खेल को पूरे भारत में जमीनी स्तर पर और मजबूत करना होगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति में शामिल होने वाली छह पूर्व भारतीय खिलाड़ियों में से एक तबाबी ने कहा कि उनके राज्य मणिपुर के जमीनी विकास मॉडल (खाका) को दूसरे राज्यों में लागू किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मैं मणिपुर से हूं। हमारे राज्य से महिला फुटबॉल में काफी अच्छी खिलाड़ी आती हैं। उसका एक ही कारण है। मणिपुर में जमीनी स्तर पर फुटबॉल का मजबूत आधार है। भारत की इस पूर्व कप्तान ने कहा कि अगर हम अन्य राज्यों में भी इसी तरह के मॉडल लागू कर सकते हैं। इससे हम आने वाले वर्षों में महिला फुटबॉल के स्तर में तेजी से सुधार देखेंगे। तबाबी ने कहा कि भारतीय महिला टीम को बेहतर कौशल वाले खिलाड़ी तैयार कर फीफा रैंकिंग में ऊपर चढ़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा- हाल के दिनों में बहुत सुधार हुआ है। अब बहुत सारे टूर्नामेंटों का आयोजन हो रहा है और हमारे खिलाड़ियों को पहले की तुलना में अधिक मौके मिल रहे हैं।

अफगानिस्तान ने टी-20 विश्व कप 2022 के लिए किया टीम का ऐलान

काबुल (एजेंसी)। बल्लेबाज दारवेश रसूली और तेज गेंदबाज सलीम साफी को ऑस्ट्रेलिया में होनेवाले टी-20 विश्व कप के लिए गुरुवार को अफगानिस्तान की 15 सदस्यीय टीम में चुना गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का यह आयोजन 16 अक्टूबर से 13 नवम्बर तक होगा। हाल ही में हुए एशिया कप के दौरान अफगानिस्तान टीम का हिस्सा रहे 17 खिलाड़ियों में से समीउल्लाह शिनवारी, हशमतुल्लाह शाहिदी, अफसर जजई, करीम जनत और नूर अहमद को मुख्य टीम में जगह नहीं दी गयी। चोट से उबरने के बाद रसूली की टीम में वापसी हुई है। लेग स्पिन हरफनमौला कैस अहमद और साफी भी अंतिम 15 की टीम में जगह बनाने में सफल रहे। जजई, शराफुद्दीन अशरफ, रहमत शाह और गुलबदीन नायब रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर ऑस्ट्रेलिया जाएंगे। टीम की अगुवाई अनुभवी मोहम्मद नबी करेंगे। मुख्य चयनकर्ता नूर मलिकजई ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में होनेवाली वैश्विक प्रतियोगिता के लिए टीम को आंकने के मकसद से एशिया कप एक बहुत अच्छा अवसर था।

विनेश फोगाट का ऐतिहासिक दांव : वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में दो मेडल जीते

यह कारनामा करनेवाली पहली भारतीय पहलवान बनी

बेलग्रेड/नयी दिल्ली (एजेंसी)। विनेश फोगाट ने विश्व कुश्ती चैंपियनशिप प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो मेडल अपने नाम किए हैं। इस स्पर्धा में दो मेडल जीतकर विनेश इतिहास रच दिया है क्योंकि ऐसा करने वाली वे पहली भारतीय महिला बनी हैं। विनेश ने 53 किलोग्राम भारवर्ग में स्वीडेन की एम्मा जोना मालमग्रेन को हराकर प्रतियोगिता में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान होने का रिकॉर्ड बनाया है। विनेश ने 2019 में कजाकिस्तान की पहलवान नूर सुल्तान को हराकर कांस्य पदक जीता था। क्वालीफिकेशन राउंड में हारने के बाद विनेश फोगाट ने शानदार वापसी की है। फोगाट ने 53 किलोग्राम कैटेगरी में स्वीडेन की पहलवान को हराकर कांस्य पदक जीती है।

कैसा रहा विनेश का सफर : विनेश फोगाट ने पहले मुकाबले में 2022 की एशियाई चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतने वाली विजेता से हार गई थीं। तब मंगोलिया की रहने वाली खुलन बटखुयाग से हारने के बाद विनेश ने रेपचेज दौर के माध्यम से कांस्य पदक प्ले ऑफ में जगह पक्की कर ली। इसके बाद विनेश ने कोई मौका नहीं गंवाया और आखिरकार कांस्य पदक जीतकर ही दम लिया।

क्वालीफिकेशन राउंड के बाद की वापसी : विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली विनेश फोगाट को क्वालीफिकेशन राउंड में हार का सामना करना पड़ा था। तब लगा कि भारत की चुनौती खत्म सी हो गई है। क्वालीफिकेशन राउंड में उन्हें मंगोलिया की पहलवान ने 7-0 से करारी शिकस्त दी थी। लेकिन दूसरे राउंड में विनेश ने जबरदस्त वापसी की। उन्होंने स्वीडेन की पहलवान को 8-0 से हराकर कांस्य पदक जीत लिया।

कॉमनवेल्थ की गोल्ड मेडलिस्ट : विनेश फोगाट ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में देश के लिए स्वर्ण पदक जीता था। टोक्यो ओलंपिक में वे बढ़िया प्रदर्शन नहीं कर पाई थीं। हालांकि विनेश फोगाट का अगला लक्ष्य 2024 में पेरिस ओलंपिक है। जहां वे फिर से देश के लिए सोना जीत सकती हैं। विनेश फोगाट भी कह चुकी हैं कि पेरिस ओलंपिक में देश के लिए गोल्ड मेडल जीतने की पूरी कोशिश करेंगी। वहीं उनके फैंस भी यही उम्मीद करते हैं।

रिकॉर्ड 8वां टी-20 वर्ल्ड कप खेलेंगे रोहित शर्मा

○ विराट-अश्विन का चौथा वर्ल्ड कप ○ पांच खिलाड़ी पहली बार टूर्नामेंट में उतरेंगे

नयी दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप खेलने जा रही टीम इंडिया में दूसरी टीमों के मुकाबले भले ही उम्रदराज क्रिकेटर अधिक हों, लेकिन यह टीम पिछले कई टी-20 विश्वकप के अनुभवों से लबरेज है। टीम में कप्तान रोहित शर्मा और दिनेश कार्तिक तो टी-20 विश्व चैम्पियन भी रह चुके हैं। दोनों 2007 में हुए पहले विश्वकप को जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। 15 सदस्यीय टीम में 10 क्रिकेटर ऐसे हैं जो पहले टी-20 विश्व कप खेल चुके हैं। पांच क्रिकेटरों दीपक हुड्डा, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और हर्षल पटेल का यह पहला टी-20 विश्व कप होगा।

रोहित ने खेले हैं सभी टी-20 विश्व कप रोहित शर्मा के नाम अनोखी उपलब्धि जुड़ने जा रही है। यह उनका 8वां टी-20 विश्व कप होगा। इसका मतलब यह हुआ कि रोहित 2007 से 2021 तक हुए सभी सात टी-20 विश्वकप में भारतीय टीम के सदस्य रहे हैं। उन्होंने इन सात विश्वकप में 33 मैच खेले हैं जो सर्वाधिक हैं। इन मैचों में उन्होंने आठ अर्धशतक की मदद से 847 रन बनाये हैं, जिसमें नाबाद 79 रन उनका सर्वाधिक स्कोर है। टीम इंडिया में शामिल 10 क्रिकेटरों में सात ऐसे हैं जिनका यह तीसरा या उससे ज्यादा विश्व कप (टी-20) होगा। उपकप्तान केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव और ऋषभ पंत ही ऐसे क्रिकेटर हैं, जो अब तक 2021 का विश्वकप खेले हैं। रोहित के अलावा विराट कोहली (2012, 2014, 2016, 2021) और रविचंद्रन अश्विन ने चार (2012, 2014, 2016, 2021), दिनेश कार्तिक ने तीन (2007, 2009, 2010), भुवनेश्वर कुमार (2014, 2021), जसप्रीत बुमराह (2016, 2021) और हार्दिक पंड्या (2016, 2021) ने दो-दो टी-20 विश्वकप खेले हैं।

पिछले विश्व कप के नौ क्रिकेटर टीम में ऑस्ट्रेलिया खेलने जा रही भारतीय टीम में नौ क्रिकेटर ऐसे हैं, जो बीते वर्ष यूएई में हुए टी-20 विश्व कप में खेले थे। तब टीम इंडिया सुपर-12 राउंड में ही बाहर हो गयी थी। ये क्रिकेटर रोहित शर्मा, केएल राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, आर अश्विन, जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार हैं। श्रेयस अय्यर और दीपक चाहर पिछले साल भी विश्व कप टीम के स्टैंडबाय में थे, इस बार भी दोनों को स्टैंडबाय में जगह मिली है।

कोहली का विश्व कप में है 76.81 का औसत : अब तक टी-20 विश्वकप खेल चुके 10 क्रिकेटरों में सबसे अच्छा प्रदर्शन विराट कोहली का रहा है। उन्होंने 21 मैचों में 76.81 की औसत से 845 रन बनाये हैं। 89 नाबाद रन उनका सर्वाधिक स्कोर रहा है। उन्होंने 10 अर्धशतक भी लगाये हैं।

टी-20 विश्व कप

भारत-पाकिस्तान मैच के सभी टिकट चंद मिनटों में ही बिके

मेलबर्न (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप 2022 के शुरू होने में अभी एक महीने का वक्त बचा है, लेकिन इस बड़े टूर्नामेंट को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में उत्सुकता देखी जा सकती है। इसी बीच खबर है कि भारत और पाकिस्तान के बीच 23 अक्टूबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर होनेवाले आईसीसी टी20 विश्व कप मैच के सभी टिकट बिक गये हैं। टी-20 विश्व कप 16 अक्टूबर से आस्ट्रेलिया में शुरू होगा जिसमें भारत और पाकिस्तान का मुकाबला आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

पांच लाख से अधिक प्रशंसकों ने खरीदे टिकट : अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार इस प्रतियोगिता के लिए अभी तक पांच लाख से अधिक प्रशंसकों ने टिकट खरीदे हैं। इनमें भारत और पाकिस्तान का मैच भी शामिल है जिसके सभी टिकट बिक चुके हैं। आईसीसी की विज्ञप्ति के अनुसार, 'खड़े होकर मैच देखने के लिए अतिरिक्त टिकटों की व्यवस्था की गयी जो बिक्री के लिए रखे जाने के बाद मिनटों में ही बिक गये। इसमें कहा गया है कि प्रतियोगिता से पहले आधिकारिक बिक्री केंद्र शुरू किया जायेगा, जहां प्रशंसक अंकित मूल्य पर टिकटों का आदान-प्रदान कर सकते हैं।

मैच के दिन स्टेडियम खचाखच भरे होंगे

आईसीसी ने कहा कि टी-20 विश्व कप में 16 अंतरराष्ट्रीय टीमों के मैच देखने के लिए 82 विभिन्न देशों के प्रशंसकों ने टिकट खरीदे हैं। आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2020 के बाद यह पहला अवसर होगा जबकि आईसीसी की किसी प्रतियोगिता में स्टेडियम खचाखच भरे होंगे। तब एमसीजी में खेले गये फाइनल मैच में 86,174 दर्शक स्टेडियम में मौजूद थे। क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने कहा कि इसके अलावा सिडनी में 27 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश तथा भारत और ग्रुप ए के उपविजेता के बीच में होनेवाले मैचों के भी सभी टिकट बिक गये हैं। आईसीसी ने कहा कि आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच 22 अक्टूबर को सिडनी में, पाकिस्तान और ग्रुप ए के उपविजेता तथा भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पर्थ में 30 अक्टूबर और पाकिस्तान एवं दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन नवंबर को सिडनी में होनेवाले सुपर 12 के मैचों के कुछ टिकट ही बचे हुए हैं।

मीडिया कप फुटबॉल टूर्नामेंट-2022

टीम गंगा और दामोदर के बीच होगा खिताबी मुकाबला

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मेगा स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स में खेले जा रहे मीडिया कप फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में टीम गंगा और टीम दामोदर ने जीत दर्ज करते हुए खिताबी मुकाबले में अपनी जगह सुरक्षित की। गुरुवार को एथलेटिक्स प्रैक्टिस ग्राउंड में खेले गये पहले सेमीफाइनल मुकाबले में टीम गंगा ने टीम मयूराक्षी को आसानी से 2-0 से हर फाइनल में जगह सुरक्षित की। पहला हाफ काफी संघर्षपूर्ण रहा और दोनों ही टीमों को गोल करने में सफल नहीं हो पायी। दूसरे हाफ के 20वें मिनट में समीर श्रृजन ने भुवनेश्वर के पास पर शानदार मैदानी गोल दाग गंगा को बढ़त दिलायी। 9 मिनट बाद ही प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा गोल करनेवाले राजेश सिंह ने संदीप नाग के पास पर गोलकीपर को चकमा देते हुए गेंद को पोस्ट में सरका गंगा की बढ़त दोगुनी कर दी। राजेश सिंह का प्रतियोगिता में ये पांचवां गोल था। मैच इसी स्कोर पर खत्म हुआ। मैच में शानदार प्रदर्शन करनेवाले समीर श्रृजन मैन ऑफ द मैच चुने गये। टीम दामोदर और टीम अजय के बीच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला काफी आक्रामक तरीके से शुरू हुआ। दोनों टीमों ने एक-दूसरे के गोल पोस्ट पर शुरूआती दौर में ही कई हमले किये। अजय के गोलकीपर शक्ति सिंह ने दो शानदार बचाव किये, वहीं दामोदर के आसिफ नईम ने भी एक बचाव किया। मैच के 11वें मिनट में दामोदर के शंकर ठाकुर ने शानदार गोल दागते हुए टीम को बढ़त दिलायी। मध्यांतर तक यही स्कोर रहा। मध्यांतर के बाद दोनों ही टीमों ने आक्रामक खेल जारी रखा लेकिन किसी भी टीम को गोल करने में सफलता नहीं मिल पायी। मैदान पर खराब व्यवहार के लिए आसिफ नईम को पीला कार्ड दिखाया गया। प्रतियोगिता के 14 मैचों के दौरान ये पहला मौका था जब किसी खिलाड़ी को पीला कार्ड दिखाया गया हो। शंकर ठाकुर को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

सेमीफाइनल के मैन ऑफ द मैच

- गंगा बनाम मयूराक्षी : समीर श्रृजन
- दामोदर बनाम अजय : शंकर ठाकुर

17 सितम्बर, शनिवार

खिताबी मुकाबला
शाम 7 बजे : गंगा बनाम दामोदर।

36वीं राष्ट्रीय खेल 2022 गुजरात के लिए झारखंड राज्य कुश्ती टीम घोषित

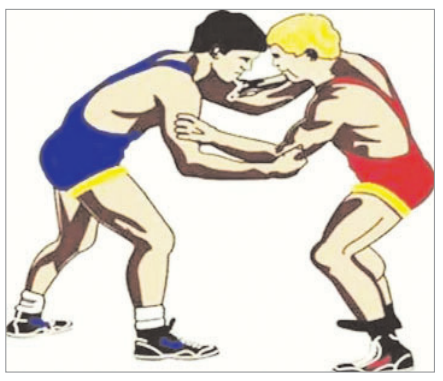

नवीन मेल संवाददाता

रांची। 30 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक गांधीनगर, गुजरात मे आयोजित 36वीं राष्ट्रीय खेल मे भाग लेने से पूर्व, झारखंड राज्य के महिला एवं पुरुष कुश्ती टीम का प्रशिक्षण शिविर 16 सितम्बर 2022 से बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, रांची में आयोजित की जायेगी। प्रशिक्षण शिविर के उपरांत झारखंड कुश्ती टीम 27 सितम्बर 2022 को रांची से गांधीनगर, गुजरात के लिए रवाना होगी। प्रशिक्षण शिविर मे भाग लेने वाले कुश्ती खिलाड़ियों का चयन हुआ है, उनके नाम निम्न हैं।

पुरुष ग्रीको रोमन : अविनाश कुमार, प्रकाश सिंह बादल, राहुल कुमार, भीष्म कुमार, शुभम शर्मा, विवेक चौधरी।

स्टैंडबाय : जुगल साव, साहिल अंसारी।

पुरुष फ्री-स्टाइल : नीतीश कुमार, चंदन यादव, मुकुल मिश्रा, इंद्र बहादुर सिंह, राजीव रंजन, कौशल कुमार।

स्टैंडबाय : सत्यम सुमित्रा, अनिकेत कुमार।

महिला वर्ग : राखी तिर्की, मधु तुर्की, उत्सवी चतुर्वेदी, यशमीना खातून, पूजा रानी, ऐश्वर्या साक्षी।

स्टैंडबाय : कोमल मरांडी, सरिता उरांव।

भारत ने नेपाल को हराकर सैफ अंडर-17 खिताब जीता

नयी दिल्ली/कोलंबो (एजेंसी)। मौजूदा चैंपियन भारत ने कोलंबो में खेले गए फाइनल में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे नेपाल को 4-0 से करारी शिकस्त देकर सैफ अंडर-17 फुटबॉल चैंपियनशिप का खिताब बरकरार रखा। भारत की तरफ से बॉबी सिंह, कोरौ सिंह, कप्तान वनलालपेका गुइटे और अमन ने एक-एक गोल किया। नेपाल ने भारत को लीग चरण में 3-1 से हराया था। लेकिन फाइनल में भारतीय टीम शुरू से ही दबदबा बनाने के लिए बेताब देखी और उसने नेपाल की रक्षा पंक्ति में सेंध लगाने की अच्छी कोशिश की। बॉबी ने 18वें मिनट में हैडर से गोल दागकर भारत को शुरूआती बढ़त दिलाई। बॉबी के गोल में अहम भूमिका निभाने वाले गुइटे ने इसके 12 मिनट बाद फिर से गेंद बनाई और इस बार उनके पास पर कोरौ सिंह ने भी गोल करने में कोई गलती नहीं की। इसके बाद नेपाल गोल करने के लिए बेताब दिखा। उसके खिलाड़ियों के चेहरे पर हताशा स्पष्ट नजर आ रही थी और इसका परिणाम यह हुआ कि 39वें मिनट में उसके कप्तान प्रशांत लक्षम ने डैनी लैशराम पर कोहनी मार दी जिसके कारण उन्हें तुरंत ही लाल कार्ड दिखा दिया गया। मध्यांतर के बाद 63वें मिनट में गुइटे ने भारत की तरफ से तीसरा गोल दागा, जबकि अमन ने इंजरी टाइम में चौथा गोल करके भारत की बड़ी जीत सुनिश्चित की। भारतीय कप्तान गुइटे को टूर्नामेंट का सबसे उपयोगी खिलाड़ी आंका गया जबकि साहिल ने सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार हासिल किया। भारत के मुख्य कोच विबियानो फर्नांडीस ने अपने खिलाड़ियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ह्यमुझे अपने खिलाड़ियों पर बहुत गर्व है। उन्होंने इसके लिए कड़ी मेहनत की थी। सहयोगी स्टाफ और खिलाड़ी दोनों समान श्रेय के हकदार हैं।'